फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मालीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

फरीदाबाद, मंगलवार, 24 मार्च 2026

दिल्ली, हरियाणा, चड़ीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश को प्रमुख हिन्दी दैनिक

वर्ष: 16 अंक: 82 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. HAR/HIN/2011/43680 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2026/28 | पृष्ठ: 12 मूल्य: 1 रुपये

प्रयागराज में अमोनिया गैस टैंक फटने से कोल्ड स्टोरेज धराशायी, चार की मौत

प्रयागराज, (वेब वार्ता)।

गंगापार इलाके के फाफामऊ के पास चंदापुर गांव में स्थित कोल्ड स्टोरेज धराशायी हो गया। तेज आवाज के साथ अमोनिया गैस टैंक फटने के चलते हादसा हुआ है। कोल्ड स्टोरेज जिस समय गिरा उस समय वहां पर दो दर्जन से अधिक मजदूर मौजूद थे, जो मलबे में दब गए। हादसे में चार मजदूरों की मौत बताई जा रही है। छह की हालत नाजुक है। एनडीआरएफ टीम बचाव कार्य में जुटी है। घायलों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह कोल्ड स्टोरेज पूर्व मंत्री अहमद का बताया जा रहा है।

फाफामऊ क्षेत्र के चंदापुर में प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर स्थित सपा नेता और पूर्व मंत्री अंसार अहमद का कोल्ड स्टोरेज तेज धमाके के साथ धराशायी हो गया। अमोनिया गैस टैंक फटने के चलते यह हादसा हुआ है। मलबे में डेढ़ दर्जन से अधिक मजदूर दब गए। आनन फानन में सभी को बाहर निकाला गया। इसमें चार मजदूरों के मौत की बात कही जा रही है। छह की हालत नाजुक बताई जा रही है। जिले भर की एंबुलेंस को राहत बचाव कार्य में लगाया गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरफ की टीम रेस्क्यू आपरेशन में जुटी है।हादसे के चलते मलाक हरहर में लखनऊ हाईवे पर वाहनों का आवागमन ठप हो गया है।

मौके पर जिलाधिकारी मनीष कुमा वर्मा, पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। मलबे में डेढ़ दर्जन से अधिक लोग दब गए। घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से एसआरएन अस्पताल पहुंचाया गया है। फाफामऊ समेत आसपास के कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई है।

बताया जा रहा है कि मौके से निकाले गए चार मजदूरों की हालत नाजुक बनी हुई है। मौके पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम बचाव कार्य में जुट गई है। दर्जन भर से अधिक जेसीबी मलबो को हटाकर दबे हुए लोगों को खोज रही है। शाम सवा चार बजे तक तीन शव निकाले जा चुके हैं। सभी मजदूर बिहार के सहरसा जिले के बताए जा रहे हैं।

सभी को एकजुट होने की जरूरतः गिरिराज सिंह

मिडिल ईस्ट युद्ध पर पीएम मोदी के संबोधन पर बोले एनडीए नेता

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच पैदा हुई समस्याओं से भारत कैसे निपट रहा है, इस बारे में पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में अपनी बात रखी। पीएम मोदी के संबोधन पर एनडीए नेताओं ने कहा कि आपदा के वक्त पक्ष-विपक्ष नहीं होना चाहिए, सभी को एकजुट होने की जरूरत है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि देश में एलपीजी को लेकर कोई समस्या नहीं है। अगर कोई समस्या है, तो वह भ्रम फैलाने की समस्या है और यह समस्या विपक्ष के नेता की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों से एकजुट होकर संसद से एक स्वर में अपनी आवाज उठाने का आग्रह किया है। देश और दुनिया के प्रति जो हमारी पीड़ा है। सारी स्थितियों को पीएम मोदी ने रखा है, लेकिन कांग्रेस को हर चीज में राजनीति दिखाई देती है।

केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी. सिंह बघेल ने कहा कि समय-समय पर हरदीप सिंह पुरी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पश्चिम एशिया में संकट को लेकर बयान दिए थे। यह अच्छी बात है कि आज पीएम मोदी ने इस मुद्दे पर चर्चा की है।

केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि पीएम मोदी ने लोकसभा में अपना बयान दिया है और उन्होंने सुरक्षा पर सबसे ज्यादा जोर दिया है।

सरकार को मिडिल ईस्ट युद्ध रुकवाने के लिए कोशिश करनी चाहिए: रामगोपाल यादव

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच लोकसभा में पीएम मोदी के संबोधन पर विपक्षी दलों के नेताओं ने कहा कि वर्तमान की स्थिति काफी गंभीर है और इस युद्ध से विनाश होगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार को मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध को रुकवाने के लिए भरपूर कोशिश करनी चाहिए।

समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि इस युद्ध से हमारे और कई अन्य देशों की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा है। प्रधानमंत्री को इजरायली प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ अपनी दोस्ती का, और साथ ही ईरान के साथ हमारे पुराने संबंधों का लाभ उठाते हुए इस युद्ध को रोकने की कोशिश करनी चाहिए, क्योंकि इसने पूरी दुनिया को तबाही के कगार पर ला खड़ा किया है। यह युद्ध सारी दुनिया को विनाश के कगार पर ले आया है। उन्होंने कहा कि जैसा कि पीएम मोदी ने कहा कि वर्तमान की स्थिति काफी गंभीर है और यह युद्ध जारी रह सकता है, इसीलिए हम कह रहे हैं कि कठिन चीजों के लिए भी प्रयास होने चाहिए।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि मिडिल ईस्ट युद्ध के बीच सरकार ने एलपीजी के दाम बढ़ा दिए। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जब हम कमजोर थे, तो ईरान हमारे साथ था, मिडिल ईस्ट के देश साथ थे, और आज राष्ट्रहित में नहीं, पार्टी हित में कार्य किया जा रहा है। ईरान का सर्वोच्च नेता मारा गया।

नीतीश कुमार ने चाणक्य की तरह बिहार को सही राह दिखाई: सम्राट चौधरी

पटना, (वेब वार्ता)।

बिहार में महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बारे में एक महत्वपूर्ण बयान दिया है, जिससे संकेत मिलता है कि राज्य के शासन में उनका प्रभाव जारी रहेगा।

जहानाबाद में 'समृद्धि यात्रा' कार्यक्रम के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार के नेतृत्व और योगदान की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि जब भी बिहार में विकास और सुशासन की बात होगी, नीतीश कुमार का नाम सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री ने राज्य की प्रगति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐतिहासिक तुलना करते हुए, सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार की भूमिका की तुलना चाणक्य से की और कहा कि जिस प्रकार चाणक्य ने बुद्धिमत्ता से शासन का मार्गदर्शन किया, उसी प्रकार नीतीश कुमार ने लगातार बिहार को सही दिशा में अग्रसर किया है।

उन्होंने जरासंध और अशोक जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्वों का भी उल्लेख किया और कहा कि उनकी ही तरह नीतीश कुमार राज्य के लिए मार्गदर्शक शक्ति बने रहेंगे।

ये टिप्पणियां नीतीश कुमार के राज्यसभा में निर्वाचित होने के बाद आई हैं, जिससे बिहार में संभावित नेतृत्व परिवर्तन और नई सरकार के गठन को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। राजनीतिक गलियारों में इस बात पर सक्रिय रूप से चर्चा चल रही है कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा और नए प्रशासन का ढांचा कैसा होगा।

फ्रांस के पूर्व पीएम लियोनेल जोस्पिन का निधन

पेरिस, (वेब वार्ता)। फ्रांस के पूर्व प्रधानमंत्री लियोनेल जोस्पिन का 88 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी मौत की पुष्टि फ्रांस के मौजूदा प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने की। जोस्पिन को खास तौर पर फ्रांस में 35 घंटे का कार्य सप्ताह लागू करने के लिए जाना जाता है, जिससे कर्मचारियों को बेहतर काम-जीवन संतुलन मिला। जोस्पिन पहले एक प्रोफेसर थे, लेकिन बाद में राजनीति में आए और सोशलिस्ट पार्टी के बड़े नेता बने। 1997 से 2002 तक वे फ्रांस के प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान उन्होंने सामाजिक सुधारों पर जोर दिया और अपनी साफ-सुथरी छवि के लिए पहचाने गए। हालांकि 2002 के राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें बड़ी हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्होंने राजनीति से दूरी बना ली। फ्रांस की राजनीति में उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

एलपीजी की पैनिक बुकिंग में आई कमी

कालाबाजारी पर भी कसी नकेल: पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

पिछले तीन सप्ताह में तीन लाख पचास हजार पीएनजी कनेक्शन सक्रिय किए गए या फिर नए दिए गए हैं। सोमवार को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने डेली मीडिया ब्रीफिंग में संतोष जताया कि एलपीजी की पैनिक बुकिंग कम हुई है और सरकार कालाबाजारी करने वालों की सख्त निगरानी कर रही है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि कच्चे तेल की आपूर्ति पर्याप्त बनी हुई है और रिफाइनरियां सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं, जिससे खुदरा उपलब्धता स्थिर बनी हुई है। पीएनजी और सीएनजी की आपूर्ति प्राथमिकता वाले उपभोक्ताओं के लिए जारी है, जबकि औद्योगिक मांग का लगभग 80 प्रतिशत पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पीएनजी को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त एलपीजी आवंटन और नीतिगत सहयोग के माध्यम से तीन सप्ताह में लगभग 3

लाख 50 हजार नए घरेलू और वाणिज्यिक पीएनजी कनेक्शन सक्रिय किए गए हैं। एलपीजी आपूर्ति पर निगरानी रखी जा रही है, लेकिन वितरण जारी है।

शर्मा ने बताया कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर आवंटन को लेकर भी खास प्रबंध किया गया है। उन्होंने कहा, आवंटन सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन को और बढ़ाया है। हम लगातार राज्य सरकारों से अनुरोध कर रहे हैं कि कुल मात्रा का 50 फीसदी प्राथमिकता वाले क्षेत्रों—जैसे रेस्टोरेंट, होटल, औद्योगिक कैंटीन, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, सामुदायिक रसोई और प्रवासी श्रमिकों के लिए 5 किलोग्राम सिलेंडर—के लिए उपलब्ध कराया जाए।

संसद में पीएम मोदी के बयान पर प्रियंका गांधी ने उठाई चर्चा की मांग

गिरीश चंद्र शर्मा, भेदी नज़र

नई दिल्ली। लोकसभा में पीएम मोदी के बयान पर एआईसीसी महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने आज ताजा हालात को लेकर देश को अवगत कराया है। उन्होंने ज्यादा नई बातें नहीं कही हैं। हमने चर्चा के लिए जो नोटिस किया है, उस पर चर्चा होनी चाहिए। सबके पक्ष सामने आने चाहिए।

संसद में पीएम मोदी के बयान पर कांग्रेस सांसद प्रणिती शिंदे ने कहा कि हमने चर्चा की मांग की थी। रूलिंग पार्टी हमें चर्चा का अवसर नहीं दे रही है। प्रधानमंत्री ने पढ़कर बयान दिया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बयान जमीनी स्तर से काफी डिस्कनेक्ट था। एलपीजी की कमी है। एलपीजी को लेकर कैसे डील करने वाले हैं, उसके बारे में नहीं बताया। किसानों के हजारों टन फल होर्मुज स्ट्रेट में अटके हुए हैं। किसान बड़े संकट में हैं।

संसद में पीएम मोदी के बयान को लेकर राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि प्रधानमंत्री को इतना वक्त लग गया। कितनी चीजों पर पदार्दारी होगी? ईरान के स्कूल पर हमला किया गया। इस पर हमने कुछ नहीं बोला। नाम तक लेना उचित नहीं समझा। पैनिक के लिए विपक्ष को दोष दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आज तो आप स्वीकार कर रहे हैं। ये पहले होना चाहिए था। पीएम मोदी के संसद में बयान पर भाजपा सांसद एसपी सिंह बघेल ने कहा कि पश्चिम एशिया के संकट को लेकर हरदीप पुरी और विदेश मंत्री जयशंकर ने समय-समय पर वक्तव्य रखे थे।

असम के एयरफोर्स स्टेशन से पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

2023 से पाकिस्तान को दे रहा था जानकारी

डिब्रूगढ़, (वेब वार्ता)।

वायुसेना और राजस्थान इंटेलिजेंस की टीम ने असम के वायुसेना अड्डे पर तैनात एक कर्मचारी को पाकिस्तान की जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुमित कुमार (36) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के लाहुरपार का निवासी है और एयरफोर्स स्टेशन में एमटीएस (मल्टी टास्किंग स्टाफ) के पद पर कार्यरत है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया विभाग) प्रफुल्ल कुमार के अनुसार सुमित कुमार अपने पद का दुरुपयोग करते हुए भारतीय वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां एकत्रित करता था और उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स तक पहुंचाता था। जांच में सामने आया है कि वह वर्ष 2023 से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था और पैसों के बदले गोपनीय सूचनाएं साझा कर रहा था।

इस मामले की शुरूआत जनवरी 2026 में राजस्थान के जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी से हुई थी। उससे पूछताछ के दौरान सुमित कुमार का नाम सामने आया। इसके बाद राजस्थान इंटेलिजेंस ने वायुसेना खुफिया विभाग, नई दिल्ली के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को छबुआ से हिरासत में लिया।

पंजाब सरकार के पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर गिरफ्तार

सीबीआई जांच से डरी सरकार: स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

पंजाब वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (पीडब्ल्यूसी) के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा की मौत के मामले में सोमवार को बड़ी कार्रवाई हुई है। इस मामले में पुलिस ने पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देश के बाद फतेहगढ़ साहिब पुलिस द्वारा की गई। इस गिरफ्तारी पर राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल की प्रतिक्रिया सामने आई।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में स्वाति मालीवाल ने लिखा, 'इतने समय से पंजाब सरकार अपने मंत्री लालजीत भुल्लर को बचाने का प्रयास कर रही थी। आज जैसे ही संसद में गृह मंत्री ने इस केस को सीबीआई को देने की बात कही, आधे घंटे के अंदर पंजाब पुलिस ने मंत्री को अरेस्ट कर लिया।'

उन्होंने आगे कहा, 'पंजाब सरकार सीबीआई जांच से डर रही है। मंत्री की जांच हुई तो बहुत बड़े बड़े नाम सामने आयेंगे, भ्रष्टाचार खुलकर सामने आएगा, सब पता चल जाएगा पैसा कहां-कहां तक पहुंच रहा है। पंजाब में भ्रष्टाचार कंट्रोल से बाहर है। ये केस निष्पक्ष जाँच के लिए सीबीआई को ट्रांसफर होना चाहिए।'

गौरतलब है कि गगनदीप सिंह रंधावा ने 21 मार्च को आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद से ही इस मामले ने तूल पकड़ लिया था। रंधावा की मौत के पीछे पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर पर प्रताड़ना और मानसिक दबाव बनाने के गंभीर आरोप लगे थे।

कृषि नवाचारों का महाकुंभ : राष्ट्रीय कृषि उदय एक्सपो-2026 का आगाज

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को 'राष्ट्रीय कृषि उदय एक्सपो-2026' का दौरा करेंगे। सोमवार को केंद्रीय कृषि यंत्रीकरण एवं परीक्षण प्रशिक्षण संस्थान बुदनी में शुरू हुए इस कार्यक्रम में वे किसानों एवं कृषि उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ सीधा संवाद स्थापित करेंगे तथा उनकी समस्याओं, सुझावों एवं अनुभवों से अवगत होंगे। इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य किसानों को उन्नत तकनीकों से जोड़ना, कृषि उत्पादकता में वृद्धि करना तथा कृषि क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करना है।

कृषि मंत्रालय के अनुसार कृषि मंत्री शिवराज सिंह के इस प्रस्तावित दौरे के दौरान अनेक महत्वपूर्ण एवं किसान-केंद्रित पहलों का क्रियान्वयन किया जाएगा। इस अवसर पर नई अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं एवं उन्नत सुविधाओं का लोकार्पण किया जाएगा, जो कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण को नई दिशा प्रदान करेंगी। साथ ही, विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे तकनीकी सहयोग, कौशल विकास एवं नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा।

इसके अतिरिक्त, किसानों को आधुनिक कृषि उपकरणों से युक्त टूलकिट का वितरण किया जाएगा, जिससे उनकी कार्यक्षमता एवं उत्पादकता में वृद्धि होगी। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में लगभग 5 हेक्टेयर क्षेत्र में स्थापित उन्नत 'पिवोट सिंचाई प्रणाली' का उद्घाटन किया जाएगा, जो जल प्रबंधन एवं आधुनिक सिंचाई तकनीकों का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

माय भारत अभियान से जुड़कर युवा कर रहे राष्ट्र निर्माण में भागीदारी : रक्षा निखिल खडसे

भेदी नज़र, फरीदाबाद

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार माय भारत द्वारा आज शहीद दिवस के अवसर पर आयोजित रमेश भारत, मेरी जिम्मेदारी पदयात्रा कार्यक्रम में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने युवाओं को संबोधित करते हुए देश के शहीदों के बलिदान को स्मरण करने और उनके विचारों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। उनके साथ हरियाणा सरकार के युवा एवं खेल मंत्री गौरव गौतम, बड़खल विधायक धनेश अदलखा, नगर निगम महापौर प्रवीण बत्रा जोशी, जिला अध्यक्ष पंकज पूजन राम पाल, माय भारत की सीईओ प्रियंका शुक्ला, उपायुक्त आयुष सिन्हा, नगर निगम एडिशनल कमिश्नर सलोनी शर्मा मौजूद रही।

पदयात्रा के.एल. मेहता दयानंद कॉलेज से प्रारंभ होकर एनआईटी 05 डीसीपी ऑफिस के सामने से शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए शहीद भगत सिंह चौक तक पहुंची। पदयात्रा में शामिल प्रतिभागियों ने भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान हजारों युवाओं ने अनुशासित ढंग से आगे बढ़ते हुए शहीदों को नमन कर और राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया। पदयात्रा में 10000 से ज्यादा युवाओं ने भाग लिया।

रक्षा निखिल खडसे ने कहा कि शहीद दिवस हम सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि इसी दिन हम देश के महान क्रांतिकारियों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि जो राष्ट्र अपने इतिहास को याद रखता है, वही राष्ट्र मजबूत और आत्मनिर्भर बनता है। इसलिए युवाओं का अपने देश के इतिहास और महापुरुषों के विचारों से जुड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हमेशा यह संदेश रहा है कि आज का युवा देश के वीर जवानों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी करे। देश की स्वतंत्रता केवल एक क्षेत्र या एक राज्य के प्रयास से नहीं मिली, बल्कि पूरे देश के वीरों ने मिलकर अपना बलिदान दिया। ऐसे में आज के युवाओं का दायित्व है कि वे उन त्याग और समर्पण की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

रक्षा निखिल खडसे ने कहा कि इसी उद्देश्य से देशभर में पदयात्राओं, युवा कार्यक्रमों और जनजागरण गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि युवाओं के बीच एकता, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना मजबूत हो। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई माय भारत पहल के माध्यम से देशभर के युवाओं को एक मंच पर जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस पहल का लक्ष्य है कि युवा राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी करें और अपने कौशल तथा ऊर्जा को देश के विकास में लगाएं। उन्होंने जानकारी दी कि आज देशभर में करोड़ों युवा माय भारत से जुड़ चुके हैं और विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। क्विज प्रतियोगिता, पदयात्रा, स्वच्छता अभियान, फिटनेस कार्यक्रम और महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि पर आयोजित गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को देश के गौरवशाली इतिहास से जोड़ा जा रहा है।

रक्षा निखिल खडसे ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। यदि देश को आगे बढ़ाना है तो युवाओं के साथ चलना होगा, उनके विचारों को सुनना होगा और उन्हें नेतृत्व के अवसर देने होंगे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे केवल एक दिन शहीदों को याद करने तक सीमित न रहें, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

गुर्जर ने वार्ड 1 और 5 में लगभग 8 करोड़ 85 लाख रुपये के विकास कार्यों का किया शुभारंभ और शिलान्यास

दीक्षा शर्मा, भेदी नज़र

फरीदाबाद। फरीदाबाद के वार्ड नंबर-1 और वार्ड नंबर-5 में गत रविवार को आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने लगभग 8 करोड़ 85 लाख रुपये के विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इन कार्यों में वार्ड नंबर 1 स्थित 5 एकड़ में बने अटल पार्क में लगभग 5 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से हुए बाउंड्री वॉल, फुटपाथ, कैनेपी, बेंच, ओपन थिएटर, रंगीन म्यूजिकल फाउंटेन, सेल्फी प्वाइंट, धौलपुर छतरी, डेकोरेटिव लाइट्स, हाई मार्क्स लाइट के कार्य का उद्घाटन किया।

वहीं वार्ड संख्या-5 में विकास कार्यों को गति देते हुए विभिन्न आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए व्यापक स्तर पर विभिन्न विकास कार्यों की शुरूआत की गयी। इसके अंतर्गत विभिन्न सड़कों का आरएमसी निर्माण कार्य, वार्ड के विभिन्न मार्गों का सुदृढ़ीकरण, डिवीजन-1 क्षेत्र में नालियों/गौरी ड्रेन का टिंबर ट्री के साथ सौंदर्यीकरण तथा अन्य निर्माण एवं सुधार कार्य शामिल हैं। इन सभी विकास परियोजनाओं पर कुल लगभग 3 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत व्यय की जाएगी, जिससे क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं, ताकि स्थानीय लोगों को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार का उद्देश्य नागरिकों को आधुनिक और सुदृढ़ बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना है, और इसी लक्ष्य के तहत निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं।

राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बताया कि फरीदाबाद शहर को बिजली के जाल से मुक्त करने के लिए 2700 करोड़ रुपये की लागत से हाई टेंशन बिजली लाइनों को भूमिगत करने की महत्वाकांक्षी योजना शुरू की जा रही है, जिसकी शुरूआत एनआईटी विधानसभा क्षेत्र से होगी। इस परियोजना से शहर की सुंदरता में वृद्धि के साथ-साथ सड़कों के चौड़ीकरण में भी सुविधा होगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय राज्यमंत्री ने पेयजल आपूर्ति की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि एनआईटी क्षेत्र में लंबे समय से मीठे पानी की उपलब्धता एक चुनौती रही है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए 250 करोड़ रुपये की लागत से यमुना से सीधे पाइपलाइन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की योजना लागू की जा रही है, जिससे क्षेत्र के सभी निवासियों को लाभ मिलेगा।

सामुदायिक पुलिसिंग सेल टीम ने करीब 500 लोगों किया जागरूक: डीसीपी

सुनील कुमार जांगड़ा, भेदी नजर, फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त फरीदाबाद सतेन्द्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन एवं पुलिस उपायुक्त यातायात जयवीर राठी के दिशा-निर्देशन में सामुदायिक पुलिसिंग सेल फरीदाबाद द्वारा सेक्टर-37 क्षेत्र में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सामुदायिक पुलिसिंग सेल की टीम ने आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। हेलमेट ना पहनने वाले वाहन चालकों को समझाकर उन्हें नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया, जिससे सड़क सुरक्षा को बढ़ावा मिले। इसके अतिरिक्त टीम द्वारा महिलाओं के विरुद्ध अपराध तथा बाल विवाह निषेध अधिनियम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों को बताया गया कि बाल विवाह एक सामाजिक कुप्रथा है, जो बेटियों के अधिकारों और उनके भविष्य को प्रभावित करती है तथा समाज में महिलाओं के प्रति अत्याचार को बढ़ावा देती है। इसलिए ऐसे कानूनों की जानकारी होना और उनका पालन करना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को आपातकालीन व सहायता हेतु महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर जैसे 112, 1930, 1933, 1098 और 1091 की जानकारी दी गई। साथ ही नशे से संबंधित जानकारी के लिए एम ए एन ए एस ऐप के बारे में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के पश्चात नशा मुक्ति टीम द्वारा एनआईटी जोन, फरीदाबाद में डोर-टू-डोर सर्वे अभियान भी चलाया गया। इस जागरूकता अभियान के अंतर्गत लगभग 500 लोगों को जागरूक कर समाज में एक सकारात्मक संदेश प्रसारित किया गया।

फरीदाबाद-ग्राम दयालपुर में मुख्यमंत्री के प्रति ग्रामीणों का अपार प्रेम

सुनील कुमार जांगड़ा, भेदी नजर, फरीदाबाद। ग्राम दयालपुर में माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रति ग्रामीणों का अपार प्रेम, सम्मान और अटूट विश्वास भावपूर्ण रूप से देखने को मिला। ग्राम पंचायत द्वारा कराए गए दीवार लेखन के माध्यम से ग्रामवासियों ने माननीय मुख्यमंत्री जी का आकर्षक चित्रांकन कराकर अपने स्नेह, सम्मान और समर्थन को सजीव अभिव्यक्ति दी। ग्रामीणों ने इसे बड़े उत्साह, गर्व और आत्मीयता के साथ अपनाया। यह प्रेरक दृश्य इस बात का सशक्त प्रमाण है कि माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में संचालित विकास कार्यों तथा जनकल्याणकारी नीतियों ने गांव-गांव तक विश्वास, जुड़ाव और आशा को सुदृढ़ किया है।

विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण का संदेश जल बचाओ, जीवन बचाओ पर दिया जोर

मोहरपाल सिंह, भेदी नज़र

फरीदाबाद। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सेक्टर-58 स्थित जेसीबी इंडिया लिमिटेड, में विश्व जल दिवस मनाया। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा हर साल मनाए जाने वाले विश्व जल दिवस के अवसर पर, जल संरक्षण और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित की गईं।

इस वर्ष का विषय, जल संरक्षण, जीवन रक्षार, हमारे सीमित जल संसाधनों की रक्षा की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी निकायों और सामाजिक संगठनों ने जिम्मेदार जल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए रैलियां, सेमिनार और जागरूकता अभियान चलाए।

विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि बढ़ती जनसंख्या, जल प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन बढ़ते वैश्विक जल संकट के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि तत्काल और प्रभावी कार्रवाई के बिना, निकट भविष्य में जल संकट एक गंभीर चुनौती बन सकता है। नागरिकों से जल की बबार्दी कम करने, वर्षा जल संचयन करने और जल स्त्रोतों के प्रदूषण को रोकने जैसे सरल लेकिन प्रभावी उपाय अपनाने का आग्रह किया गया। प्रत्येक व्यक्ति का प्रयास जल संरक्षण में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है।

कार्यक्रम का समापन जल संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने की सामूहिक प्रतिज्ञा के साथ हुआ।

समाजसेवी ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह के शहादत दिवस पर दी श्रद्धांजलि

वंदना, भेदी नजर

फरीदाबाद। शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहादत दिवस के अवसर पर समाजसेवी डॉ. मोहन तिवारी ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि इन महान क्रांतिकारियों का बलिदान देश के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

समाजसेवी डॉ. तिवारी ने अपने संदेश में कहा कि 23 मार्च 1931 का दिन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक अध्याय है, जब इन वीर सपूतों ने हंसते-हंसते देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

उन्होंने कहा कि भगत सिंह केवल एक क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि एक महान विचारक और समाज सुधारक भी थे, जिनकी सोच आज भी युवाओं के लिए मार्गदर्शक है। उनके विचार हमें अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और समाज में समानता स्थापित करने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर डॉ. मोहन तिवारी ने देशवासियों से आह्वान किया कि वे भगत सिंह के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठा से पालन करें।

शहीदी दिवस पर ऑल इडिया शहीद भगत सिंह बिग्रेड ने शहीद ए आजम भगत सिंह को नमन किया

भेदी नज़र, फरीदाबाद। शहीदी दिवस पर ऑल इडिया शहीद भगत सिंह बिग्रेड द्वारा एनआईटी स्थित भगत सिंह कालेज केम्पस में श्रृद्वांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहीद ए आजम भगत सिंह के पौत्र एवं ऑल इडिया शहीद भगत सिंह बिग्रेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष यादवेन्द्र सिंह सन्धु व बिग्रेड से जुडे देशभक्तों ने शहीद ए आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर श्रृद्वासुमन अर्पित कर उन्हें श्रृद्वांजलि दी। इस मौके पर यादवेन्द्र सिंह सन्धु ने कहा कि आज 23 मार्च का दिन हिन्दुस्तान के इतिहास का महत्वपूर्ण दिन है। उन्होनें कहा कि आज ही के दिन इस देश में आजादी के आंदोलन का सबसे बड़ा बलिदान हुआ था। उन्होनें कहा कि हमें शहीदों से प्रेरणा लेकर उनके सपनों को पूरा करने के लिए अपना योगदान देना चाहिए। उन्होनें कहा कि

आज का भारत युवा भारत है जब भी देश दुनिया ने करवटें बदली है युवाओं ने ही क्रांतिकारी उदघोष किया है। उन्होनें कहा कि शहीद ए आजम भगत सिंह ने कहा था कि अंग्रेज मुझे मार सकते है लेकिन मेरे विचारों को नहीं, उनकी यही सोच और विचार आज भी हमारे बीच में है बस हमकों उनकों अपनाना है। यादवेन्द्र सिंह ने कहा कि हमें शहीदों को सबसे ऊपर रखना है और उनकों उचित सम्मान देना चाहिए। उन्होनें कहा कि आज की युवा पीढ़ी को भी शहीद ए आजम भगत सिंह की तरह निडर होकर किसी भी समय अपने देश के लिए बलिदान देने के लिए सदैव तत्पर रहना है। यादुवेन्द सिंह ने कहा कि जौ कौम अपने शहीदों को भुला देती है उसका भविष्य कभी भी उज्जवल नहीं होता। इस अवसर पर बिग्रेड के सदस्यों ने शपथ ली कि वह सब भी अपने देश के लिए बलिदान देने से पीछे नहीं हटेगें।

अरुआ गांव में उद्यान विभाग का जिला स्तरीय सेमिनार किसानों को दी आधुनिक खेती की जानकारी

भेदी नज़र, फरीदाबाद।

गांव अरुआ जिला फरीदाबाद में उद्यान विभाग द्वारा चलाई गई स्कीमों के प्रचार-प्रसार के लिए जिला स्तरीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें एच.एस.एच.डी.ए. पंचकुला मिशन निदेशक जोगेन्द्र सिंह द्वारा द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से की गई।

इस मौके पर उन्होंने किसानों व उद्यमियों द्वारा लगाई गई स्टाल का अवलोकन किया तथा प्रगतिशील किसानों से उनके उत्पादों के बारे में जानकारी ली। इसके बाद अतिथि महोदय द्वारा बताया गया कि जिला फरीदाबाद में उद्यान विभाग किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार विभिन्न स्कीमों को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए भरसक प्रयासरत है। बागवानी विभाग की स्कीमों का लाभ लेने के लिए सर्वप्रथम किसानों को मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। इसके बाद विभाग से सम्पर्क कर विभिन्न स्कीमों का लाभ लेकर किसान अपनी आय को बढा सकता है। उन्होंने बताया है कि किसान इस क्षेत्र में अमरूद, बेर, नींबू व किन्नू जैसे शुष्क मौसम के फल लगा सकते हैं। संरक्षित आकृति जैसे नैट हाऊस, मल्चिंग व टनल के अंदर सब्जी की काश्त आधुनिक तरीके जैसे टपका सिंचाई प्रणाली के माध्यम से किसान अपनी आय में मुनाफा कर सकता है।

उन्होंने बताया है कि सरकार द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य यही है कि किसान अधिक से अधिक बागवानी फसलों के नवीनतम तकनीकी ज्ञान से अवगत हो सकें। जिला उद्यान अधिकारी डॉ पुष्पेंद्र सिंह राठौर ने जिला फरीदाबाद की जलवायु के अनुसार यहां पर सब्जी व मसाले की खेती व उनका बीज उत्पादन आसानी से किया जा सकता है। इसके लिए बागवानी विभाग 15000/- रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से अनुदान दे रहा है। इस स्कीम में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर लाभान्वित किया जाता है।

स्कीमों का लाभ लेने के लिए सर्वप्रथम मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण करवा कर किसान बागवानी विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण करवा कर मद का चुनाव कर के जरूरी दस्तावेज अपलोड करने के बाद ही स्कीम का लाभ लेने का योग्य होगा। एक किसान अधिकतम क्रमशः सब्जी उत्पादन, सब्जी बीज उत्पादन एवं मसाले उत्पादन में 05 एकड़ का लाभ ले सकता है।

दलाल स्पोर्ट्स अकादमी 134 रन से जीती

फरीदाबाद, (वेब वार्ता)। सेक्टर-74 स्थित लॉर्डस क्रिकेट मैदान पर सोमवार को खेले गए 40 ओवर के मुकाबले में दलाल स्पोर्ट्स अकादमी ने लॉर्डस क्रिकेट अकादमी को 134 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दलाल स्पोर्ट्स ने 260 रन बनाए। लक्ष्य का पीछे करते हुए लॉर्डस की टीम 19 ओवर में 126 रन पर ही ऑल आउट हो गई। दलाल स्पोर्ट्स के लिए उत्कर्ष ने 88 और नकुल ने 76 रन बनाए। वहीं, लॉर्डस के कुशल शर्मा और शौर्य डुडेजा ने दो-दो विकेट लिए। लॉर्डस के कुशल शर्मा ने 21 और हितेश शर्मा ने 10 रन बनाए। टीम का अन्य कोई खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा भी नहीं पार कर सका। दलाल स्पोर्ट्स के लिए अमरजीत ने चार विकेट लिए और मनोज, कपीश, लव और वंश को एक-एक विकेट मिला।

गैस सप्लाई पूरी तरह सुचारू, प्रशासन कर रहा है लगातार निगरानी

भेदी नज़र, फरीदाबाद। फरीदाबाद जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू है और किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। डीसी आयुष सिन्हा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन विपणन कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित कर स्थिति की निरंतर निगरानी कर रहा है, ताकि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जा सके।

डीसी आयुष ने बताया कि जिले में एचपीसीएल, इंडेन और भारत गैस की कुल 43 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं, जो उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस की आपूर्ति कर रही हैं। आमजन की मांग के अनुसार गैस उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है और सभी उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। डीसी ने नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों से बचें और अनावश्यक रूप से सिलेंडर की बुकिंग या संग्रहण कर पैनिक की स्थिति उत्पन्न न करें। प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और आपूर्ति व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक (डीएफएससी) कविता सिंह परिहार ने जानकारी देते हुए बताया कि उपायुक्त आयुष सिन्हा के दिशा-निर्देशन में जिले में घरेलू गैस की कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सख्त कार्रवाई अमल में लाई जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सके। उन्होंने आगे बताया कि प्रशासन द्वारा दिन और रात दोनों समय नियमित निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि विभाग की गठित टीमों द्वारा घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी को रोकने के लिए जिला फरीदाबाद के अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की।

नालसा की पहल, मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रभावित लोगों को मिलेगी कानूनी सहायता

भेदी नज़र, फरीदाबाद। नालसा प्रवक्ता ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा मानव-वन्यजीव संघर्ष से प्रभावित लोगों को न्याय दिलाने और उन्हें कानूनी सहायता उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मानव-वन्यजीव संघर्ष पीड़ितों के लिए न्याय तक पहुंच योजना, 2025 लागू की गई है। यह योजना खास तौर पर उन लोगों को ध्यान में रखकर बनाई गई है जो जंगलों के आसपास रहने वाले, जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले या मानव-वन्यजीव संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों में निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 एवं 48अ के प्रावधानों पर आधारित है तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष से प्रभावित व्यक्तियों, उनके परिवारों एवं समुदायों को इसका मुख्य लाभार्थी माना गया है। इस योजना के माध्यम से ऐसे लोगों की कानूनी, सामाजिक और आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि जरूरतमंद व्यक्तियों को समय पर न्याय और सरकारी मदद मिल सके।

मुनियों ने संयम और अहिंसा संदेश दिया

बल्लभगढ़, (वेब वार्ता)। बल्लभगढ़ के सेक्टर-2 स्थित सामुदायिक भवन में चल रहे श्री 1008 सर्वतोभद्र महामंडल विधान का सोमवार को दूसरा दिन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत अभिषेक और शांतिधारा से हुई। मुनियों के प्रवचनों में धर्म, संयम और अहिंसा का संदेश दिया गया, जिसे सुनने के लिए लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजकों के अनुसार इस आयोजन का उद्देश्य समाज में धार्मिक जागरूकता बढ़ाना और नई पीढ़ी को जैन धर्म के सिद्धांतों से जोड़ना है।

साइबर फोरेंसिक व सूचना सुरक्षा में छात्राएं बना सकेंगी कॅरिअर

फरीदाबाद, (वेब वार्ता)।

जिले की राजकीय महिला पॉलीटेक्निक में नए शैक्षणिक सत्र से दो कोर्स शुरू होने जा रहे हैं। नए सत्र से छात्राओं को फैशन टेक्नोलॉजी और साइबर फोरेंसिक व सूचना सुरक्षा में कॅरिअर बनाने का मिलेगा। अप्रैल माह से इन कोर्स में प्रवेश लेने के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। फिलहाल राजकीय महिला पॉलीटेक्निक में आर्किटक्चर, सिविल, कंप्यूटर, इलेक्ट्रोनिक व कम्युनिकेशन, फैशन डिजाइनिंग, बिजनेस मैनेजमेंट और मैकेनिकल ट्रेड संचालित हो रहे हैं।

इनमें 1250 से अधिक छात्राएं पढ़ रही हैं। प्रबंधन ने बताया कि फैशन टेक्नोलॉजी और साइबर फॉरेंसिक व इंफार्मेशन सिक्योरिटी कोर्स शुरू करने की लंबे समय से मांग की जा रही थी। बीते वर्ष भी कोर्स शुरू करने की डिमांड भेजी गई थी, लेकिन मंजूरी नहीं मिल सकी थी। नए शैक्षणिक सत्र से इन कोर्स में दाखिले की प्रक्रिया शुरू होगी। पॉलीटेक्निक प्रबंधन ने बताया कि दोनों कोर्स में 30-30 सीटें होंगी। छात्राओं को यह स्किल सीखने को मिलेगी फैशन टेक्नोलॉजी में गारमेंट डिजाइनिंग, निर्माण, प्रोडक्शन और एआई-आधारित टूल का उपयोग सिखाया जाएगा। वर्तमान में यह कोर्स ट्रेंड में है। छात्राओं को इसमें कॅरिअर बनाने तथा अपना व्यापार स्थापित करने में मदद मिलेगी। साइबर फोरेंसिक व सूचना सुरक्षा कोर्स डिजिटल साक्ष्यों की जांच, हैकिंग और नेटवर्क सुरक्षा के लिए आवश्यक कौशल सिखाता है। यह साइबर अपराध की रोकथाम, डाटा सुरक्षा और फोरेंसिक विश्लेषण में करियर के अवसर प्रदान करेगा।

ये कोर्स करने पर छात्राओं के लिए रोजगार के नए मार्ग खुलेंगे। इन कोर्स में दाखिला लेने के लिए जिले की छात्राओं के बेहतर अवसर है। ट्रेंडिंग कोर्स से छात्राओं को रोजगार के बेहतर विकल्प मिलेंगे। आज की डिजिटल दुनिया में इन कोर्स की बेहद मांग है।

छात्राएं नए सत्र से साइबर फॉरेंसिक की पढ़ाई कर सकेंगी

फरीदाबाद, (वेब वार्ता)।

स्मार्ट सिटी फरीदाबाद की छात्राओं के लिए करियर के नए रास्ते खुलने जा रहे हैं। सेक्टर-8 स्थित महिला पॉलिटेक्निक फरीदाबाद में आगामी शिक्षा सत्र से फैशन टेक्नोलॉजी और साइबर फॉरेंसिक एवं इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी जैसे आधुनिक और रोजगारपरक कोर्स शुरू किए जा रहे हैं।

इससे छात्राओं को पारंपरिक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ नए जमाने के क्षेत्रों में भी आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। पॉलिटेक्निक प्रबंधन के अनुसार, इन दोनों कोर्स की आज के समय में काफी मांग है। फैशन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में जहां डिजाइनिंग, टेक्सटाइल और ब्रांड इंडस्ट्री में करियर की संभावनाएं हैं। वहीं दूसरी साइबर फॉरेंसिक एवं इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी के क्षेत्र में डिजिटल सुरक्षा, डेटा प्रोटेक्शन और साइबर क्राइम जांच जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। स्मार्ट सिटी की बेटियां लोगों को साइबर अपराधों से बचाने में अपनी अहम भूमिका निभा सकेंगी।

यह दोनों कोर्स नए शिक्षा सत्र से शुरू किए जाएंगे। इन कोर्सों में दाखिले के लिए छात्राएं आवेदन कर सकेंगी। दोनों कोर्स की एक- एक यूनिट शुरू की जाएगी। छात्राएं बनेंगी आत्मनिर्भर संस्थान के अधिकारियों का कहना है कि इन कोर्स के शुरू होने से छात्राएं आत्मनिर्भर बन सकेंगी और उन्हें तकनीकी व व्यावसायिक कौशल प्राप्त होगा।

खासकर साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे छात्राओं के लिए नौकरी के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। इसके अलावा इन कोर्स के शुरू होने से फरीदाबाद और आसपास के क्षेत्रों की छात्राओं को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। बता दें कि अभी तक फैशन टेक्नोलॉजी जैसा विषय केवल निजी संस्थानों में पढ़ाया जा रहा है। उन संस्थानों की फीस बहुत अधिक होने की वजह फैशन इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की वाली छात्राओं को वंचित रहना पड़ता है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए नालसा की नई पहल

फरीदाबाद, (वेब वार्ता)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) ने जंगलों और जनजातीय क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए मानव-वन्यजीव संघर्ष पीड़ितों के लिए न्याय तक पहुंच योजना 2025 की शुरूआत की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों के साथ संघर्ष में प्रभावित होने वाले व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों को समय पर कानूनी सहायता और सरकारी मुआवजा दिलाना है। नालसा प्रवक्ता के अनुसार, यह योजना भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों और पर्यावरण संरक्षण के प्रावधानों पर आधारित है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर वन विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। विशेष जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर पीड़ितों को उनके कानूनी अधिकारों, मुआवजा प्राप्त करने की जटिल प्रक्रियाओं और अन्य सामाजिक-आर्थिक सहायता योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी।

दिल्ली आर्थिक सर्वे 2026 पेश

विकास दर 9.42% का अनुमान; प्रति व्यक्ति आय 5.31 लाख पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को विधानसभा में वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। सर्वेक्षण में राजधानी की अर्थव्यवस्था को मजबूत बताते हुए 9.42 प्रतिशत विकास दर का अनुमान जताया गया है। साथ ही प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 5,31,610 रुपये होने की संभावना व्यक्त की गई है, जो राष्ट्रीय औसत से करीब ढाई गुना अधिक है।

आर्थिक मजबूती और राजस्व अधिशेष

आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2025-26 में दिल्ली का सकल राज्य घरेलू उत्पाद लगभग 13,27,055 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। यह पिछले वर्ष के मुकाबले 9.42 प्रतिशत की वृद्धि को दशार्ता है। इसके साथ ही 9,661.31 करोड़ रुपये के राजस्व अधिशेष का अनुमान लगाया गया है, जो जीएसडीपी का 0.73 प्रतिशत है। कर संग्रह में भी 15.54 प्रतिशत की वृद्धि संभावित है।

सेवा क्षेत्र का वर्चस्व कायम

दिल्ली की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक 86.32 प्रतिशत बनी हुई है। सरकार का लक्ष्य राजधानी को विश्वस्तरीय, समावेशी और रहने योग्य शहर के रूप में विकसित करना है। यह सर्वेक्षण का 17वां संस्करण है, जो आर्थिक दिशा और प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है।

बजट में बढ़ा आवंटन, योजनाओं पर जोर

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है, जिसमें से 59,300 करोड़ रुपये विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के लिए आवंटित किए गए हैं। यह पिछले वर्ष के मुकाबले 20,300 करोड़ रुपये अधिक है। बजट में परिवहन को 20 प्रतिशत,

सामाजिक सुरक्षा को 17 प्रतिशत, जल और स्वच्छता को 15 प्रतिशत, शिक्षा को 13 प्रतिशत और स्वास्थ्य को 12 प्रतिशत हिस्सा दिया गया है।

परिवहन और ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार

राजधानी में सार्वजनिक परिवहन के साधनों को मजबूत किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक बसों की संख्या 2150 से बढ़कर 4338 हो गई है। वहीं दिल्ली मेट्रो की औसत दैनिक सवारी लगभग 67 लाख तक पहुंच गई है। बिजली की अधिकतम मांग भी बढ़कर 8442 मेगावाट हो गई है, जबकि नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 509 मेगावाट दर्ज की गई है।

पर्यावरण और जल प्रबंधन में सुधार

दिल्ली में 'अच्छे वायु गुणवत्ता वाले दिनों' की संख्या 2018 के 159 दिनों से बढ़कर 2025 में 200 दिन हो गई है। जल आपूर्ति और स्वच्छता के क्षेत्र में 93.5 प्रतिशत घरों तक पाइपलाइन से पानी पहुंचाया जा रहा है। लगभग 1000 एमजीडी जल आपूर्ति, 15,700 किलोमीटर पाइपलाइन और 11,040 किलोमीटर सीवर नेटवर्क के जरिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया है।

शिक्षा और स्वास्थ्य में प्रगति

राजधानी में 1270 सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालय संचालित हैं, जहां 10वीं में 97.7 प्रतिशत और 12वीं में 98.3 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत 40 बहु-विशेषज्ञ अस्पताल, 370 आरोग्य केंद्र और 98 डिस्पेंसरी कार्यरत हैं। अस्पतालों में बेड की संख्या भी बढ़कर 15,659 हो गई है।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से राहत

सरकार की सामाजिक योजनाओं के तहत बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिल रहा है। वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को मासिक आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। वर्ष 2025-26 में 4.40 लाख वरिष्ठ नागरिक, 4.09 लाख महिलाएं और 1.40 लाख दिव्यांगजन इन योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं।

जहांगीरपुरी में सफाई व्यवस्था बदहाल, लोगों में नाराजगी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

जहांगीरपुरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से वार्ड संख्या 18 के आई और जे ब्लॉक में गंदगी का स्तर चिंताजनक बना हुआ है।

जहांगीरपुरी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एम एल भास्कर ने बताया कि इलाके में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं और नालियों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण जलभराव तथा कीचड़ की समस्या बनी रहती है। इसके चलते लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है और उन्हें नारकीय परिस्थितियों में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गलियों में जमा गंदा पानी बदबू फैलाने के साथ-साथ संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ा रहा है। वहीं, आवागमन में भी लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

एम एल भास्कर ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद सफाई कर्मचारियों द्वारा नियमित सफाई नहीं की जा रही है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं0: JHS-N-W-24-26 **दिनांक: 20.03.2026**

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या	कार्य लागत लगभग	धरोहर राशि
JHS-N-W-24-26	Rs. 7784355.18/-	Rs. 155700/-

कार्य का नाम: प्रोविजन ऑफ S&T वर्क इन कनेक्श विथ VGLJ-DHO-TSR(P)-70.576 Tkm

निविदा प्रपत्र का मूल्य: Nil | **निविदा खुलने की तिथि:** 13.04.2026, Time 15:00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि: 12 माह

• निविदा दिनाँक **13.04.2026** को **15:00 बजे** तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in **(NORTH CENTRAL RLY / JHANSI DIVISION-S AND T)** पर देखें। **643/26 (ADM)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

बजट सत्र बहिष्कार पर प्रवेश वर्मा का हमला, विपक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन विपक्ष द्वारा बहिष्कार किए जाने पर कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने विपक्ष के इस कदम को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए आरोप लगाया कि वह पीएसी और सीएजी की रिपोर्टों से बचने के लिए सदन से दूर भाग रहा है।

प्रेसवार्ता में प्रवेश वर्मा ने कहा कि बजट सत्र के दौरान सरकार पिछले एक वर्ष के कार्यों का लेखा-जोखा और आगामी योजनाओं की दिशा प्रस्तुत करती है, लेकिन विपक्ष इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा से बच रहा है। उनका कहना था कि रिपोर्टों में सामने आने वाली बातों से घबराकर विपक्ष ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अपनी कथित गलतियों और अनियमितताओं का सामना करने से बच रहा है। प्रवेश वर्मा के अनुसार, विपक्ष ने सदन में अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय बाहर प्रदर्शन कर जनता के प्रति अपनी जवाबदेही से दूरी बनाई है।

मंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली में अभी कई विकास कार्य किए जाने बाकी हैं और सरकार हर विधानसभा क्षेत्र में योजनाओं के लिए धन आवंटित कर रही है। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वह सदन की कार्यवाही में भाग लेकर मुद्दों को लोकतांत्रिक तरीके से उठाए।

प्रवेश वर्मा ने पूर्व सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब विपक्ष सत्ता में था, तब भाजपा के सदस्यों को अक्सर सदन से बाहर कर दिया जाता था। उन्होंने कहा कि अब वही लोग नैतिकता की बात कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। अंत में उन्होंने कहा कि जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि वे सदन में उपस्थित रहकर जनहित के मुद्दों पर चर्चा करें और जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

संवैधानिक संस्थाओं को हाइजैक करने जैसा

विपक्ष द्वारा बजट सत्र के बहिष्कार पर बोले अध्यक्ष

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विपक्षी दल आम आदमी पार्टी के विधायकों द्वारा बजट सत्र के बहिष्कार किए जाने की कड़ी आलोचना की है। अक्ष्यक्ष ने कहा- ह्लमैं विपक्ष के माननीय सदस्यों और विपक्ष के नेता द्वारा सदन के बाहर किए जा रहे प्रदर्शन की कड़ी निंदा करता हूँ।

अध्यक्ष ने संसदीय गरिमा का हवाला देते हुए कहा- ह्लसदन का बहिष्कार करना और कार्यवाही में भाग न लेना सदन की गरिमा और संसदीय मयार्दा के पूर्णतः खिलाफ है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सदन ही वह स्थान है जहाँ चर्चा और संवाद होना चाहिए, लेकिन विपक्ष द्वारा बजट सत्र से दूरी बनाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।ह्व उन्होंने आगे कहा- विशेषकर इस समय, जब दिल्ली का बजट पेश किया जा रहा है, विपक्ष की भागीदारी और उपस्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। चर्चा छोड़कर बाहर प्रदर्शन करना स्थापित संसदीय परंपराओं के विरुद्ध है। यह अत्यंत खेदजनक है कि पिछले सत्र में जब गुरुओं की बेअदबी का गंभीर मुद्दा उठा था, तब से नेता प्रतिपक्ष सदन में नहीं आई हैं और अब भी लगातार अनुपस्थित हैं।

इस प्रकार सदन की कार्यवाही में भाग न लेना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बाधा डालना, संवैधानिक संस्थाओं को हाइजैक करने जैसा है। आज सदन के पटल पर कई महत्वपूर्ण रिपोर्टें पेश की गई हैं, जिन पर विपक्ष को अपना पक्ष रखना चाहिए और चर्चा में भाग लेना चाहिए। विशेषकर जब दिल्ली का बजट पेश हो रहा हो, तब विपक्ष की उपस्थिति अनिवार्य और अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। संसदीय परंपराओं के विरुद्ध जाकर सदन की गरिमा के साथ उद्दंडता करना और बार-बार चेयर (आसन) की अवमानना करना अत्यंत निंदनीय है।

उत्तर रेलवे

पहला शुद्धिपत्र

टेंडर नं.: **48-R1-SRDEE-G-DLI-2025-26. कार्य का नाम:** "दिल्ली डिवीजन में स्थापित ओमेगा ब्रांड की लिफ्टों के लिए तीन साल की व्यापक वार्षिक प्रबंधन योजना (एएमसी)।"

टेंडर नं. 48-R1-SRDEE-G-DLI-2025-26	पहले प्रकाशित	संशोधन
कार्य का नाम	**48-R1-SRDEE-G-DLI-2025-26** दिल्ली डिवीजन में स्थापित ओमेगा ब्रांड की लिफ्टों के लिए तीन साल की व्यापक वार्षिक प्रबंधन योजना (एएमसी)।	**48-R1-SRDEE-G-DLI-2025-26** दिल्ली डिवीजन में स्थापित ओमेगा ब्रांड की लिफ्टों के लिए तीन साल की व्यापक वार्षिक प्रबंधन योजना (एएमसी)।
निविदा की अनुमानित लागत	₹8679060/-	₹8679060/-
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/ जी., स्टेट एंट्री रोड़, नई दिल्ली	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/ जी., स्टेट एंट्री रोड़, नई दिल्ली
बयाना राशि	₹173600/-	₹173600/-
निविदा निवेदन की अंतिम दिनांक व समय	23.03.2026, 16.00 बजे	30.03.2026, 16.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	23.03.2026, 16.00 बजे	30.03.2026, 16.00 बजे

उपर्युक्त निविदा के निविदा दस्तावेज को संशोधित किया गया है, कृपया **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध संशोधित दस्तावेजों को देखें और तदनुसार अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

981/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

गैंगस्टर की पत्नी के मामले में फैसला लें जेल महानिदेशक

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। हाईकोर्ट ने सोमवार को तिहाड़ जेल महानिदेशक को हाशिम बाबा की पत्नी जोया खान के मामले में दो सप्ताह में फैसला करने का निर्देश दिया है। जोया ने जेल अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। जोया अभी सेंट्रल जेल नंबर छह में बंद है। न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने जेल महानिदेशक को शिकायत पर फैसला करने व याचिकाकर्ता को बताने का निर्देश देते हुए याचिका का निपटारा कर दिया है। पीठ ने कहा कि अगर वह अपनी शिकायत के नतीजे से संतुष्ट नहीं हैं तो दोबारा कोर्ट जा सकती हैं। जोया की तरफ से वकील जोगिंदर तुली और जोशीनी तुली पेश हुए। उन्होंने बताया कि 10 मार्च को जोया के वकील ने ईमेल से जेल महानिदेशक व सेंट्रल जेल नंबर 6 के अधीक्षक को जेल अधिकारियों के गैर-कानूनी व्यवहार के बारे में एक शिकायत भेजी थी, जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

'खीर सेरेमनी' के साथ बजट सत्र की शुरूआत, मुख्यमंत्री ने 'विकसित और हरित दिल्ली' के संकल्प को दोहराया

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को 'खीर सेरेमनी' के साथ शुरू हुआ। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ह्यविकसित दिल्ली, हरित दिल्लीह्व के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह बजट राजधानी के लगभग 3 करोड़ दिल्लीवासियों के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि 'खीर सेरेमनी' न केवल बजट प्रक्रिया की पारंपरिक शुरूआत है, बल्कि यह समृद्धि, शुभता और जनकल्याण के संकल्प का प्रतीक भी है, जो आगामी बजट में दिखाई देगा।

'खीर सेरेमनी' में मुख्यमंत्री के साथ किसान, स्कूल के विद्यार्थी, शिक्षक, डॉक्टरों, किन्नर समाज के लोग, महिला ड्राइवर, मीडियाकर्मियों ने भाग लिया। किसानों ने मुख्यमंत्री को पारंपरिक रूप से पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा सहित विधायक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का यह दूसरा बजट दिल्ली के विकास की गति को और तेज करने वाला होगा। यह बजट न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेगा, बल्कि दिल्लीवासियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का माध्यम भी बनेगा। यह बजट एक ऐसे दिल्ली के निर्माण की दिशा में अग्रसर है, जहां नागरिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, उत्कृष्ट शिक्षा, सुदृढ़ आधारभूत संरचना और स्वच्छ एवं हरित वातावरण में जीवन यापन कर सकें। इस बजट में छात्रों के लिए बेहतर सुविधाएं, स्वास्थ्य क्षेत्र में सुदृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वच्छता, प्रदूषण नियंत्रण और हरित परिवेश को प्राथमिकता दी जा रही है।

रेखा गुप्ता ने कहा कि ह्यविकसित दिल्ली, हरित दिल्लीह्व केवल एक नारा नहीं, बल्कि सरकार का स्पष्ट विजन है, जिसके माध्यम से एक सकारात्मक, सुरक्षित और समृद्ध वातावरण तैयार किया जाएगा, जहां आमजन सुख और संतोष के साथ जीवन व्यतीत कर सकें।

'ढाई आखर' में सजेगा साहित्य, कला और विचारों का संगम

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। राजधानी के हिंदी भवन में 27 से 29 मार्च तक तीन दिवसीय साहित्य उत्सव 'ढाई आखर' का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन हिंदी भाषा, साहित्य, कला, संगीत और रंगमंच से जुड़े रचनाकारों को एक मंच पर लाएगा, जहां समकालीन मुद्दों पर संवाद और विचार-विमर्श होगा। इस कार्यक्रम के संयोजक कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज के हिंदी के प्राध्यापक रूपेश शुक्ला ने बताया कि इसका आयोजन हिंदी भवन व अन्य संस्थान मिलकर कर रहे हैं।

सरकार 16 नए फुट ओवरब्रिज का निर्माण कराएगी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। राजधानी में तेजी से बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के बीच पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली सरकार वित्त वर्ष 2026-27 में 16 फुट ओवरब्रिज (एफओबी) का निर्माण करेगी। आर्थिक सर्वेक्षण में इस बात पर जोर दिया गया कि पैदल यात्रियों के वाहनों की चपेट में आने से रोकने के लिए एफओबी का निर्माण अत्यंत जरूरी है। यहां पर होगा निर्माणफुट ओवरब्रिज का निर्माण हौज खास, श्री अरबिंदो मार्ग, गुरुद्वारा मजनू का टीला, रोड नंबर 45, मोनेस्ट्री मार्केट बुद्ध विहार, रिंग रोड, मंदिर गेट-आरआरआरसी से ट्रेनिंग एरिया, रिंग रोड, मोनेस्ट्री मजनू का टीला (पेट्रोल पंप के पास), रोड नंबर 45, आईटी पार्क, ईस्टर्न अप्रोच रोड, समयपुर बादली, रोहतक रोड पर उद्योग नगर मियावाली के पास, नंद नगरी बस डिपो के पास, आनंद विहार आईएसबीटी के पास चौधरी चरण सिंह मार्ग पर, रिंग रोड पर हनुमान मंदिर (मरघटवाले बाबा मंदिर) के पास, वेलकम में मेट्रो व द्वारकाधीश मंदिर के पास, उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन, पंखा रोड (मेट्रो पिलर 638), कीर्ति नगर में मोमेंट मॉल के सामने, कैप्टन गौर मार्ग पर ओखला सब्जी मंडी के पास, बिरला विद्या निकेतन क्रॉसिंग, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग (बीआरटी कॉरिडोर) पर किया जाएगा।

उत्तर मध्य रेलवे

Letter No:- DRM/C/AGRA/NFR/E-AUCTION **Dated : 20.03.2026**

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, आगरा द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई नीलामी आमंत्रित की गयी है, विवरण निम्न प्रकार है:-

श्रेणी : ADVT | **केटलौग संख्या : ADVT-AGRA-RKM-OSN-38-26-1**

एसेट्स डिटेल्स : राजा की मंडी रेलवे स्टेशन जोन प्रथम के प्लेटफार्म और कॉनकोर्स क्षेत्र में ग्लो साइन/बोर्ड के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार के ठेके के सम्बन्ध में।

ई नीलामी प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समय : दिनांक 06.04.2026 समय : 11:00

ई नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय : दिनांक 06.04.2026 समय : 11:30

श्रेणी : Misc-Static-Services | **केटलौग संख्या : MSS-AGRA-MTJ-EVC-25-25-1**

एसेट्स डिटेल्स : मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन के ठेके के सम्बन्ध में।

ई नीलामी प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समय : दिनांक 06.04.2026 समय : 11:00

ई नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय : दिनांक 06.04.2026 समय : 11:30

श्रेणी : Misc-Static-Services | **केटलौग संख्या : MSS-AGRA-AGC-EVC-24-24-2**

एसेट्स डिटेल्स : आगरा कैंट रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन के ठेके के सम्बन्ध में।

ई नीलामी प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समय : दिनांक 06.04.2026 समय : 11:10

ई नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय : दिनांक 06.04.2026 समय : 11:40

नोट : - उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल आनलाईन वेवसाइट **www.ireps.gov.in** के **E-Auction Module** के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उर्पयुक्त केटलोग संख्या के अन्तर्गत उपलब्ध है।

640/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं. पी.आर.वाई.जे.-सिग-430-2025-26 **दिनांक 18.03.2026**

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **10.04.2026** को **15.00** बजे तक आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.1. निविदा संख्याः पी.आर.वाइ.जे.-सिग-430-2025-26

कार्य का विवरणः प्रयागराज डिवीजन के Sr.DSTE/ALJN के सेक्शन में सीमेंस कंपनी के मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर के लिए 24 महीने का व्यापक वार्षिक रखरखाव का अनुबंध।

अनुमानित मूल्यः ₹ 5984222.40 (उनसठ लाख चौरासी हजार दो सौ बाईस और चालीस पैसे केवल), **निविदा प्रतिभूति/धरोहर राशिः** ₹ 119700.00, **कार्य समापन की अवधिः** 24 माह, **निविदा बंद होने/ खुलने की तिथिः 10.04.2026**

2. निविदा प्रपत्रों की उपलब्धताः निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध ही जायेंगे। **3. बयाने की राशि जमा करना एवं उसका रूपः** निविदाओं में निर्धारित उपरोक्त राशि निविदा प्रपत्र के साथ जमा की जाएगी बिना उचित धरोहर राशि के निविदा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और पूर्णतः अस्वीकृत कर दी जायेगी। **4. निविदा खुलने का समय, तिथि एवं स्थानः** निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को **15.30** बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहें तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। **5. निविदा की वैधताः** निविदा खुलने के 60 दिन तक। **6. निविदा सम्बंधित रेलवे के अधिकारः** रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। **650/26 FA**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सीखने में कमियों वाले साढ़े सात लाख छात्रों की पहचान की गई

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

राजधानी में कक्षा एक से आठवीं तक के 7.5 लाख ऐसे छात्रों की पहचान की है, जिनके सीखने में कमियां हैं। सरकार की ओर से पेश आर्थिक सर्वेक्षण में इसव बारे में बताया गया है। सर्वे में बताया गया है कि सितंबर 2025 में किए गए बेसलाइन सर्वे में बुनियादी साक्षरता और अंक ज्ञान में कमियों की पहचान की गई, जो शैक्षणिक हस्तक्षेप का आधार बनीं।

सर्वेक्षण के अनुसार छात्रों को शुरूआती, उभरते, प्रगतिशील और कुशल चार वर्गों में वगीकृत किया गया है। इसमें मध्य-सत्र परीक्षाओं के बाद कक्षा दूसरी से आठवीं के लिए एससीईआरटी द्वारा विकसित रेडीनेस मॉड्यूल का उपयोग करते हुए हस्तक्षेपों को लागू किया जा रहा है।

सर्वेक्षण में बताया है कि 2333 विशेष दाखिला केंद्र स्थापित किए गए हैं। मौजूदा शैक्षणिक सत्र में 100 स्कूलों में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम लैंग्वेज लैब स्थापित की जा रही हैं। इसमें अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत के अलावा जर्मन, फ्रेंच और स्पेनिश भी सिखाई जाएगी। स्कूली शिक्षा से बाहर रहे 286 बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ा गया है।

दिल्ली विधानसभा के बाहर आआपा विधायकों का प्रदर्शन

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी (आआपा) के विधायकों ने सोमवार को विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन पार्टी के विधायकों के निलंबन के विरोध में किया गया।

आआपा विधायकों ने विधानसभा परिसर के बाहर एक प्रतीकात्मक मार्च निकाला और अपनी बात रखने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग की थी। इस पर आतिशी ने कहा कि जनता द्वारा चुने हुए विधायकों को विधानसभा तक जाने से रोका जा रहा है, सड़क पर बैरिकेड लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने आआपा के विधायकों के निलंबन को लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर हमला बताया।

आतिशी ने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का मंदिर है, लेकिन विपक्ष की आवाज को कुचलने के लिए चुने हुए विधायकों को सस्पेंड कर दिया गया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार बिजली, पानी अस्पतालों की बदहाली और हालिया अग्निकांड पर बात करने से भाग रही है। उल्लेखनीय है कि जनवरी में शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में आआपा के चार विधायकों को निलंबित कर दिया गया था। उनका निलंबन अभी भी जारी है क्योंकि पिछले सत्र का अभी सत्रावकाश नहीं किया गया है।

उत्तर रेलवे

(ई–नीलामी सूचना)

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक /यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली द्वारा पार्किंग लॉटस/साइट्स के आवंटन हेतु ई–नीलामी, IREPS पोर्टल (**https://ireps.gov.in/**) पर **ई–बोली** निम्नलिखित प्रकार से आमंत्रित की जाती है–

क्र. सं.	ई–कैटलॉग संख्या	ई–नीलामी की तिथि एवं समय	रेलवे स्टेशन / स्थान / पार्किंग लॉट
	Parking-09-2026	08.04.2026 को 11:00 बजे	हज़रत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर पार्किंग कम एक्सेस कंट्रोल राइट्स = कुल 01 साइट।

वेबसाइट विवरण जहां ई–नीलामी दस्तावेज का पूरा विवरण देखा जा सकता है | **https://ireps.gov.in/**

आईआरईपीएस के माध्यम से आयोजित ई–नीलामी में भाग लेने हेतु निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करना अनिवार्य है:
1. इच्छुक बोलीदाताओं को आई आर ई पी एस (वाणिज्यिक नीलामी मोड्यूल) में ऑनलाइन पंजीकृत करना होगा। पहले से ही अन्य आई आर ई पी एस खाता रखने वाली संस्थाए भी खुद को वाणिज्यिक नीलामी मोड्यूल के लिए नामांकित करने में सक्षम होगी। **2.** एकमुश्त पंजीकरण शुल्क का भुगतान **3.** भारतीय स्टेट बैंक में चालु खाता **4.** आई आर ई पी एस खाते के साथ भारतीय स्टेट बैंक के खाते का एकीकरण **5.** फण्ड का लियन मार्किंग **6.** टर्नओवर का अद्यतनीकरण (Updation) **7.** जिन ठेकेदारों के पास आईआरपीएस के किसी भी मोड्यूल के लिए आई आर पी एस खाता नहीं है, वे आईआरईपीएस होम पेज पर नए विक्रेताओं/ठेकेदारों (ई–निविदा/ई–नीलामी लीजिंग) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण हेतु अपना अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं।

सम्बंधित जानकारी हेतु रेलवे प्राधिकारी: वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक / पीएस, डीआरएम कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली 110055; **Email: pkg.delhidivision@gmail.com, Tel: 011-23743084**

संख्या–23AC/393/E Auction/PKG/2026 दिनांक:- 23.03.2026 **980/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

पत्रकारों के साथ अपराधियों जैसा सलूक

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार शाम समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (यूएनआई) के 9 रफी मार्ग स्थित कार्यालय को कथित तौर पर भूमि आवंटन की शर्तों के उल्लंघन के आरोप में सील कर दिया। देश की सबसे पुरानी समाचार एजेंसी के साथ दिल्ली पुलिस ने जो सलूक किया, उस पर लोकतंत्र के पक्षधर नागरिक चिंता व्यक्त कर रहे हैं। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, एडिटर्स गिल्ड, वीमेंस प्रेस क्लब समेत कुछ पत्रकार संगठनों ने भी इसकी निंदा की है और अलग-अलग दलों के कुछ नेताओं ने पुलिस के रवैये पर सवाल उठाए हैं। लेकिन इस खबर पर जो व्यापक हलचल मचनी चाहिए थी, वो कहीं नजर नहीं आ रही। इससे समझ आता है कि अब हम शायद जागरुक समाज नहीं रहे, और काफी हद तक संवेदनहीन, आत्मकेन्द्रित हो चुके हैं। तभी तो बड़ी से बड़ी घटनाएं भी हमें विचलित नहीं करतीं। अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, महिलाओं, बच्चों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की कई खबरें आती हैं और समाज उन्हें सरसरी निगाह से देखकर टाल देता है कि ये सब तो होता ही रहता है। अत्याचार तो पहले भी होते रहे हैं, तब पत्रकार इन्हें उजागर करना अपना दायित्व समझते थे।

क्योंकि जब तक समाज की बुराइयों को सामने नहीं लाया जाएगा, तब तक उनका खात्मा करने के तरीके भी नहीं तलाशे जा सकते। लेकिन अब मीडिया भी उन्हीं खबरों को तरजीह देता है, जो वायरल हों, जिनके कारण टीआरपी बढ़े या लाइक्स और कमेंट्स ज्यादा मिले। यही वजह है कि पहले कुंभ मेले में एक सुंदर युवती मोनालिसा चर्चा में आई, फिर उसके अभिनेत्री बनने की खबरें खूब चलीं और अब उसने विवाह कर लिया तो उस पर भी प्रेस कांफ्रेंस हो गई कि उसने जिस व्यक्ति से विवाह किया, उसका धर्म क्या है और यह सही है या नहीं। सोचिए मीडिया ने अपनी प्राथमिकताओं को किस गर्त में पहुंचा दिया है कि दो बालिग आपसी रजामंदी से विवाह करें तो वह उनकी हेडलाइन्स बन जाती है।

इस माहौल में यूएनआई का दफ्तर सील करना और वहां मौजूद पत्रकारों से बदसलूकी आम खबर की तरह आई और चली भी गई। गौरतलब है कि दिल्ली में संसद भवन के पास 9 रफी मार्ग पर लगभग 5,289.52 वर्ग मीटर जमीन दशकों पहले यूएनआई को सरकार ने लीज पर दी थी। इस जमीन की अनुमानित कीमत मौजूदा दर 7.74 लाख रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से करीब 409 करोड़ रुपये आंकी गई है। सरकार ने यह जमीन संयुक्त कार्यालय परिसर विकसित करने के यूएनआई को दी थी, लेकिन कम से कम 40 साल बीतने के बाद भी वहां कोई निर्माण नहीं हुआ। सरकार का कहना है कि यूएनआई कार्यालय का निर्माण नहीं कर सका, जो आवंटन पत्र में तय शर्तों का उल्लंघन है। जिसके बाद आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के तहत आने वाले लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस ने 12 जनवरी 2023 को कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद 29 मार्च 2023 को आवंटन रद्द कर दिया था।

न्यूज एजेंसी ने इस रद्दीकरण को अदालत में चुनौती दी थी, लेकिन हाई कोर्ट ने वित्तीय कमी और लंबित मंजूरियों को देरी का कारण बताने वाले उसके तर्कों को खारिज कर दिया। अदालत ने माना कि चार दशकों से अधिक समय तक भवन का निर्माण न करना आवंटन की शर्तों का गंभीर उल्लंघन है। शुक्रवार को ही यह फैसला आया और इसी शाम को ही कुछ वकील और दिल्ली पुलिस भारी दलबल के साथ परिसर पहुंच गए।

अदालत का फैसला और उसके मुताबिक कानूनी कार्रवाई तो सही है, लेकिन यहां असली सवाल पुलिस के रवैये का है। जिस तरह एक मीडिया संस्थान से कर्मचारियों को निकाला गया, वैसा सलूक अपराधियों के साथ किया जाता है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो आए हैं, जिनमें यूएनआई परिसर में बड़ी तादाद में पुलिसकर्मी दिखाई दे रहे हैं और पत्रकारों-कर्मचारियों से दफ्तर खाली करने को कह रहे हैं। नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि दफ्तर खाली कराने में कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया और कुछ भी गलत नहीं हुआ, क्योंकि पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई थी। लेकिन यूएनआई ने अपनी पोस्ट में एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें उसके दफ्तर में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी नजर आ रहे हैं और कर्मचारी आरोप लगा रहे हैं कि उनके साथ धक्का-मुक्की हो रही है।

यूएनआई के कुछ कर्मियों ने बताया कि शाम को कुछ वकील और अधिकारी बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और अन्य बलों के साथ यूएनआई के दफ्तर पहुंचे। शाम 6 से 6.30 बजे के बीच प्रशासनिक कार्यालय बंद हो चुका था, ये सभी लोग सीधे न्यूज रूम में घुस गए जहां उर्दू और हिंदी सर्विस है। रोजा इफ्तार का समय था तो उर्दू सर्विस के कुछ लोग बाहर गए थे। अधिकारियों ने आते ही कहा कि आप अपने कम्प्यूटर तुरंत बंद कीजिए क्योंकि आपका लीज कैंसिल हो गया है और आपको तुरंत बाहर निकलना चाहिए, पांच मिनट, दस मिनट, सात मिनट...इस तरह वो काउंट डाउन करने लगे। उन्होंने मोबाइल पर पढ़कर आदेश सुनाया कहा कि आपको यह कार्यालय तुरंत खाली करना पड़ेगा क्योंकि इसे सील करवाना है। कर्मियों का कहना है कि हमें जबरदस्ती धकेला गया, महिला कर्मचारियों को खींचा गया।

इस तरह से किसी समाचार संगठन को बंद करने की शायद यह पहली घटना है, लेकिन क्या आखिरी भी होगी, यह मीडिया संस्थानों और समूचे प्रेस जगत को सोचना होगा। कर्मचारियों को बाहर निकालने के बाद यूएनआई दफ्तर का गेट सील कर उसके बाहर एक नोटिस चिपकाया गया है। जिसमें लिखा है, 'लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस की बिना इजाजत के इस परिसर में किसी भी व्यक्ति का किसी तरह का प्रवेश, कब्जा या इसका इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित है और इसके उल्लंघन पर कानून के तहत कार्रवाई होगी।'

इस प्रकरण पर यूएनआई के मौजूदा मालिक स्टेट्समैन ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'भारत में मीडिया की आजादी पर एक अभूतपूर्व अत्याचार और हमले के तौर पर देश की सबसे पुरानी समाचार एजेंसी यूएनआई के रफी मार्ग स्थित दफ्तर पर पुलिस बल ने सचमुच हमला बोल दिया।' स्टेट्समैन ने कहा कि 'कर्मचारियों को अपना सामान लेने या प्रबंधन से बात करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। स्टेट्समैन ने इस घटना को 'अभूतपूर्व अत्याचार और भारत में मीडिया स्वतंत्रता पर हमला' बताया और कहा कि रफी मार्ग कार्यालय पर पुलिस की कार्रवाई किसी जबरन आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन जैसी लग रही थी।'

स्पष्ट है कि दिल्ली पुलिस का व्यवहार बुलडोजर न्याय सरीखा ही था, बस पुलिस बुलडोजर लेकर नहीं पहुंची, इतनी ही गनीमत है।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

ललित गर्ग

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है।

यह लेखक के निजी विचार हैं।

महिला सुरक्षा संस्थाओं का पतन

डॉ. सत्यवान सौरभ

महाराष्ट्र महिला आयोग की तत्कालीन अध्यक्ष रूपाली चाकणकर द्वारा एक बलात्कार आरोपी ज्योतिषी अशोक खरात उर्फ कैप्टन के पैर धोने का दृश्य सोशल मीडिया पर फैलते ही पूरे देश में हंगामा मच गया। यह घटना केवल एक व्यक्तिगत चूक नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण के नाम पर बने संस्थानों की आंतरिक कमजोरी का प्रतीक है। एक ऐसे व्यक्ति के चरणों में नतमस्तक होना, जिस पर 58 महिलाओं के यौन शोषण, गुप्त कैमरे लगाने और नशीले पदार्थों के माध्यम से अंधविश्वास का लाभ उठाने के आरोप हैं, नारीवाद के सिद्धांतों पर गहरा आघात है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर चाकणकर ने 20 मार्च 2026 को इस्तीफा दे दिया, लेकिन प्रश्न बना हुआ है–क्या यह राजनीतिक नियुक्ति प्रणाली का परिणाम है?

भारतीय संदर्भ में महिला आयोग राज्य स्तरीय संस्थाएँ हैं, जो संविधान के अनुच्छेद 15 और 39 के अंतर्गत महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए स्थापित की गई हैं। लेकिन जब इन संस्थाओं का प्रमुख स्वयं एक आरोपी के प्रति श्रद्धा दिखाए, तो पीड़ित महिलाओं का विश्वास कैसे बनेगा? नासिक पुलिस ने खरात के फार्महाउस से 58 आपत्तिजनक वीडियो बरामद किए, जो यह सिद्ध करते हैं कि अंधविश्वास कितना खतरनाक हो सकता है। यह घटना हमें सामाजिक, राजनीतिक और कानूनी स्तर पर गंभीर चिंतन के लिए बाध्य करती है।

अशोक खरात कोई साधारण ज्योतिषी नहीं था। वह 'कैप्टन' के नाम से जाना जाता था, जो नेताओं से लेकर आम महिलाओं तक को अपनी कथित पूजा-पाठ और हस्तरेखा देखने के बहाने फंसाता था। पुलिस जांच में सामने आया कि उसने फार्महाउस पर गुप्त कैमरे लगाए थे, महिलाओं को नशीला पदार्थ पिलाया और उनका शोषण किया। पेन ड्राइव में 58 वीडियो मिले, जो उसके अपराधों के ठोस प्रमाण हैं। नासिक के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि खरात की संपत्ति लगभग 200 करोड़ रुपये की है, जो शोषण के माध्यम से अर्जित की गई है।

भारत में अंधविश्वास का यह बाजार नया नहीं है। तंत्र-मंत्र, ज्योतिष और तथाकथित बाबाओं का प्रभाव ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक फैला हुआ है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में अंधविश्वास से जुड़े अपराधों में 15 प्रतिशत वृद्धि हुई है। खरात ने कई

नेताओं के हाथ देखे, जिनमें रूपाली चाकणकर भी शामिल थीं। एक वीडियो में वे यह कहते हुए दिखाई देती हैं कि 'आप जैसे महापुरुष दुर्लभ हैं।' यह श्रद्धा किस प्रकार अपराधी को संरक्षण देती है, यह गंभीर विचार का विषय है। राजनीतिक प्रभाव के कारण आरोपी को छूट मिली, जो व्यवस्था की खामियों को उजागर करता है।

रूपाली चाकणकर भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता हैं, जिन्हें महिला आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। वीडियो सामने आने के बाद विपक्ष ने उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने 'व्यक्तिगत कारणों' से इस्तीफा दे दिया, परंतु विशेष जांच दल की जांच जारी है। क्या वे आरोपी की सहयोगी थीं? विपक्ष ने उन्हें सह-आरोपी बनाने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने तत्काल इस्तीफे का निर्देश दिया, जो सराहनीय कदम है। यह घटना राजनीतिक नियुक्ति प्रणाली की समस्या को उजागर करती है, जहाँ योग्यता की बजाय वफादारी को प्राथमिकता दी जाती है। महिला आयोग का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना है, लेकिन वास्तविकता अलग है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत महिलाएँ घरेलू हिंसा का सामना करती हैं, लेकिन आयोगों तक पहुँचने वाली शिकायतें 5 प्रतिशत से भी कम हैं। इसका कारण जागरूकता की कमी, भय और राजनीतिक दबाव है। हरियाणा जैसे राज्यों में भी यही स्थिति है, जहाँ अंधविश्वास और बाबाओं का प्रभाव अधिक है और राजनीतिक नेता इन्हें वोट बैंक के लिए बढ़ावा देते हैं।

अंधविश्वास महिला शोषण का एक प्रमुख माध्यम बन चुका है। कई तथाकथित बाबा 'काला जादू हटाने' के नाम पर महिलाओं का शोषण करते हैं। शिक्षा के बावजूद अंधविश्वास का बढ़ना चिंताजनक है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 40 प्रतिशत लोग अंधविश्वास पर विश्वास करते हैं। महिला सशक्तिकरण के दावों के बीच यह एक विडंबना है।

कानून के अनुसार, भारतीय दंड संहिता की धारा 376, पोक्सो कानून और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम ऐसे अपराधों को नियंत्रित करते हैं। फिर भी सजा की दर 30 प्रतिशत से कम है। त्वरित सुनवाई की कमी के कारण अपराधी खुले घूमते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने हुसैनाारा खातून मामले में त्वरित सुनवाई को संविधान के अनुच्छेद 21 का हिस्सा माना था।

महाराष्ट्र में विशेष जांच दल का गठन एक सकारात्मक कदम है, लेकिन पारदर्शिता आवश्यक है। सुझाव के रूप में महिला आयोगों को स्वायत्त बनाया जाना चाहिए, राजनीतिक नियुक्तियों को रोका जाना चाहिए, अंधविश्वास विरोधी कानून को मजबूत किया जाना चाहिए (जैसे झारखंड मॉडल), और डिजिटल माध्यमों से जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। साथ ही, पुलिस प्रशिक्षण में लैंगिक संवेदनशीलता को शामिल किया जाना चाहिए।

वैश्विक स्तर पर विश्व आर्थिक मंच की जेंडर गैप रिपोर्ट में भारत का स्थान 127वाँ है। ऐसी घटनाएँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक छवि प्रस्तुत करती हैं। अन्य देशों में 'मी टू' आंदोलन इसलिए सफल हुआ क्योंकि वहाँ की संस्थाएँ अधिक मजबूत थीं। भारत को भी इससे सीख लेनी चाहिए।

रूपाली चाकणकर प्रकरण एक आईना है, जो दिखाता है कि जब तक संस्थाएँ राजनीति की भेंट चढ़ती रहेंगी, तब तक महिला सुरक्षा केवल एक दावा बनी रहेगी। अंधविश्वास का अंत शिक्षा से और राजनीतिक दुरुपयोग का अंत सुधार से ही संभव है। समाज, सरकार और नागरिकों को मिलकर काम करना होगा, अन्यथा पीड़ितों की संख्या बढ़ती ही जाएगी।

यह लेखक के निजी विचार हैं।

हुमायु कबीर - ओवेसी के गठबंधन से क्या टीएमसी कमजोर साबित होगी

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम बंगाल की राजनीति में नए समीकरण बनने की आहट अक्सर सियासी बहस को तेज कर देती है। हाल के दिनों में हुमायु कबीर और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के संभावित गठबंधन की चर्चा इसी संदर्भ में देखी जा रही है। सवाल यह है कि क्या इससे तृणमूल कांग्रेस कमजोर होगी? जबकि ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) की पकड़ बहुत मजबूत है। गांव-गांव ममता की की छवि प्रभावशील नेता के रूप में विख्यात है। ममता दीदी के नाम से सब जगह उन्हें प्यार दुलार के रूप में देखा जाता है। ममता को कम आंकना बेइमानी होगी। वहीं भाजपा को अन्य राज्यों में हुए चुनाव में समीकरण देखने से पता चता है कि आवेसी की पार्टी ने कुछ हद तक प्रभाव डाला है। अब ऐसे में ममता की तीसरी पारी कैसी होगी यह समय के गर्त में है।

पश्चिम बंगाल का चुनाव ऐसे समय हो रहा है जहां विश्व में कई देश में युद्व की आग में झुके हुए हैं। जिससे पूरे विश्व में चीजें अवरुद्व हो रही है। ऐसे ही युद्व चलता रहा तो निश्चित ही महंगाई भी चरम सीमा पर होगी। अगर देखा जाये तो वोट बैंक की राजनीति और प्रभावित होगी। पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट बैंक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो अब तक बड़े पैमाने पर टीएमसी के साथ रहा है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की रणनीति आमतौर पर इसी वोट बैंक में सेंध लगाने की रही है, जैसा कि उसने बिहार और अन्य राज्यों में करने की कोशिश की। यदि हुमायु कबीर जैसे स्थानीय प्रभाव वाले नेता ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के साथ आते हैं, तो कुछ इलाकों में वोटों का बंटवारा संभव है।

हालांकि, यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि इससे टीएमसी को बड़ा नुकसान होगा। इसके पीछे कुछ कारण हैं संगठनात्मक मजबूती ममता बनर्जी के नेतृत्व में जमीनी नेटवर्क काफी मजबूत है। स्थानीय बनाम बाहरी छवि बंगाल की राजनीति में बाहरी बनाम स्थानीय का मुद्दा अहम रहता है, और ओवेसी की पार्टी को अक्सर बाहरी पार्टी के रूप में देखा जाता है।

वोट ट्रांसफर की चुनौतीः गठबंधन बनने के बावजूद वोटों का पूरी तरह ट्रांसफर होना आसान नहीं होता। किन क्षेत्रों में असर संभव? सीमावर्ती जिलों और मुस्लिम बहुल सीटों–जैसे मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर–में इसका कुछ असर दिख सकता है। लेकिन यह असर अधिकतर ञरूष्ट को हराने की बजाय विपक्षी वोटों के और बिखराव के रूप में सामने आ सकता है। दिलचस्प बात यह है कि इस तरह के गठबंधन का अप्रत्यक्ष फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिल सकता है। यदि विपक्षी वोट बंटते हैं, तो त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा को बढ़त मिल सकती है।

हुमायु कबीर गठबंधन के लिए स्थानीय स्तर पर चुनौती जरूर खड़ी कर सकता है, लेकिन इसे टीएमसी की व्यापक कमजोरी के रूप में देखना अभी उचित नहीं होगा। यह ज्यादा संभावना है कि इससे विपक्षी खेमे में वोटों का विभाजन बढ़े, जिसका लाभ किसी तीसरे पक्ष को मिल सकता है। कुल मिलाकर, यह गठबंधन बंगाल की राजनीति में हलचल तो पैदा करेगा, लेकिन टीएमसी की जड़ों को हिलाने के लिए अभी और मजबूत, व्यापक और संगठित चुनौती की जरूरत है।

ममता का संघर्ष, सादगी और सियासत की मिसाल

भारतीय राजनीति में ममता का नाम एक ऐसे नेता के रूप में लिया जाता है, जिन्होंने जमीनी संघर्ष से सत्ता के शिखर तक का सफर तय किया। उनका राजनीतिक जीवन केवल पद और सत्ता की कहानी नहीं, बल्कि जिद, जनसंपर्क और निरंतर संघर्ष की दास्तान है। ममता बनर्जी का जन्म 5 जनवरी 1955 को हुआ। साधारण परिवार से आने वाली ममता ने कम उम्र में ही राजनीति में दिलचस्पी दिखानी शुरू कर दी थी। उन्होंने छात्र जीवन से ही सक्रिय राजनीति में भाग लिया और जल्द ही इंडियन नेशनल कांग्रेस से जुड़ गईं। 1970-80 के दशक में उन्होंने कांग्रेस के युवा चेहरों में अपनी पहचान बनाई। 1984 में उन्होंने पहली बार लोकसभा चुनाव जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। तृणमूल कांग्रेस की स्थापना ऐसे समय में हुई जब समय के साथ कांग्रेस में मतभेद बढ़ने लगे। 1998 में ममता बनर्जी ने अलग होकर टीएमसी की स्थापना की। यह कदम उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ। टीएमसी ने धीरे-धीरे पश्चिम बंगाल में अपनी पकड़ मजबूत की और वाम मोर्चे के लंबे शासन को चुनौती दी। 34 वर्षों से सत्ता में रही सरकार को 2011 में ममता बनर्जी ने सत्ता से बेदखल कर दिया। यह पश्चिम बंगाल की राजनीति में ऐतिहासिक परिवर्तन था। ममता बनर्जी राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं और उन्होंने खुद को दीदी के रूप में जनता के बीच स्थापित किया। ममता बनर्जी की राजनीति की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सादगी और जनसंवाद है। वे अक्सर सीधे जनता के बीच जाती हैं और खुद को एक आम नागरिक के रूप में प्रस्तुत करती हैं।

उनकी सरकार ने कई सामाजिक योजनाएं शुरू कीं, जैसे– कन्याश्री योजना (महिला सशक्तिकरण), सबुज साथी (छात्रों के लिए साइकिल), स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में सुधार, विवाद और चुनौतियां आदि।

हर बड़े नेता की तरह ममता बनर्जी का सफर भी विवादों से अछूता नहीं रहा। विपक्ष अक्सर उन पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाता है। केंद्र और राज्य के बीच टकराव भी उनकी राजनीति का हिस्सा रहा है। चुनावी हिंसा और प्रशासनिक फैसलों पर भी सवाल उठते रहे हैं।

ममता बनर्जी का राजनीतिक जीवन यह साबित करता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और जनसमर्थन से असंभव भी संभव हो सकता है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की राजनीति को नई दिशा दी और खुद को राष्ट्रीय राजनीति में एक प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित किया। आज वे केवल एक मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि विपक्षी राजनीति की एक मजबूत आवाज भी हैं–जो सत्ता के खिलाफ खड़े होने का साहस रखती हैं।

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जिस तरह का माहौल बन रहा है, उसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनी जीत की संभावनाओं को लेकर आश्वस्त नजर आ रही है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता की दहलीज पार कर पाएगी, या फिर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) एक बार फिर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखेगी।

भाजपा अपने पक्ष में बनाती माहौल

भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल में संगठन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया है। बूथ स्तर तक कार्यकताओं की सक्रियता, केंद्रीय नेतृत्व की लगातार रैलियां और हिंदुत्व के मुद्दों को उभारने की रणनीति पार्टी को एक मजबूत चुनौतीकर्ता बना रही है। इसके अलावा, केंद्र की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाने का प्रयास भी भाजपा के लिए सकारात्मक कारक बन सकता है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को सत्ता विरोधी लहर, भ्रष्टाचार के आरोप और आंतरिक असंतोष जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बड़े नेताओं का पार्टी छोड़ना भी टीएमसी के लिए चिंता का विषय है। हालांकि, ममता बनर्जी की व्यक्तिगत लोकप्रियता और जमीनी पकड़ अभी भी पार्टी की सबसे बड़ी ताकत बनी हुई है। पश्चिम बंगाल में चुनाव केवल विकास के मुद्दों पर नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान के आधार पर भी लड़े जाते हैं।

यह लेखक के निजी विचार हैं।

धार्मिक स्थलों को क्यों नही मिलती बंदरों से मुक्ति

(अशोक मधुप)

धार्मिक स्थलों को बंदरों से क्यों नही मिलती मुक्ति। सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि इन स्थानों पर आने वाले श्रृद्धालु कब तक इनके आंतक झेलते रहेंगे? कब तक इनका शिकार होते रहेंगे?

हाल में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु अपने कार्यकाल में 19 मार्च को वृंदावन आईं। वे दूसरी बार यहां आईं है। इससे पहले इसी पद पर रहते हुए प्रणब मुखर्जी व रामनाथ कोविंद भी अपने कार्यकाल में दो बार वृंदावन आए थे। लेकिन, राष्ट्रपति मुर्मु वृंदावन के तीन दिवसीय प्रवास पर आने वाली पहली राष्ट्रपति हैं। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्रप्रसाद, ज्ञानी जैल सिंह एक बार वृंदावन आए। उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए डॉक्टर शंकरदयाल शर्मा, आर वेंकटरामन, डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन भी वृंदावन अपनी धार्मिक यात्रा पर आ चुके हैं।

निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी दो बार वृंदावन आए। आश्रय सदन में वृद्ध विधवा माताओं से मुलाकात करने आए थे। राष्ट्रपति पद पर रहते प्रणब मुखर्जी पहली बार 16 नवंबर 2014 को अक्षयपात्र में चंद्रोदय मंदिर के भूमि पूजन में आए तो दूसरी बार 18 नवंबर 2015 को चैतन्य महाप्रभु के वृंदावन आगमनोत्सव के पांच सौ वे वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में आए थे। राष्ट्रपति पद पर रहते ज्ञानी जैल सिंह 1987 में वृंदावन आए और रंगजी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे 1957 में देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्रप्रसाद वृंदावन आए। उप राष्ट्रपति पद पर रहते 1985 में आर वेंकटरामन, 1993 में डॉ. शंकरदयाल शर्मा, 1959 में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन वृंदावन आ चुके हैं। राष्ट्रपति या कोई वीवीआईपी जब भी वृंदावन आता है। प्रत्येक बार उनकी सुरक्षा तो होती ही है। सबसे बड़ा काम होता है वीवीआईपी को यहां के झपटमार बदंर से बचाना। ये बंदर झपटामार कर श्रद्धालु का चश्मा उतारते और किसी ऊंची जगह पेड़ या दीवार पर जाकर बैठ जाते हैं। ये चश्मा तभी लौटाते हैं जब उन्हें खाने के लिए फ्रुटी, केला या दूसरे खाने के सामान दिए जाएं। वीवीआईपी दौरे को देखते हुए प्रशासन लंगूरों के जगह- जगह कट आउट लगवाता है। माना जाता है कि लंगूर से बंदर डरतें हैं। उन्हें डराने के लिए ऐसा किया जाता है। कुछ जगह लंगूर भी लाकर बांध दिए जाते हैं। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु की सुरक्षा से लेकर रूट पर व्यवस्थाओं को दुरस्त करने के लिए जिला प्रशासन ने रात दिन एक कर दिया। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के दौरे को देखते एक प्रशासन ने लंगूरों के जगह- जगह कट आउट लगवाए।

लेखक को चित्रकूट में हनुमान गढ़ी जाने का अवसर मिला। वहां रास्ते में बंदर और लंगूर मिलते और आपके कपड़े और बैग पकड़कर रोक लेते हैं। वे आपके बैग और जेब से खाने का सामान प्रसाद आदि निकालकर ही आपको आगे जाने देते हैं। शुक्रताल में तो हनुमान धाम में बंदरों को भगाने के लिए लंगूर बांधा हुआ था। बंदर उसके अभयस्त हो गए थे। उन्हें पता था कि रस्सी में बंधे लंगूर की पंहुच कहां तक हैं। बदंर आते और लंगूर की पंहुच की दूरी से अगल रहकर लौट जाते।

प्रश्न है कि वीवीआइपी के आने पर ही क्यों बंदरों को रोकने की व्यवस्था होती है। देश के आम आदमी को भी वीवीआईपी क्यों नही समझा जाता। उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तो सरकार की है। उसके लिए क्यों नही ऐसी व्यवस्थाएं होती। बंदर हम हिंदुओं की श्रद्धा है। हम उसे पवित्र मानते हैं। पूजनीय मानते है। इतना होने पर भी उसके भोजन की व्यवस्था क्यों नही करते। अयोध्या में बड़ी तादाद में बंदर है। हनुमान गढ़ी पर मैंने बंदरों को फूलों की माला तोड़कर उसमें भोजन के अंश तलाशते देखा है। इसी शहर में डस्टविन से भोजन खोजते बंदर मुझे मिलें हैं। हमारी समाज सेवी संस्थाए क्यों नही इनके भोजन की जरूरत पूरी करती। बंदरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बढती बंदरों की जनसंख्या को भोजन चाहिए। भोजन ने मिलने वह निरीह प्राणी अपना पेट भरने के लिए कुछ तो करेगा।

बंदरों के आतंक के कारण कई शहरों में तो महिलाओं और बच्चों का छतों पर जाना कठिन हो गया है। शहरों की नही अब तो जंगल में भी इनकी बढ़ती आबादी किसानों के लिए संकट बन चुकी है। भोजन के अभाव में बंदर खेतों की फसल तोड़कर खा रहे हैं। गेंहू की बाली खा जाते है। बोए गए गन्ने के बीज जमीन से निकाल कर वे अपनी उदरपूर्ति कर रहे हैं। किसान फसल की रक्षा को लेकर परेशान हैं। अब तो किसानों ने खेतों की रक्षा के लिए नौकर रखने शुरू कर दिए हैं।

यह लेखक के निजी विचार हैं।

ऐतिहासक रहा हरियाणा के श्रमजीवी पत्रकारों का पहला व विशाल महाधरना : डॉ. इंदु बंसल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम सौंपा गया ज्ञापन

प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी, भेदी नज़र

थानेसर। हरियाणा के इतिहास में पहली बार श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा द्वारा संघ की संस्थापक व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. इंदु बंसल जैन के नेतृत्व में हरियाणा के श्रमजीवी पत्रकारों के हितों एवं अधिकारों की सुरक्षा को लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक दिवसीय महाधरना आयोजित किया गया। राजधानी स्थित जंतर-मंतर पर आयोजित इस महाधरना प्रदर्शन में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों श्रमजीवी पत्रकारों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के प्रति रोष व्यक्त किया।

जंतर - मंतर महाधरने पर श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा ने पत्रकार सुरक्षा कानून सहित विभिन्न लंबित मांगों को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम ज्ञापन सौंपा।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए महाधरने की संयोजिका डॉ. बंसल ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकार समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का

निर्वहन करते हुए अनेक चुनौतियों का सामना करते हैं, किंतु उनकी सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता तथा पेशेवर संरक्षण के लिए अपेक्षित व्यवस्थाएं अभी भी पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हैं।

डॉ. बंसल ने कहा संगठन ने अपने ज्ञापन में पत्रकारों के हितों की रक्षा हेतु व्यापक नीतिगत सुधारों की आवश्यकता पर बल देते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार से त्वरित एवं प्रभावी हस्तक्षेप की मांग की है।

डॉ. बंसल ने कहा कि वरिष्ठ पत्रकारों के लिए मासिक पेंशन के नियमों में सरलीकरण कर इस का नाम बदल कर पत्रकार सम्मान निधि किया जाए व राशि 25 हजार की जाए।, ताकि वरिष्ठ पत्रकार अपने जीवन के उत्तरार्ध में सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। डॉ. बंसल नें कहा इसके अतिरिक्त पत्रकारों के लिए प्रभावी स्वास्थ्य सुरक्षा, परिवार के बच्चों के लिय निःशुल्क शिक्षा व आवास व्यवस्था लागू करने की भी मांग की गई है, जिससे श्रमजीवी पत्रकार व उनके परिवार गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा, निःशुल्क शिक्षा व आवास योजना जैसी सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

डॉ. बंसल ने कहा श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि वर्तमान समय में मीडिया परिदृश्य तेजी से डिजिटल माध्यमों की ओर अग्रसर हो रहा है। ऐसे में डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकारों को भी समान अधिकार, सुरक्षा एवं मान्यता प्रदान की जानी चाहिए। संगठन का मानना है कि सूचना के प्रसार में डिजिटल पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए उन्हें भी नीतिगत ढांचे में शामिल करना अत्यंत आवश्यक है।

श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा ने सरकार से मांग की है कि पत्रकारों के हितों की रक्षा हेतु प्रभावी दिशा-निर्देश जारी करे। श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा के अनुसार पत्रकारों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में मंदिरों की स्वच्छता के लिए रखे गए समर्पण पात्र

प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी, भेदी नज़र

थानेसर। सांसद नवीन जिन्दल द्वारा धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ते हुए एक सराहनीय पहल की गई है। नवीन जिन्दल फाउंडेशन के माध्यम से जिले के ग्यारह मंदिरों में तीन - तीन समर्पण पात्र उपलब्ध कराए गए हैं, जिनका उद्देश्य पूजा के बाद निकलने वाली सामग्री को अलग-अलग एकत्रित करना है।

यह सभी समर्पण पात्र हल्का पेहवा के काली मंदिर, सरस्वती मंदिर, धनिरामपुरा स्थित बगला मुखी मंदिर व बाला सुंदरी मंदिर, हल्का थानेसर में मां भद्रकाली मंदिर, काली कमली मंदिर व बाला सुंदरी मंदिर हथीरा, हल्का लाडवा में देवी मंदिर और हल्का शाहाबाद में देवी मंदिर धर्मशाला, सिविल अस्पताल के पास शिव मंदिर धर्मशाला व मार्कंडेश्वर मंदिर के परिसरों में रखवाए गए हैं।

इन सभी समर्पण पात्रों को तीन श्रेणियों में, धूप एवं अगरबत्ती, पूजा के फूल तथा देवी-देवताओं को अर्पित किए जाने वाले वस्त्र आदि में विभाजित किया गया है। इस व्यवस्था से मंदिर परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ जैविक और अजैविक सामग्री के उचित प्रबंधन को भी बढ़ावा मिलेगा।

त्योहारों के दौरान मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होती है, जिससे बड़ी मात्रा में पूजा सामग्री एकत्रित होती है। यदि इसे सही तरीके से अलग नहीं किया जाए, तो यह पर्यावरण के लिए हानिकारक साबित हो सकती है। इस पहल के माध्यम से न केवल मंदिर परिसर स्वच्छ रहेंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। सांसद कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल का मानना है कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। धार्मिक स्थलों से यदि हम यह संदेश समाज तक पहुंचाते हैं, तो इसका प्रभाव व्यापक और सकारात्मक होता है। श्रद्धालुओं और मंदिर प्रबंधन समितियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे एक प्रेरणादायक कदम बताया है। इस तरह की व्यवस्था से लोगों में जागरूकता बढ़ेगी और वे स्वच्छता के प्रति अधिक जिम्मेदार बनेंगे। नवीन जिन्दल फाउंडेशन की यह पहल न केवल स्वच्छ भारत मिशन को मजबूती प्रदान करती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

चौ ताहिर हुसैन ने सरकार से मेवात क्षेत्र में बारिश से फसलों में हुए नुकसान का मुआवजा देने की मांग की

जुबैर खान/भेदी नजर, नूंह। पिछले कई दिनों से मेवात क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ बारिश से सैंकड़ों गांवों में फसलों को भारी नुकसान हुआ है। किसानों की फसलें पक कर बिल्कुल तैयार हैं लेकिन पिछले कई दिन से लगातार बारिश व तेज हवाओं के चलते फसलों को भारी नुकसान हुआ है। सोमवार नूंह से इनेलो के जिलाध्यक्ष चौधरी ताहिर हुसैन ने मेवात क्षेत्र के दर्जनों गांवों का दौरा कर फसलों का जायजा लिया और किसानों से बात चीत की। चौधरी ताहिर हुसैन ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व हरियाणा सरकार से नष्ट हुई फसलों की विशेष गिरदावरी कराकर मुआवजा देने की मांग की। ताहिर हुसैन ने कहा कि प्राकृतिक आपदा को टाला नहीं जा सकता। किसानों पर हर वर्ष इस अनहोनी का खतरा बना रहता है। प्रदेश का किसान फसलों से ही अपना पेट भरता है। इसलिए हरियाणा सरकार को जल्द से जल्द इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेना चाहिए।

इनेलो जिलाध्यक्ष हजारों कार्यकर्ताओं के साथ युवा इनेलो के शहीदी दिवस में हुए शामिल

जुबैर खान/भेदी नजर, नूंह। सोमवार इनेलो के जिलाध्यक्ष चौधरी ताहिर हुसैन एडवोकेट के नेतृत्त्व में हजारों इनेलो कार्यकर्ता सैकड़ों गाड़ियों के काफिले के साथ जींद जिले के नरवाना में आयोजित युवा इनेलो के शहीदी दिवस समारोह में शामिल होने के लिए रवाना हुए। सोमवार को इनेलो द्वारा शहीदी दिवस का आयोजन हुआ, जिसमें हरियाणा प्रदेश से लाखों युवाओं ने शामिल होकर शहीदों को श्रद्धांजलि पेश की। यह समारोह इनेलो नेता करण चौटाला व विधायक अर्जुन चौटाला के नेतृत्त्व में आयोजित हुआ, जिसमें इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और अपने औजस्वी संबोधन से युवाओं में जोश भरने का काम किया।

केयू में शहीदी दिवस के अवसर पर किए श्रद्धासुमन अर्पित

प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी, भेदी नजर, थानेसर। शहीदी दिवस पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर. चौधरी व अन्य अधिकारियों ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शहीद भगत सिंह व अन्य शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रो. ए.आर. चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की स्वतंत्रता शहीदों के अद्वितीय साहस, त्याग और बलिदान का परिणाम है। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव जैसे महान क्रांतिकारियों ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए, जिसकी बदौलत आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इन महान विभूतियों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें। इस मौके पर प्रॉक्टर प्रो. अनिल गुप्ता, खेल निदेशक प्रो. डी. एस.राणा, कुटा प्रधान डॉ. जितेन्द्र खटकड़, प्रो. कुसुमलता, उप- निदेशक डॉ. सलोनी दीवान, डॉ. मीनाक्षी सुहाग, डॉ. हरविन्द्र राणा, राजपाल सहित शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

7वें ओपन दंगल जूडो चैंपियनशिप में शहर के 3 खिलाड़ियों ने जीते पदक

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)। सोनीपत स्थित इंडियन मॉडर्न स्कूल में सातवीं ओपन दंगल जूडो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जूडो कोच महेंद्र ने बताया कि प्रतियोगिता में गुरुग्राम जिले के खिलाड़ियों ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए कुल तीन पदक अपने नाम किए प्रतियोगिता में भारत हाई स्कूल, गांव दौलताबाद के खिलाड़ियों का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा। तीसरी कक्षा की छात्र अवनी, वीर सांगेलिया और आठवीं कक्षा के छात्र अंश त्रिपाठी ने कांस्य पदक प्राप्त किया इस प्रतियोगिता में करीब 350 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं, दूसरी ओर चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में 18 से 22 मार्च तक आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जूडो चैंपियनशिप में गुरुग्राम की खिलाड़ी दिया फोगाट ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 57 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया।

सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए जिले में जारी है एचपीवी टीकाकरण अभियान

जुबैर खान/भेदी नजर

नूंह। नूंह सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को कम करने के उद्देश्य से जिले में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीन उपलब्ध कराई जा रही है। उपायुक्त अखिल पिलानी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किए गए कार्यक्रम के तहत चलाया जा रहा है और जिले में स्वास्थ्य विभाग की ओर से इसे प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है।

उपायुक्त ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को कम करना है, जो भारत में महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है। ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) इसके प्रमुख कारणों में से एक है, विशेषकर इसके 16 और 18 प्रकार सबसे अधिक खतरनाक माने जाते हैं। सरकार द्वारा 6, 11, 16 और 18 प्रकारों से सुरक्षा प्रदान करने वाली वैक्सीन उपलब्ध कराई जा रही है। यह टीकाकरण पूरी तरह स्वैच्छिक है और पात्र किशोरियों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। अभियान के तहत मुख्य रूप से 14 वर्ष की किशोरियों को लक्ष्य बनाया गया है।जिला में उपरोक्त अभियान के नोडल अधिकारी एवं डिप्टी सीएमओ डॉ आशीष सिंगला ने बताया कि प्रारंभिक चरण में टीकाकरण जिला नागरिक अस्पताल, उपमंडल अस्पतालों पर किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त स्कूलों के माध्यम से भी पात्र छात्राओं को स्वास्थ्य केंद्रों तक लाकर टीकाकरण सुनिश्चित किया जा रहा है और आवश्यकता अनुसार विशेष कैंप भी लगाए जा रहे हैं। अभियान की मॉनिटरिंग और लाभार्थियों की ट्रैकिंग यू-विन पोर्टल के माध्यम से की जा रही है, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संचालित हो सके।

मंदिर के वर्षगांठ पर बच्चों ने सिंधी गीतों की प्रस्तुति दी

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)।

सेक्टर-37 के झूलेलाल मंदिर की प्रथम वर्षगांठ पर रविवार शाम को पूरे सिंधी समाज को एक सूत्र में पिरो दिया। जहां भक्ति के साथ समाज की गौरवशाली विभूतियों के सम्मानित किया गया। वहीं, बच्चों की ओर से सिंधी गीतों पर प्रस्तुति दी गई।

ऐसे छोटे बच्चों को सांस्कृतिक से जोड़ने का अभूतपूर्व प्रयास झूलेलाल सेवा समिति कर रही है। पहली बार सार्वजनिक रूप से अमर लाल कथा के अंतर्गत भगवान झूलेलाल के पावन जन्म का अध्याय आशा पहिलाजानी द्वारा पढ़ा गया। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में जब समिति की महिला विंग और सभी भक्तों द्वारा झूलेलाल चालीसा का सामूहिक पाठ हुआ। तो पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सिंधी समाज की नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और परंपराओं से जोड़ने का एक क्रांतिकारी कदम रहा। समाज की महिलाओं के उत्थान अहम भूमिका निभाने वाली समिति की उपाध्यक्ष अनीता शिवनानी अजबानी को 2026 डिस्टिंग्विश्ड लेडी ऑफ वेलर एंड विजन पुरस्कार से अलंकृत किया गया।

उनकी कला और समाज सेवा के प्रति समर्पण ने उन्हें इस सम्मान का सच्चा हकदार बनाया। समिति अध्यक्ष विनोद कुमार पहिलाजानी ने कहा कि झूलेलाल सेवा समिति गुरुग्राम द्वारा निर्मित मंदिर का एक वर्ष पूरा हुआ है। हर भक्त के लिए भोजन के साथ विशेष उपहारों की व्यवस्था भी की थी। यह समारोह केवल एक उत्सव नहीं था, बल्कि सिंधी समाज की शक्ति, एकता और अपनी संस्कृति के प्रति गर्व का प्रतिबिंब था।

निजी स्कूलों के मान्यता प्रमाण पत्रों की जांच अनिवार्य

29 मार्च तक पूरा करना होगा सत्यापन, विभाग द्वारा जारी प्रमाण पत्र होंगे मान्य

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)।

निजी स्कूलों की कार्यप्रणाली को लेकर उठते सवालों के बीच मौलिक शिक्षा निदेशालय ने बड़ा कदम उठाया है। हालिया जांच में सामने आया कि कुछ स्कूल नियमों की आड़ में न सिर्फ सीटों की जानकारी छिपा रहे हैं, बल्कि मान्यता से जुड़े दस्तावेजों में भी गड़बड़ी कर रहे हैं।

ऐसे में शिक्षा निदेशालय ने निजी स्कूलों द्वारा सीट डिक्लेरेशन पोर्टल पर अपलोड किए मान्यता प्रमाणपत्रों को अनिवार्य कर दिया है। सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को 29 मार्च तक यह प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। सीट डिक्लेरेशन पोर्टल पर दर्ज आकड़ों की समीक्षा के दौरान यह सामने आया कि कई स्कूल प्राथमिक कक्षाओं के सामने नो विकल्प का चयन कर सीटों की संख्या शून्य दिखा रहे हैं। इन सभी को देखते

हुए निदेशालय ने सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे निजी स्कूलों द्वारा अपलोड किए गए मान्यता प्रमाणपत्रों और अन्य दस्तावेजों की गहराई से जांच करें।

इसके लिए वेरिफिकेशन पोर्टल भी सक्रिय कर दिया गया है, जहां पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि केवल वही प्रमाणपत्र मान्य होंगे जो विभाग द्वारा जारी किए गए हैं। किसी शिक्षा बोर्ड की संबद्धता या अनुमति पत्र को मान्यता का आधार नहीं माना जाएगा। साथ ही, किसी भी तरह के गलत, पुराने या अधूरे दस्तावेजों को तुरंत खारिज करने के निर्देश दिए गए हैं। इस पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध रखा गया है और 29 मार्च 2026 तक हर हाल में सत्यापन पूरा करना अनिवार्य किया गया है। एक बार डाटा दर्ज होने के बाद उसमें किसी तरह का बदलाव संभव नहीं होगा, जिससे लापरवाही नहीं हो सकेगी।

प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश

स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना है योजना का उद्देश्य : अखिल पिलानी

जुबैर खान/भेदी नजर

नूंह। नूंह उपायुक्त अखिल पिलानी ने प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजीःएमबीवाई) के प्रभावी क्रियान्वयन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर जिला नूंह के सभी सरपंचों एवं पार्षदों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना, घरेलू बिजली व्यय में कमी लाना तथा नागरिकों को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है।उपायुक्त ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी आवासीय उपभोक्ताओं को अपने घरों की छत पर रूफटॉप सोलर (आरटीएस) सिस्टम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इससे न केवल उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।उन्होंने जानकारी दी कि योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, जिसमें एक किलोवाट पर 30 हजार रुपये, दो किलोवाट पर 60 हजार रुपये तथा तीन किलोवाट (अधिकतम सीमा तक) पर 78 हजार रुपये की सब्सिडी शामिल है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा भी पात्र श्रेणियों के लिए अतिरिक्त सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

उपायुक्त अखिल पिलानी ने सभी ग्राम पंचायतों एवं नगर निकायों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ग्राम सभाओं, वार्ड बैठकों एवं जनसभाओं के माध्यम से इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें, ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवार इस योजना का लाभ उठा सकें।उन्होंने बताया कि योजना से संबंधित पंजीकरण आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 15555 पर भी संपर्क किया जा सकता है।उपायुक्त ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग एवं मार्गदर्शन से प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के उद्देश्यों की पूर्ति सुनिश्चित होगी और जिला नूंह स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की दिशा में एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

एसवीएसयू के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कार्यशाला आयोजित

प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी, भेदी नजर

पलवल। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा नव नियुक्त लिपिकीय एवं एमटीएस कर्मचारियों के लिए द्वि-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को आधुनिक तकनीकों के माध्यम से कार्यालयीन कार्यों में दक्ष बनाना तथा राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग को बढ़ावा देना था।

कार्यशाला के प्रथम दिवस में प्रतिभागियों को आधुनिक हिंदी तकनीकों, भाषा ज्ञान तथा नई तकनीक आधारित उपकरणों के प्रयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विभिन्न सत्रों में व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को कार्यालयीन कार्यों में तकनीक के प्रभावी उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया गया।

कार्यशाला के द्वितीय दिवस विषय-विशेषज्ञ बबली देवी ने अपने ज्ञान एवं अनुभव से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने अत्यंत सरल, स्पष्ट एवं व्यावहारिक शैली में आधुनिक डिजिटल उपकरणों, विशेष रूप से जेनरेटिव एआई के उपयोग को विस्तारपूर्वक समझाया। साथ ही उन्होंने गूगल स्लाइड्स और गूगल शीट्स के प्रभावी उपयोग, तथा यूनिकोड आधारित टाइपिंग तथा समय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि इन सभी तकनीकों के समुचित उपयोग से कार्यालयीन कार्यों को अधिक व्यवस्थित, तेज एवं प्रभावी बनाया जा सकता है। उनके द्वारा प्रस्तुत लाइव डेमोंस्ट्रेशन प्रतिभागियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

द्वितीय दिवस के अन्य सत्रों में अनुवाद एवं भाषा रूपांतरण साधनों का प्रयोग, ई-कार्यालय प्रणाली दस्तावेज प्रबंधन तथा निबंधन प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण विषयों को विस्तारपूर्वक कवर किया गया। इन सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को डिजिटल कार्यप्रणाली एवं कार्यालयीन प्रक्रियाओं की व्यवहारिक समझ प्राप्त हुई । प्रतिभागियों ने इसे ज्ञानवर्धक, उपयोगी एवं अपने दैनिक कार्यों में सहायक बताया। यह कार्यशाला कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने तथा राजभाषा हिंदी के प्रभावी उपयोग को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई।

बादलों की लुका-छिपी के बाद पड़ीं बारिश की बौछारें

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)। मिलेनियम सिटी में बीते दिनों हुई बारिश के बाद से मौसम सुहावना बना हुआ है। सोमवार को बादलों की लुका-छिपी के बाद शहर में बारिश की बौछारों ने मौसम सुहाना बना दिया। सुबह से ही बादल छाए रहे और हल्की बारिश हुई। इसके बाद दोपहर से ही तेज धूप निकल आई। मौसम विभाग ने दो दिन बाद के लिए भी फिर से बारिश की संभावना जताई है। बारिश के बाद से तापमान सामान्य बना हुआ है, सुबह और शाम को हल्की ठंड महसूस की जा रही है। बीते दिनों से शहर का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया जा रहा था लेकिन बारिश के बाद यह 28.5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। वहीं, न्यूनतम तापमान 16.6 डिग्री सेल्सियस रहा। बारिश के साथ वायु गुणवत्ता में भी सुधार देखने को मिला है और गुरुग्राम का एक्यूआई में खास सुधार देखने को नहीं मिला है। बारिश के बाद भी सोमवार को वायु गुणवत्ता खराब दर्ज की गई, पीली श्रेणी में आने से एक्यूआई 236 दर्ज किया गया।

अमर शहीदों की शहादत पर गूंजा इंकलाब, कांग्रेस कार्यालय में दी भावभीनी श्रद्धांजलि

जुबैर खान/भेदी नजर, नूंह। नूंह सोमवार को नूंह में कांग्रेस कार्यालय पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहादत दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व नूंह जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक चौधरी हाजी शाहिदा खान व हरियाणा विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष व नूंह विधायक चौधरी आफताब अहमद ने किया। इस दौरान मेवात क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से आए बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस मौके पर कार्यक्रम में सबसे पहले सभी नेताओं और कार्यकताओं ने शहीदों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पूरा कार्यालय इंकलाब जिंदाबाद और शहीद भगत सिंह अमर रहें के नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर देश की आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि इन महान क्रांतिकारियों का इंकलाब केवल एक नारा नहीं, बल्कि अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शहीदों के पदचिन्हों पर चलकर देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने का संकल्प लें। जिला अध्यक्ष हाजी शहीदा खान ने अपने संबोधन में कहा कि मेवात की धरती हमेशा से वीरों और क्रांतिकारियों की जननी रही है। यहां का हर कार्यकर्ता शहीदों के सपनों का भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शहीदों के आदर्शों को अपनाकर ही सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने शहीदों के जीवन, उनके संघर्ष और उनकी विचारधारा पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ता सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। जिला पार्षद व कांग्रेस के जिला महासचिव अन्जुम हुसैन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने और देश सेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

जयराम विद्यापीठ में महाशक्ति के पर्व पर हो रहा है हवन एवं दुर्गा सप्तशती पाठ

भेदी नजर, कुरुक्षेत्र। ब्रह्मसरोवर के तट पर श्री जयराम विद्यापीठ में देशभर में फैली जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी की प्रेरणा से चैत्र नवरात्रों के अवसर पर विद्वान ब्राह्मणों द्वारा निरंतर दुर्गा सप्तशती पाठ किया जा रहा है। पांचवें नवरात्र पर भी श्रद्धालु पूजन के लिए पहुंचे। श्री जयराम संस्थाओं के मीडिया प्रभारी राजेश सिंगला ने बताया कि महाशक्ति आराधना के पर्व चैत्र नवरात्र पूजन में बड़ी आस्था के साथ दूर दूर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि विद्यापीठ में नवरात्र उत्सव पूरे उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। नौ दिवसीय इस उत्सव के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा की गई। विद्यापीठ के रोहित कौशिक ने बताया कि देवी स्कंदमाता को सफेद रंग बहुत प्रिय है क्योंकि यह शांति और सुख का प्रतीक है। मातृत्व का यह रूप व्यक्ति को शांति और खुशी का अनुभव देता है। देवी मां की पूजा करने से वह अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। इसके अलावा पूजा-पाठ उसके लिए मोक्ष का द्वार भी खोलता है। नवरात्रों के चलते विद्यापीठ में स्थित श्री वैष्णो देवी गुफा में दर्शनों के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इस अवसर पर केके. कौशिक, खरैती लाल सिंगला, राजेश सिंगला, यशपाल राणा, सुरेंद्र गुप्ता, केसी रंगा, रोहित कौशिक, सतबीर कौशिक इत्यादि भी मौजूद रहे।

हल्की बूंदाबांदी से बदला शहर का मौसम

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)। मिलेनियम सिटी में सोमवार को एक बार फिर मौसम का मिजाज बदला हुआ दिखा। सुबह शहर में आसमान काले बादलों से घिर गया और हल्की फुहारों ने पूरे माहौल को सर्द कर दिया। ठंडी हवाओं के चलने से सुबह के समय लोगों को एक बार फिर से हल्की सर्दी का अहसास हुआ। हालांकि, दोपहर के वक्त बादलों के बीच से निकली धूप ने थोड़ी गर्माहट जरूर दी। मौसम विभाग के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इलाके में करीब 0.5 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई है। अमूमन 20 मार्च आते-आते इलाके का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को छूने लगता है, लेकिन इस बरसात ने पारे को धड़ाम से नीचे गिरा दिया। सोमवार को अधिकतम तापमान 27.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसी तरह न्यूनतम तापमान भी 18.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि एक दिन पहले रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 26.4 और न्यूनतम 14.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहर की आबोहवा की बात करें तो वायु गुणवत्ता सूचकांक 180 के स्तर पर रहा। फसल को नुकसान का सता रहा है डर मौसम में आई इस नमी ने इलाके के किसानों की रातों की नींद उड़ा कर रख दी है। वर्तमान में रबी की फसलें खेतों में पूरी तरह से पककर तैयार खड़ी हैं। इन दिनों देहात में सरसों की कटाई और उसके दाने निकालने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। चने की फसल को भी समेटा जा रहा है। वहीं, गेहूं की सुनहरी बालियां भी पकने के बिल्कुल अंतिम पड़ाव पर हैं। ऐसे नाजुक वक्त में अगर लगातार बारिश का दौर चलता है, तो पकी हुई फसलें खेतों में ही बिछ जाएंगी और किसानों की महीनों की गाढ़ी कमाई मिट्टी में मिल जाएगी। 26 को फिर बूंदाबांदी का अनुमान मौसम विभाग ने जो पूवार्नुमान जारी किया है, वह भी चिंता बढ़ाने वाला है। विभाग के अनुसार, आगामी 26 मार्च को पूरे क्षेत्र में एक बार फिर से बूंदाबांदी होने की प्रबल संभावना बनी हुई है। बारिश के कारण पारे में यह गिरावट आगे भी जारी रहेगी। इसके अलावा 27 मार्च से लेकर 29 मार्च तक आसमान में बादलों का डेरा रहेगा। बीच-बीच में ठंडी हवा के झोंके चलते रहेंगे, जिससे दिन की तपिश नहीं बढ़ेगी और सुबह-शाम की ठंडक लगातार बनी रहेगी।

सब्जियों की कीमत चालीस फीसदी तक बढ़ी

गुरुग्राम/सोहना, (वेब वार्ता)। बेमौसम बारिश से मिलेनियम सिटी में सब्जियां की कीमतों में 30 से 40 फीसदी तक दाम बढ़ गए है। जिससे आम लोगों के जेब पर प्रभाव पड़ा है। मंडी में सब्जियों की आवक कम होने से फुटकर बिक्रेता दाम बढ़ा दिए है। इसमें शिमला मिर्च, फूल गोभी, हरी मटर, भिंड्डी, बैंगन, गाजर समेत अन्य सब्जियां शामिल है। खांडसा मंडी के आढ़ती हरिवंश सिंह, जय प्रकाश सिंह ने कहा कि बारिश से मंडियों में सब्जियों की आवक में कमी आई है। हर सब्जी पर दाम बढ़ने से फुटकर बिक्रेता अब 30 फीसदी अधिक दाम पर बेच रहे हैं। मंडी में बाहरी सब्जियों की आवक बढ़ने के बाद से कीमतों में कमी आएगी। अभी गर्मी की सब्जियां कम आ रही हैं। इसके आने के बाद दाम कम हो सकेंगे। सब्जियों पर पड़ा बारिश का असरः गर्मी की सब्जियों ने दस्तक दे दी है। लेकिन पिछले दिनों हुई बारिश से सब्जी की फसलों को प्रभावित कर दिया। क्षेत्रीय किसानों द्वारा गर्मी के लिए तैयार की गई सब्जी की शुरूआत हो गई है। आढ़ियों ने कहा कि दिल्ली आजादपुर मंडी से आने वाली सब्जियों की कीमतें 30 फीसदी महंगी हो गई है। इसमें शिमला, हिमाचल, पंजाब, मध्यप्रदेश से आने वाली सब्जियों के दामों में बढ़ोत्तरी होने से आम लोगों की जेब पर भारी पड़ रही है। सब्जी बिक्रेता सचिन ने बताया कि शिमला मिर्च, हरी मिर्च, तोरई, गाजर, बैंगन, फूल गोभी, मटर आदि की कीमतें बढ़ी है। सब्जियां महंगी होने से बजट बिगड़ाः राजेंद्रा पार्क कॉलोनी निवासी रूपा ने कहा कि दो सौ रुपये खर्च करने के बाद भी उनका आधा झोला भी नहीं भरा है। सब्जियां भोजन में जरूरी हैं। ऐसे में दिक्कतें बढ़ जाएंगी।

मेवात में राष्ट्रभक्ति की गूंज : हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान के साथ जगी नई चेतना

मेवात में आज चारों तरफ विकास का मनोहर मॉडल नजर आ रहा है : सुदेश कटारिया

जुबैर खान/भेदी नजर

नूंह/मेवात। शहीदी दिवस पर सोमवार को मेवात की वीर भूमि पर पहली बार राष्ट्र भक्ति की अलग ही असरदार गूंज सुनाई दी। हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान संदेश के इस धरा पर बदलाव की नई चेतना की अलख जगी जिसने सामाजिक सौहार्द और एकता की बड़ी मिशाल पेश कर दी है। शहीदी दिवस के पावन अवसर पर हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान जन चेतना ट्रस्ट के तत्वावधान में शहीद करीम खान फाउंडेशन की ओर से बीडीपीओ कार्यालय फिरोजपुर झिरका में संविधान सम्मेलन और एवं मेवात प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया ने बतौर मुख्यातिथि के शिरकत की। समारोह में पहुंचने पर मुख्यातिथि सुदेश कटारिया का युवाओं और महिलाओं ने पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया और बुजुर्गों ने आशीर्वाद देकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। सुदेश कटारिया ने हाथ जोड़कर उपस्थित जनसमूह का अभिवादन स्वीकार किया। शहीद करीम खान फाउंडेशन के अध्यक्ष जखरुद्दीन बागोरिया ने सुदेश कटारिया को मेवाती पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया ने कहा की इस धरा पर पहली बार मुख्यमंत्री के तौर पर मनोहर लाल ने क्षेत्रवाद, जातिवाद और परिवारवाद से ऊपर उठकर हरियाणा एक-हरियाणवीं एक का नारा दिया। इसी सोच के साथ आज मेवात में आज चारों तरफ विकास का मनोहर मॉडल नजर आ रहा है। उन्होंने कहा की विपक्षी दलों ने मेवात को हमेशा वोट बैंक समझा और जाति एवं धर्म के नाम की राजनीति मेवात में की। मगर भाजपा ने जाति और धर्म की राजनीति की बजाय मेवात के विकास पर फोकस किया।

सुदेश कटारिया ने कहा की पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश से जातिवाद, क्षेत्रवाद और भाई-भतीजा एवं परिवारवाद को किनारे करते हुए हरियाणा एक-हरियाणवीं एक का नारा दिया। उन्होंने पूरे हरियाणा में समान विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए, विकास में पिछड़े मेवात में विकास की रफ्तार को बढ़ाया। मेवात के लोगों ने हमेशा भाईचारे की मिसाल पेश की है। हर समय मेवात के लोग देश की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि मिशन मेरिट के आधार पर मेवात में पढ़े-लिखे युवाओं को योग्यता और पारदर्शिता के आधार पर नौकरी मिली है, जिसमें सबसे ज्यादा दलित शामिल हैं। मिशन मेरिट से मेवात में शिक्षा का स्तर बढ़ा है और युवाओं में अपने बूते नौकरी लगने की उम्मीद जगी है, जबकि पूर्व की सरकारों में नौकरियों में किस तरह बंदरबांट होती थी, यह किसी से छिपी नहीं है।

कटारिया ने कहा की पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दलित समुदाय की सबसे बड़ी मांग पदोन्नति में आरक्षण, सफाई कर्मचारी आयोग के साथ एससी कमीशन का गठन किया। इसके साथ एससी वर्ग के बैकलॉग को भरने का काम किया। एससी कमीशन के गठन से दलितों को अपनी समस्या रखने का एक मंच मिला, जोकि दलित वर्ग के हितों की रक्षा करने में कारगर साबित हो रहा है। मेवात की धरती सदियों से राष्ट्रप्रेम, बलिदान और भाईचारे की मिसाल सुदेश कटारिया ने कहा कि मेवात की धरती सदियों से राष्ट्रप्रेम, बलिदान और भाईचारे की मिसाल रही है।

नवरात्र कन्या पूजन तभी सफल होगा जब बहन और बेटी का सम्मान होगा : पुरी

भेदी नजर, कुरुक्षेत्र। चैत्र नवरात्र मां दुर्गा की आराधना का पर्व है। इन नौ दिनों में माता के नौ रूपों मां शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। इन नौ शक्तियों के मिलन को ही नवरात्र कहते हैं। जग ज्योति दरबार में महंत राजेंद्र पुरी ने कहा कि वैसे तो हमारे देश में कन्या पूजन सदियों से चला आ रहा है लेकिन क्या एक दिन कन्या पूजन करने के बाद नारी जाति के प्रति पुरुष वर्ग के कर्तव्य और भावनाएं समाप्त हो जाती हैं। क्या हम कह सकते हैं कि हमारी कन्याएं समाज में सुरक्षित हैं। आज किस तरह के कन्या पूजन की जरूरत है। हम ऐसा क्या करें कि हमारी बेटियां सुरक्षित रहें और निर्भयता पूर्वक अपना जीवन जी सकें। महंत राजेंद्र पुरी ने कहा कि एक दिन कन्या पूजन करके दूसरे दिन ही अगर कोख में पल रही कन्या के भ्रूण की हत्या करते हैं तो कन्या पूजन करना व्यर्थ है। उन्होंने कहा कि कन्या पूजन सही मायने में तभी सफल होगा जब घर में अपनी बहन और बेटी का सम्मान करेंगे, उसके सुख-दुख का ध्यान रखेंगे।

सिधरावली में सात मजदूरों की मौत पर रिपोर्ट तलब

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)।

सिधरावली गांव में सिग्नेचर बिल्डर के निमार्णाधीन प्रोजेक्ट में नौ मार्च की रात को सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की दीवार गिरने से हुई सात मजदूरों की मौत के मामले में हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने कड़ा रुख अपनाया है।

आयोग ने इस दुखद घटना का स्वत संज्ञान लेते हुए इसे मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताया है और संबंधित विभागों से जवाब तलब किया है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए आयोग ने मामले की अगली सुनवाई 13 मई 2026 को तय की है। हरियाणा मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस ललित बत्रा, सदस्य कुलदीप जैन और दीप भाटिया के पूर्ण आयोग ने मीडिया रिपोर्टों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। आयोग ने स्पष्ट किया कि कंक्रीट की रिटेनिंग वॉल का ढ़हना निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी और गंभीर लापरवाही का संकेत है। आयोग ने टिप्पणी की सुरक्षित कार्य परिस्थितियों का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का हिस्सा है। इसे केवल एक सामान्य दुर्घटना मानकर नहीं छोड़ा जा सकता।छह बिंदुओं पर मांगी गई रिपोर्टआयोग ने नगर निगम गुरुग्राम, पुलिस, श्रम विभाग और नगर योजनाकार विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को नोटिस जारी कर निम्नलिखित जानकारियों की मांग की है।

पत्नी की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या करके फरार हुआ सिक्योरिटी गार्ड

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)। खेडकीदौला पुलिस थाना क्षेत्र स्थित रामपुरा में एक सिक्योरिटी गार्ड ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। पड़ोसियों ने जब शव कमरे में पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के कन्नौज निवासी रश्मि अपने पति के साथ गांव रामपुरा में किराए पर रहती थी। उसका पति एक कंपनी में बतौर सिक्योरिटी गार्ड तैनात है। दोनों में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। उनका झगड़ा इतना अधिक बढ़ गया कि सिक्योरिटी गार्ड ने पत्नी से मारपीट के दौरानचुन्नी से उसका गला दबाकर हत्या कर दी।

राजेश कुमार ने अपराध व कानून व्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण के दिए दिशा-निर्देश

जुबैर खान/भेदी नजर

नूंह। नूंह पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने सोमवार को जिला सचिवालय स्थित सभागार में नूंह पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अपराध गोष्ठी आयोजित की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नूंह आयुष यादव, उप-पुलिस अधीक्षक नूंह पृथ्वी सिंह, उप-पुलिस अधीक्षक फिरोजपुर झिरका अजायब सिंह, उप-पुलिस अधीक्षक पुन्हाना जितेन्द्र राणा सहित सभी थाना प्रबंधक, स्टाफ एवं चौकी प्रभारी व अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक ने जिला नूंह की कानून एवं व्यवस्था स्थिति की विस्तृत समीक्षा की तथा अपराध डायरी का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जिले में चोरी, लूट व साइबर अपराध के मामलों में आई कमी आने पर नूंह पुलिस के कार्यों की सराहना की।

साथ ही गौ-तस्करी, गौ-हत्या, नशा-तस्करी, उद्घोषित एवं जमानत तर्क अपराधियों सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए साथ ही सोशल मिडिया पर विशेष निगरानी रखने बारे भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए सभी थाना एवं चौकी क्षेत्र में नियमित रूप से पुलिस पेट्रोलिंग की जाए तथा सीलिंग प्लान के तहत नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की जाए। महिला एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और पीड़ितों को संवेदनशीलता के साथ सहायता प्रदान की जाए।

बैठक के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि पेट्रोल पंप, बैंक, ज्वैलरी की दुकानें, होटल, ढाबे, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, मार्केट व कोचिंग संस्थानों सहित भीड़भाड़ वाले स्थानों पर उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। प्रवेश व निकासी द्वारों पर कैमरे अवश्य लगाए जाएं तथा कम से कम 30 दिनों का बैकअप सुरक्षित रखा जाए।

पत्नी से झगड़ा होने पर पेंटर ने की आत्महत्या

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)। गढ़ी हरसरू गांव में रविवार देर रात को पत्नी से झगड़ा होने के बाद 33 वर्षीय युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। दंपती के बीच झगड़ा सिलेंडर बुक कराने को लेकर हुआ था। सोमवार की सुबह आत्महत्या के बारे में पता चलने पर सेक्टर-93 चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने एफएसएल व फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराया। मृतक की पहचान उत्तरप्रदेश के संभल के शेरपुर गांव निवासी 33 वर्षीय राहुल के रूप में हुई है। वह पत्नी व चार बच्चों के साथ गढ़ी हरसरू गांव स्थित एक निजी स्कूल में दूसरी मंजिल पर बने कमरे में किराये पर रहता था। राहुल रंग-पेंट का काम करता था, जबकि उसकी पत्नी घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती है।

जानलेवा हमला मामले में मुण्डकटी थाना पुलिस ने चार आरोपियों पर कसा शिकंजा

अरविन्द बक्शी, भेदी नजर

पलवल। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला पुलिस लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रही है। इसी कड़ी मे 21 मार्च 2026 को थाना मुण्डकटी क्षेत्र अंतर्गत अवैध हथियारों से जानलेवा हमला मामले में मुण्डकटी थाना टीम ने चार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों की पहचान गांव सराय के रहने वाले लुकमान, सलीम, शोएब तथा इकबाल के रूप में हुई है।

मुण्डकटी थाना प्रभारी उप निरीक्षक संजय कुमार के अनुसार आमीन निवासी सराय खटैला ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि दिनाक 21-03-26 को लगभग सुबह 10 बजे वह ईद की नमाज पढ़कर अपने घर आया तो शोएब पुत्र सलीम ने उसे घर आकर गाली गलोच व जान से मारने की धमकी दी। सोएब ने अपने परिवार के अन्य नामजद व अन्यो के साथ उनके ऊपर लाठी, सरिया व छतो पर चढ़कर ऊपर ईंट पत्थर बरसाने शुरू कर दिये। ईकबाल ने देशी कटटा का सीधा फायर किया। जो उसके भाई इरशाद के सीधे पैर पर आके लगी। इस झगड़े में उसे तथा अनीश को भी चोटे आई। शिकायत पर सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने 24 घंटे के अंदर ही तीन आरोपियों लुकमान सलीम तथा शोएब को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

लिव-इन पार्टनर के जाने से युवक ने आत्महत्या की

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)। प्रेम प्रसंग और विरह के चलते एक 26 वर्षीय युवक द्वारा आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान उत्तराखंड निवासी संजय के रूप में हुई है, जो एक निजी होटल में काम करता था। शुरूआती जांच में सामने आया है कि युवक अपनी लिव-इन पार्टनर के छोड़कर चले जाने से मानसिक तनाव में था, जिसके चलते उसने खौफनाक कदम उठाया। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है। नोट में संजय ने अपनी व्यथा लिखते हुए कहा मैं उससे बहुत प्यार करता था, लेकिन वह किसी दूसरे के साथ चली गई। अब मैं उसके बिना जीना नहीं चाहता। पुलिस ने सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के बगर गांव का रहने वाला संजय पिछले दो महीने से गुरुग्राम में किराए के कमरे पर रह रहा था। वह यहां एक निजी होटल में नौकरी करता था। संजय की पहचान करीब डेढ़ साल पहले कोलकाता निवासी एक युवती से हुई थी, जो उसी के साथ होटल में काम करती थी। दोनों पहले गोवा में साथ रहते थे और कुछ समय पहले ही गुरुग्राम शिफ्ट हुए थे। बताया जा रहा है कि करीब 15 दिन पहले लड़की उसे छोड़कर कहीं चली गई थी, जिससे संजय काफी टूट गया था। दोस्त ने कमरा खोला तो उड़े होश घटना का खुलासा रविवार शाम करीब 8 बजे हुआ। संजय काफी समय से फोन नहीं उठा रहा था, जिससे चिंतित होकर उसका दोस्त मोहन उसके कमरे पर पहुंचा। कमरा अंदर से बंद था और काफी आवाज देने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद मोहन ने मकान मालिक को सूचित किया और दरवाजा तोड़ा गया। अंदर संजय का शव फंदे से लटका हुआ था। सूचना मिलते ही खेड़कीदौला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सुसाइड नोट और परिजनों के बयानों के आधार पर आगे की कार्यवाही की जा रही है। युवती के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

गैंग में शामिल तीन और आरोपियों पर कसा शिकंजा, मामले में अब तक छह आरोपी गिरफ्तार

कपिल सिंगला, भेदी नजर

पलवल। पूर्व में गिरफ्तार किए गए मास्टरमाइंड सहित तीन आरोपियों से 7 किलो 113 ग्राम चांदी, 10 हजार रुपए तथा वारदात में प्रयुक्त गाड़ी स्विफ्ट डिजायर बरामद,भेजे जेल की सलाखों के पीछे। डीएसपी क्राइम पलवल अनिल कुमार ने बताया कि जिला पुलिस लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रही है। इसी कड़ी में हथियार की नोक पर लाखों की चांदी तथा नगदी की ब्लाइंड लूट में शामिल गैंग के तीन और आरोपियों को काईम बांच पलवल ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

इससे पूर्व दिनांक 18 मार्च को क्राइम ब्रांच पलवल टीम ने इस ब्लाइंड लूट का का पदार्फाश करते हुए गैंग के मास्टरमांइड सहित तीन आरोपियों को धर दबोचा था। मामले में नूंह के फिरोजपुर झिरका के रहने वाले कपिल सिंगला ने बताया कि वह अपने भाई शुभम के साथ 11 मार्च को अपनी स्विफ्ट कार से कच्ची चांदी लेकर दिल्ली गए थे।

दिल्ली से चांदी बदलवाकर और आठ लाख रुपये नकद लेकर ये शाम करीब चार बजे वापस घर के लिए रवाना हुए। उन्होंने चांदी को चालक सीट के नीचे और नकदी को डिग्गी में एक बैग में रखा था। समय करीब पांच पी०एम० पर गदपुरी थाना अंतर्गत सहराला गांव के समीप दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बदमाशों ने अपनी गाडी ईको आगे लगाकर गाडी के सीसे तोड दिये तथा हथियारों के बल पर उनकी स्वीफट कार, 30 किलो चादी और आठ लाख रुपये की नकदी लूट ली। बदमाशों ने पीडितों के साथ मारपीट की और उन्हें बंधक बनाकर बंचारी गांव के पास सुनसान जगह पर फेंक दिया और गाडी, चांदी व नकदी लेकर फरार हो गए।

इस मामले में काईम ब्राच पलवल प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र कुमार की टीम ने साईबर तकनीकि तथा इंटैलीजेंस की मदद से कार्य करते हुये दिनांक 18.03.2026 को वारदात में शामिल तीन आरोपियों मास्टरमांइड निसार, आसिफ तथा इमरान को दिल्ली-अलवर रोड बोडीकोठी से धर दबोचा था साथ ही साथ ही वारदात में प्रयुक्त गाडी ईको(जो जांच में तेलंगाना से चोरी होनी पाई गई) भी बरामद की गई। आरोपियों को चार दिन की पुलिस रिमांड पर लेकर आरोपियों से 7 किलो 113 ग्राम चांदी,10 हजार रुपए तथा वारदात में प्रयुक्त गाड़ी स्विफ्ट डिजायर बरामद की गई तथा दिनांक 22 मार्च 2026 को इस लूट में शामिल जिला मथुरा उत्तर प्रदेश के रहने वाले तीन अन्य आरोपियों अमित अग्रवाल, नोमान तथा फैजान को भी गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की गई।

पूर्व में गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों निसार, इमरान तथा आसिफ को आज पेश अदालत कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया जबकि हाल ही में गिरफ्तार किए गए आरोपी अमित अग्रवाल, नोमान तथा फैजान को लूटी गई चांदी तथा वारदात में प्रयुक्त हथियार बरामद करने हेतु दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

घरों में चल रहे अवैध पीजी और गेस्ट हाउस पर नकेल कसेगी

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)। मिलेनियम सिटी में अवैध रूप से घरों में चल रहे पीजी और गेस्ट हाउस पर कार्रवाई होगी। हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इस सिलसिले में सरकारी विभागों से रिपोर्ट तलब की है। इस मामले में अगली सुनवाई 23 मार्च को निर्धारित है। हरियाणा मानवाधिकार आयोग के संज्ञान में आया है कि मिलेनियम सिटी में अवैध रूप से हजारों पीजी और गेस्ट हाउस चल रहे हैं। इनके पास दमकल विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं है। इनके संचालन को लेकर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी), गुरुग्राम या मानेसर नगर निगम और नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग से मंजूरी नहीं ली गई है। इन पीजी या गेस्ट हाउस में किसी तरह का हादसा हो जाता है तो सुरक्षा के अभाव में यह जीवन और मानवता के लिए खतरा बन सकते हैं। इसके अलावा इन पीजी और गेस्ट हाउस की वजह से कॉलोनियों और सेक्टर के बिजली, पानी और सीवर के बुनियादी ढांचे पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है। हरियाणा मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस ललित बत्रा, सदस्य कुलदीप जैन और सदस्य दीप भाटिया ने जारी आदेश में कहा कि साल 2023 में दिल्ली के मुखर्जी नगर में इस तरह के अवैध पीजी संचालन की वजह से आगजनी की गंभीर घटना हो गई थी, जिसमें महिलाएं फंस गई थी। इस पीजी में आपातकालीन निकास द्वारों का अभाव था। केवल एक सीढ़ी थी। निकास मार्ग बंद था। अग्निशमन उपकरणों का अभाव था। नोएडा में इस तरह का हादसा हुआ था। हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने जांच करवाई आयोग ने आदेश में कहा कि उन्होंने जांच में पाया है कि अवैध रूप से चल रहे पीजी और गेस्ट हाउस में अग्निशामक यंत्रों, अलार्म और धुआं डिटेक्टरों का अभाव है। आपातकालीन सीढ़ियों या वैकल्पिक निकास द्वारों का अभाव है। जनसंख्या घनत्व के कारण बिजली के तारों पर अत्यधिक भार है। बिना अनुमति के संरचनात्मक परिवर्तन हुआ है।

साइबर उपद्रवियों की काट खोज रहा प्रशासन, बैठकों का दौर जारी

उपद्रव के बाद प्रशासन ने जनता के साथ विश्वास बहाली के प्रयास तेज किये

- डीएम, एसएसपी ने अफवाहों से दूर रहने और अफवाह न फैलाने की अपील की
- थाने चौकियों पर संगठनों के पदाधिकारियों के साथ की गई बैठक

मानव, भेदी नज़र

मथुरा। अफवाह फैलाने वालों से निपटने के साथ ही लोगों को अफवाहों से दूर रखने के लिए जिला प्रशासन ने धरातल पर काम शुरू किया है। सोशल मीडिया पर लगातार पैनी नजर रखी जा रही है। ऐसे लोगों को चिन्हित किया जा रहा है जिन लोगों ने सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई और लोगों को भ्रमित किया।

सोमवार को जिलाधिकारी सीपी सिंह व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार द्वारा तहसील छाता सभागार में छाता क्षेत्र के सम्मानित व्यक्तियों के साथ वार्ता कर भ्रामक खबरें न फैलाने के संदर्भ में वार्ता की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

जनपद मथुरा के थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा गौ रक्षक दल व अन्य दलों के साथ गोष्ठी की। 21 मार्च को प्रातः 3 से 4 बजे के बीच थाना कोसीकलां क्षेत्र के अंतर्गत घने कोहरे के कारण हुई एक सड़क दुर्घटना में चंद्रशेखर उर्फ फरसा बाबा की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की घटना को लेकर के कुछ अराजक व बाहरी तत्वों द्वारा अफवाह फैलाई गयी, जिसके उपरांत थाना छाता क्षेत्र में कुछ उपद्रवियों द्वारा एनएच जाम किया गया तथा पथराव किया गया।

जिसके उपरांत थाना छाता पर गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। 22 मार्च को वर्तमान परिदृश्य के दृष्टिगत जनपद मथुरा के थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा युवाओं विशेषकर गौरक्षकों व राष्ट्रीय भगवा दल, हिन्दु जागरण मंच तथा युवाओं के अन्य संगठनों के सदस्यों के साथ एक गोष्ठी आयोजित की गयी।

जिसमें उच्चाधिकारीगण, शासन के द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों से अवगत कराया गया। सोशल मीडिया के सार्थक प्रयोग तथा झूठी अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी गयी साथ ही इन संगठनों के सदस्यों के पुलिस, प्रशासन के साथ बेहतर तालमेल बनाये रखने एवं संवेदनशील सूचनाओं के आदान प्रदान जैसे अन्य विषयों पर भी विचार विमर्श किया गया एवं सभी से यह अपील की गई कि अफवाह या भ्रामक सूचना न फैलाए, जिससे जनपद की कानून व्यवस्था प्रभावित हों। इसके अलावा चौकी थानों पर भी बैठकें कर विश्वास बहाली के प्रयास किये गये।

इससे पहले सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील छाता में जिलाधिकारी मथुरा व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा द्वारा आए हुए फरियादियों की शिकायतों को सुना गया तथा शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित को आवश्यक आदेश निर्देश दिये गए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी छाता सहित संबंधित विभागों के अन्य अधिनियम व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस ने 670 गांजे के साथ युवक किया गिरफ्तार

मानव, भेदी नज़र, मथुरा। थाना कोतवाली पुलिस टीम ने एक अभियुक्त को 670 ग्राम अवैध गांजा (नशीला पदार्थ) के साथ गिरफ्तार किया है। थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर मोती मंजिल के सामने सड़क के पास कृष्णा नगर थाना कोतवाली से अभियुक्त सद्दाम पुत्र यामीन उर्फ यासीन निवासी किराये का मकान ज्योतिनगर मदीना मस्जिद के पीछे थाना कोतवाली जनपद मथुरा उम्र करीब 29 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 670 ग्राम अवैध गांजा (नशीला पदार्थ) बरामद हुआ। अभियुक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना कोतवाली पर एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त के विरूद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। कार्यवाही करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्रा थाना कोतवाली, एसआई विपिन तोमर थाना कोतवाली, एसआई नितिन तेवतिया थाना कोतवाली, .कांस्टेबल धीरज सिंह थाना कोतवाली, कांस्टेबल धर्मेन्द्र थाना कोतवाली आदि पुलिसकर्मी थी।

भाकपा ने साम्राज्यवाद विरोध के रूप में मनाया शहीदी दिवस

भगत सिंह पार्क में भगत सिंह प्रतिमा पर माल्याण कर दी श्रद्धांजलि

मानव, भेदी नज़र, मथुरा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय आह्वान पर आज शहीदी दिवस को साम्राज्यवाद विरोधी दिवस के रूप में भरतसिंह पार्क में मनाया गया। भगतसिंह पार्क में स्थित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। सर्वप्रथम पार्टी के सचिव मंडल के सदस्य गफ्फार अब्बास एडवोकेट एवम सीपीएम के जिलामंत्री टिकेंद्र सिंह ने संयुक रूप से अमर शहीद भगतसिंह को माल्यापर्ण किया गया। इस मौके पर पार्टी के पदाधिकारियों ने इजरायल अमेरिका द्वारा ईरान पर किए हमले की निन्दा करते हुए तुरंत युद्ध को समाप्त करने की मांग की गई। साथ ही साम्राज्यवाद विरोधी अभियान जलाने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर याकूबशाह, शिवदत्त चतुर्वेदी, नरेन्द्र सिंह सिसोदिया, अब्दुल अशफाक, रमेश सिंह, भिक्कीलाल, यूनिश, महेंद पाल निगम, राजू सिंह, भारत सेठ, भोहरेजी, रफीक अहमद, सोहनलाल, कुंवर पाल, बंटी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता याकूब शाह ने की।

आप और हम मित्र मंडल मना रहा नवदुर्गा महोत्सव

मानव, भेदी नज़र, मथुरा। आप और हम मित्र मंडल द्वारा बीएसए कॉलेज स्थित आनन्दपुरी के कालोनीवासियों ने द्वितीय नवदुर्गा महोत्सव मनाया जा रहा है चैत्र प्रतिपदा पर नवरात्रो में जगह जगह देवी को सजाया गया। प्रमोद कुमार ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से वातावरण शुद्ध रहता है और अमरसिंह राजपूत ने बताया कि आपसी भाईचारा बढ़ता है मां की पूजारन मीरा देवी ने बताया कि सनातन धर्म में पूजा अर्चना करने से मन को शांति मिलती है और महामाई का आशीर्वाद प्राप्त होता है पूजा करने वालों की भीड़ रही, प्रथम दिन से ही पूजा पांडालों में आस्था का सैलाब उमड़ता रहा, मंदिरों में जलाभिषेक और हवन यज्ञ का आयोजन देर शाम तक चलता रहा, लोग पूजा अर्चना करने मंदिर पहुंचे और मनौती मांगी। देवी मंदिरों में खासकर महिलाओं का हुजूम उमड़ा, कई जगह तो महिलाओं ने नौ दिन तक व्रत का संकल्प लिया है, वे नौ दिन तक व्रत रखकर सादगी, समर्पण का परिचय देंगी, कई महिलाएं एक लॉन्ग के जोड़ा से व्रत का पालन करेंगी, इस दौरान राम और हनुमान मंदिरों में भी विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है, लोकप्रिय रुद्र काली देवी मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। मीडिया प्रभारी विकास खत्री ने बताया कि इस बार चौत्र नवरात्र की शुरूआत तीन विशेष शुभ योगों शुक्ल योग, ब्रह्म योग और सर्वार्थ सिद्धि योग में हो रही है, शुक्ल योग में पूजा-पाठ, व्रत, जप और धार्मिक कार्य करने से विशेष पुण्य मिलता है, नए कार्यों की शुरूआत करने से सफलता और उन्नति मिलने की संभावना है, ब्रह्म योग में अध्ययन, मंत्र साधना, ध्यान और धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन विशेष फलदायी होता है रोज शाम को महिलाओं ने भजनों से मां को रिझाया तो किसी ने नाचकर हाजरी लगाई इस अवसर पर, प्रमोद कुमार, मीरा देवी,अमरसिंह राजपूत, शुशील गौतम, विकास खत्री,आकाश चौरसिया, दिनेश चौधरी, दिनेश कुमार, हरिवंश, लक्की, कोमल फोजी, अनूप सिंह, राधा, विमला देवी,नीरु, एवं अन्य महीलाऐ उपस्थित रहीं।

धार्मिक परंपराओं के संवाहक हैं डॉ सत्य नारायण दास

मानव, भेदी नज़र

वृंदावन। रमणरेती स्थित शीतल छाया वाटिका के अंतर्गत जीवा आश्रम में महंत सत्यनारायण दास महाराज का वार्षिक महंताई समारोह अत्यंत श्रद्धा, आस्था और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। जिसमें ब्रज मंडल के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे साधु-संतों, महंतों एवं महामंडलेश्वरों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक पहुंचा दिया। वहीं संत महात्माओं ने अपने प्रवचनों में मानव जीवन में भक्ति, आस्था और श्रद्धा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

महंत डॉ सत्य नारायण दास महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में भौतिकता के बीच आध्यात्मिक मूल्यों को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है और संतों का मार्गदर्शन समाज को सही दिशा प्रदान करता है। डॉ प्रताप चौहान ने कहा कि सत्य नारायण दास महाराज न केवल धार्मिक परंपराओं के संवाहक हैं, बल्कि समाज सेवा के क्षेत्र में भी उनका योगदान अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक है।

समारोह में वक्ताओं ने महंत सत्यनारायण दास महाराज द्वारा किए जा रहे निस्वार्थ सेवा कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की। विशेष रूप से गौड़ीय संप्रदाय में उनके अतुलनीय योगदान को संत समाज ने आदरपूर्वक सराहा। इससे पूर्व समारोह की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि विधान पूर्वक पूजन अर्चन के साथ हुई। इसके पश्चात आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों में संत समाज ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे आश्रम परिसर में भक्ति रस की धारा प्रवाहित होती रही, जिससे वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिकमय बना रहा।

एनसीआरईएस ने किलोमीटर भत्ता वृद्धि को बताया अपर्याप्त

मानव, भेदी नज़र

मथुरा। एनसीआरईएस ने रनिंग कर्मचारियों के किलोमीटर भत्ता में 14.33 प्रतिशत बढ़ोत्तरी पर विरोध प्रदर्शन किया रेलवे बोर्ड द्वारा रनिंग कर्मचारियों के माइलेज भत्ता में 25 प्रतिशत बढ़ोत्तरी महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत से ऊपर पहुंच जाने पर न किए जाने का मुद्दा एनएफआईआर, एनसीआरईएस द्वारा बार बार उठाया जा रहा था। कल रेलवे बोर्ड द्वारा रनिंग भत्ता का पत्र आरबीई 25-2026 जारी कर दिया गया जिसे देखकर रनिंग कर्मचारियों में अत्यंत रोष व्याप्त है क्योंकि इस आदेश में केवल उनको उनको 14.3 प्रतिशत ही किलोमीटर भत्ता बढ़ेगा जबकि पे कमीशन ने पिछले आदेश में कहा था कि महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत हो जाने पर सभी भत्तों में 25 प्रतिशत की वृद्धि अपने आप हो जाएगी सभी भत्तों मे बढ़ोत्तरी तो हो गई लेकिन रनिंग किलोमीटर भत्ता में नहीं हुई अतः आज एनसीआरईएस आगरा मंडल और पूरे जोन में इसका विरोध करती है और रेल मंत्री भारत सरकार से मांग करती है कि रनिंग कर्मचारियों को उनका पूरा हक दिया जाए तब तक एनसीआरईएस संघर्ष करती रहेगी।

एनसीआरईएस के महामंत्री आरपी सिंह के आह्वान पर सभी मंडल और लॉबी पर इसको लेकर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे है, कल आगरा लॉबी पर किया गया था आज मथुरा लॉबी पर किया जा रहा है इस प्रदर्शन में आगरा मंडल के मंडल सचिव अरुण शर्मा ने बताया कि भारत सरकार ने रनिंग कर्मचारियों के साथ धोखा किया था बात 25 प्रतिशत केएमए बढ़ाने की हुई थी लेकिन 14.3 प्रतिशत ही बढ़ाया है एनसीआरईएस इसका विरोध करती है और मांग करती है कि रनिंग साथियों की मांग पूरी करे, मथुरा शाखा 1,2,3 के सभी पदाधिकारी एवं मथुरा, मथुरा 1 के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, मथुरा 2 के सचिव प्रीतम सिंह के साथ संजय दीप सारस्वत, मनीष वार्ष्णेय, भगत राम मीणा, हिमांशु खत्री, पिंकू गौतम, रवींद्र कुमार, सौरभ पूनिया, राहुल गौर, एचपी सिंह, गोविंद हरि, शीश राम मीणा राजेंद्र सिंह मीणा भूपेंद्र मंजू टांगर, दिनेश शर्मा, रवींद्र भाटी, राजवीर सिंह इत्यादि काफी संख्या में रेल कर्मचारी विरोध प्रदर्शन में एकत्रित हुए आगे यदि मांग नहीं मानी गई तो रनिंग कर्मचारियों के साथ एनसीआरईएस संघर्ष करेगी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि से श्रीराम जन्मभूमि के लिए भेजा प्रसाद

रामनवमी पर किया जाएगा रामलला को अर्पित

मानव, भेदी नज़र

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि से श्रीराम जन्मभूमि के लिए प्रसाद भेजा गया है। यह प्रसाद रामनवमी पर अयोध्या में रामलला को अर्पित किया जाएगा। इसमें 11 मन धनिया की पंजीरी, लड्डू, पंचमेवा और श्रीरामलला के लिए वस्त्र श्रृंगार तथा सुगंधित दिव्य सामग्री शामिल है।

प्रसाद को मंदिर के अन्न सेवा धाम से सांस्कृतिक कार्यक्रम और राधा-कृष्ण के स्वरूपों के साथ नाचते गाते हुए सुबह 10 बजे शोभायात्रा के साथ निकाला गया। गाजे बाजे के साथ कृष्ण जन्म स्थान से अयोध्या धाम को ये प्रसाद जन्म स्थान के प्रचार मंत्री विजय बहादुर के साथ गाड़ी में रखा गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। ये प्रसाद रामनवमी पर भगवान को कृष्ण की नगरी से भेंट के रूप में अयोध्या धाम में भगवान राम के मंदिर में सौंपा जाएगा।

संघ प्रमुख मोहन भागवत वृंदावन के जीवनदीप आश्रम का लोकार्पण करेंगे आज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई मंत्रियां के भी आने की संभावना

मानव, भेदी नज़र

वृंदावन। रुक्मिणी विहार में नवनिर्मित जीवनदीप आश्रम का लोकार्पण समारोह 24 मार्च को होगा। आश्रम का लोकार्पण करने को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत आ रहे हैं। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हो सकते हैं। संघ प्रमुख भागवत वृंदावन आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों ने आश्रम में पहुंचकर कार्यक्रम स्थल व प्रवेश मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था बनाने को जायजा लिया। रुक्मिणी विहार में रुड़की के संत महामंडलेश्वर यतींद्रानंद ने जीवनदीन आश्रम की स्थापना की है। इसका लोकार्पण करने को 24 मार्च को संघ प्रमुख मोहन भागवत वृंदावन आ रहे हैं।

आश्रम के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सैनी, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल व मप्र के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के आने की भी संभावना है।

एसएसपी श्लोक कुमार ने आश्रम परिसर का दौरा किया। अधिकारियों ने आश्रम में सुरक्षा व्यवस्था से लेकर तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण किया। कार्यक्रम स्थल से लेकर प्रवेश मार्ग व सुरक्षा से संबंधित स्थानों पर अधिनस्थों को उचित दिशा निर्देश दिए। आश्रम के संस्थापक महामंडलेश्वर यतींद्रानंद ने कहा आश्रम का शिलान्यास संघ के सरकार्यवाह भैयाजी जोशी ने किया था।

अब इसका लोकार्पण संघ प्रमुख मोहन भागवत करने आ रहे हैं। चूंकि मेरा जीवन संघ से जुड़ा रहा है, तो संघ मेरा परिवार है और संघ प्रमुख परिवार के मुखिया हैं। इसलिए आश्रम का लोकार्पण भी वहीं करने आ रहे हैं।

समारोह में आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि, भानुपुरापीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य ज्ञानानंद महाराज, स्वामी चिद्ंबरानंद, अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री संत जीतेंद्रानंद, चंद्रपाणी महाराज, धर्मदेव महाराज, संत भैयादास, साध्वी ऋतंभरा समेत अनेक संत मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आने की भी पूरी उम्मीद है। कार्यक्रम आने के बाद ही तय हो सकेगा।

यमुना छठ को लेकर घाटों पर चला सफाई अभियान

मानव, भेदी नज़र, मथुरा। मथुरा में 24 मार्च को मनाए जाने वाले यमुना छठ पर्व को लेकर नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शहर के प्रमुख घाटों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। नगर निगम की टीम द्वारा बंगाली घाट से लेकर गऊघाट तक व्यापक स्तर पर सफाई कार्य किया गया। इस दौरान घाटों पर जमा कूड़ा-करकट हटाया गया और श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के लिए व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यमुना छठ के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम का कहना है कि पर्व से पहले सभी घाटों को पूरी तरह स्वच्छ और व्यवस्थित कर दिया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इजराइल अमेरिका ईरान तनाव का भारत पर पड़ेगा दीर्घकालिक प्रभाव: डॉ. प्रकाश के.रे

जन सांस्कृतिक मंच, मथुरा द्वारा इजराइल अमेरिका ईरान युद्ध का भारत पर प्रभाव विषय आयोजित की गई परिचर्चा

मानव, भेदी नज़र

मथुरा। जन सांस्कृतिक मंच, मथुरा द्वारा 'इजराइल-अमेरिका-ईरान युद्ध का भारत पर प्रभाव' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय मामलों के पत्रकार डॉ. प्रकाश के. रे ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने महाविद्या कॉलोनी में स्थित एक होटल में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच उत्पन्न वर्तमान स्थिति को समझने के लिए इसके ऐतिहासिक कारणों पर ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री कार्यकाल में भी ऐसी परिस्थितियां बनी थीं, जब कच्चे तेल के दाम बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच गए थे। उस समय विपक्ष मजबूत था, जबकि आज देश का विपक्ष अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देता है, जिसका प्रभाव वर्ष 2029 तक देखने को मिल सकता है।

प्रश्नोत्तर सत्र में पूछे गए प्रश्न विश्व में मुस्लिमों के विरुद्ध ईसाई और यहूदी क्यों एकजुट हो रहे हैं के उत्तर में उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय संक्रमण काल से गुजर रही है और हम एक युगांतकारी परिवर्तन के साक्षी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मुद्रा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। चीन की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि चीन के पास अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने के लिए व्यापक उत्पादन है, जबकि भारत के पास सीमित वस्तुएं हैं।

भारत ने रूस से तेल का व्यापार रुपये में किया, लेकिन रूस के पास रुपये का बड़ा भंडार जमा हो गया, जिसे खर्च करने में कठिनाई हो रही है। अब भुगतान युआन में करने की चर्चा भी सामने आ रही है। डॉ. रे ने कहा कि कोरोना काल में भारत में लोहे की मांग लगभग समाप्त हो गई थी, जबकि चीन ने उस समय दुनिया का लगभग 75 प्रतिशत लोहा खरीदा। उन्होंने इसे एक ऐतिहासिक घटना बताया। उनके अनुसार चीन एक वर्ष में जितना लोहा और सीमेंट खपा रहा है, उतना पहले दस वर्षों में भी नहीं खपाता था। वह सोना खरीद रहा है, सबसे अधिक अनाज का उत्पादन कर रहा है और बड़ी मात्रा में खरीद भी कर रहा है।

चीन के पास बड़ा उत्पादन और बड़ा बाजार दोनों हैं, जबकि भारत उत्पादन बढ़ाने और बाजार तक पहुँचाने में अभी कमजोर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोप आक्रामक रणनीति पर चलते हैं, जबकि चीन अपेक्षाकृत रक्षात्मक नीति अपनाता है। चीन का सिद्धांत है कि सबसे अच्छा युद्ध वही है जिसे लड़ना न पड़े। साथ ही उन्होंने कहा कि दुश्मन को घेरने के बाद उसे पीछे हटने का रास्ता देना चाहिए, अन्यथा वह पूरी ताकत से मुकाबला कर सकता है। भारत सरकार की वर्तमान स्थिति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में ईरान के राष्ट्रपति की हत्या पर तीन दिन का शोक रखा गया, किंतु ईरान के सुप्रीम लीडर की मृत्यु पर मौन का कारण स्पष्ट नहीं है। इस अवसर पर मंच के अध्यक्ष राजकिशोर अग्रवाल ने कहा कि समझदार लोग कभी लड़ाई नहीं करते। उन्होंने एक कविता के माध्यम से अमेरिका इजराइल ईरान संघर्ष में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा तुम्हारे फायदे के लिए हम क्यों लड़ें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एडवोकेट गौरव अग्रवाल ने कहा कि यदि युद्ध लंबा खिंचता है तो पूरी दुनिया में तबाही का मंजर दिखाई दे सकता है, जिससे भारत की स्थिति भी प्रभावित होगी। डॉ. धर्मराज ने मुख्य वक्ता डॉ. प्रकाश के. रे का परिचय कराया। इस अवसर पर डॉ. आर.के. चतुर्वेदी, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. मिणाल, सुनील आचार्य, डॉ. अशोक बंसल, रवि सरीन, नरेश शर्मा, सतीश शर्मा, मनोज गौड़, मुकेश धनगर, सुनील शर्मा, कुलदीप कुलश्रेष्ठ, रमन लाल गुप्ता, डॉ. डी.डी. गर्ग, आशुतोष गर्ग सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रवि प्रकाश भारद्वाज ने किया।

मलिन बस्ती से निकलकर ज्ञान और संस्कृति की धरा तक पहुंचे नन्हे कदम

जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल नि:शुल्क शिक्षा केंद्र के बच्चो द्वारा शैक्षणिक भ्रमण

मानव, भेदी नज़र

मथुरा। मलिन बस्तियों में संचालित जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल (नि:शुल्क शिक्षा केंद्र) के बच्चों द्वारा आयोजित शैक्षणिक सांस्कृतिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संसाधनों की कमी और अभावों के बीच पल रहे इन मासूम बच्चों ने गोवर्धन, बरसाना, नन्दगांव एवं छटीकरा स्थित चार धाम स्थलों का दर्शन कर न केवल आस्था का अनुभव किया, बल्कि जीवन में आगे बढ़ने का नया संकल्प भी लिया। सुबह की हल्की ठंडी हवा और उत्साह से भरे चेहरों के साथ जब बच्चे यात्रा पर निकले, तो उनकी आँखों में खुशी के साथ-साथ अनगिनत सपनों की चमक साफ दिखाई दे रही थी। जिन पैरों में अक्सर चप्पल तक नहीं होती, उन्हीं पैरों ने मंदिरों की ऊंची सीढ़ियों पर हंसते चढ़ते कर दृढ़ इच्छाशक्ति और विश्वास का परिचय दिया। बरसाना की पवित्र भूमि पर राधारानी के चरणों में शीश नवाते हुए बच्चों के मन में संस्कारों की अमिट छाप अंकित हुई।

नन्दगांव में नन्दबाबा की नगरी के दर्शन कर उन्होंने जाना कि महानता का मार्ग कठिन परिस्थितियों से होकर ही गुजरता है। वहीं छटीकरा स्थित चार धाम स्थलों का भ्रमण उनके लिए देश की सांस्कृतिक एकता और धार्मिक विविधता का जीवंत पाठ बन गया। इस अवसर पर शिक्षकों एवं समाजसेवियों ने बच्चों को शिक्षा के महत्व, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक जीवन दृष्टि के बारे में प्रेरित किया।

बच्चों ने भी पूरे अनुशासन और श्रद्धा के साथ यात्रा में भाग लेकर यह सिद्ध कर दिया कि यदि सही मार्गदर्शन और अवसर मिले, तो अभावों में पलने वाले ये नन्हे दीपक भी समाज को रोशन कर सकते हैं। संस्था के अध्यक्ष सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण बच्चों के आत्मविश्वास, ज्ञान और व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। यह यात्रा समाज के लिए एक सशक्त संदेश है। गरीबी सपनों को रोक नहीं सकती, यदि शिक्षा और संस्कार का प्रकाश साथ हो। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान संस्था अध्यक्ष सतीश चंद्र शर्मा कुमारी तनु चौहान कुमारी कुमकुम राजपूत भारती राजपूत पुष्पा सिंह प्रियंका शर्मा झलक चौहान एवं दर्जनों बच्चे उपस्थित रहे।

युवा मन

रुचि पहचानकर बनें प्रोग्रामिंग लैंग्वेज विशेषज्ञ, सवांरे अपना भविष्य

आईटी सेक्टर में प्रोफेशनल्स की मांग बनी हुई है। आज भी यह सेक्टर ट्रेंड प्रोफेशनल्स की कमी से जूझ रहा है। यह जरूरी नहीं कि इस क्षेत्र में प्रवेश लेने के लिए आपके पास बड़ी-बड़ी डिग्रियां हों। वेबसाइट बनाने से लेकर कई अन्य प्रोग्राम्स बनाने में कंप्यूटर लैंग्वेज का हुनर जरूरी है। प्रोग्रामिंग लैंग्वेज सीख कर आप आईटी क्षेत्र में कैसे प्रवेश कर सकते हैं, बता रहे हैं हम....

विभिन्न सर्वेक्षणों से यह बात सामने आई है कि आईटी सेक्टर में जॉब की कोई कमी नहीं है। देश में ही नहीं, ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए विदेशों में भी नौकरी के अवसर बने हुए हैं। बस जरूरत है तो अपनी रुचि पहचान कर उसका विशेषज्ञ बनने की। अगर आप भी आईटी सेक्टर में करियर का सपना बुन रहे हैं तो आपको कुछ प्रोग्रामिंग लैंग्वेज पर मजबूत पकड़ बनानी होगी। दरअसल ये लैंग्वेज मोबाइल एप और वेबसाइट्स बनाने से लेकर डेटा एनालिसिस जैसे कई कार्यों में मददगार होती हैं।

जावास्क्रिप्ट

इस समय नए-नए व उपयोगी एप्स बनाने में जावास्क्रिप्ट की बड़ी भूमिका है। जावा और जावास्क्रिप्ट में सिर्फ नाम की ही समानता है। जावास्क्रिप्ट का इस्तेमाल वेब एप्स बनाने में किया जाता है। मॉडर्न वेब को बनाने में जावास्क्रिप्ट का इस्तेमाल बखूबी किया जा रहा है। इसका इस्तेमाल करने वालों को बस एक शिकायत रहती है कि इसकी वजह से वेबसाइट की ब्राउजिंग धीमी हो जाती है। इसके अलावा आज जावास्क्रिप्ट का इस्तेमाल वेब पेजेज में फॉर्म्स ऑथेंटिकेशन, ब्राउजर डिटेक्शन और डिजाइन इम्प्रूव करने में किया जा रहा है। आपके फेवरेट ब्राउजर क्रोम एक्सटेंशंस, एपल के सफारी एक्सटेंशंस, एडोब एक्रोबेट रीडर और एडोब क्रिएटिव सूट जैसी एप्लिकेशंस जावास्क्रिप्ट कोडिंग के बिना अधूरी हैं। मशहूर एप्स और ब्राउजर को तो आपने कई बार इस्तेमाल किया होगा, क्यों न इनके अपग्रेड हो रहे सफर में शामिल हुआ जाए।

पीएचपी

आज अधिकतर वेबसाइट्स पीएचपी पर बनाई जाती हैं। याहू, फेसबुक, वर्डप्रेस जैसी कई कंपनियों ने न सिर्फ अपनी वेबसाइट्स इसी लैंग्वेज में बनाईं, बल्कि साइट के रखरखाव में भी इसी लैंग्वेज का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप भी चाहते हैं कि ऐसी किसी बड़ी कंपनी में बतौर प्रोफेशनल जुड़ें तो लैंग्वेज की जानकारी इन कंपनियों में जॉब पाने का एक माध्यम बन सकती है। वेबसाइट्स बनाने के लिए पीएचपी बहुत ही कॉमन लैंग्वेज है। हालांकि कई प्रोग्रामर्स ऐसे भी हैं, जिन्हें प्रोग्रामिंग लैंग्वेज के तौर पर पीएचपी पसंद नहीं। हाई-स्पीडर्री स्क्रप्टंग और ऑगमेंटेड कंपाइलिंग कोड प्लगिंग्स जैसी खासियतों के चलते इस लैंग्वेज का फ्यूचर ब्राइट है। पीएचपी से जुड़े कोर्स कर लेने के बाद आप वेब डिजाइनर और वेब डेवलपर जैसे पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे। दरअसल पीएचपी सर्वर्री स्क्रप्टंग लैंग्वेज है, जिसका इस्तेमाल वेब डेवलपमेंट के साथ आम प्रोग्रामिंग लैंग्वेज में भी होता है। ओपन सोर्स होने की वजह से पीएचपी का आज 24 करोड़ से ज्यादा वेबसाइट्स और 20 लाख वेब सर्वर्स में इस्तेमाल हो रहा है। वेब डिजाइनर के रूप में आप शुरूआत में 15 हजार से 20 हजार रुपए पा सकते हैं। अनुभव के बाद अच्छी सेलरी मिलती है।

सी

सी सबसे पुरानी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज में से एक है। यहां तक कि कंप्यूटर की थोड़ी बहुत जानकारी रखने वाले के लिए भी सी जाना-पहचाना नाम है। आज भी बहुत सी आईटी कंपनियों में सी प्रोग्रामर की बहुत डिमांड है। इस लैंग्वेज को 70 के दशक में विकसित किया गया था। इसकी लोकप्रियता इतनी बढ़ी कि 1978 में द सी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज नाम की 800 पन्नों की एक किताब तक छप गई। यह किताब आज भी मशहूर है। सी लैंग्वेज को सीखने और इसमें एक्सपर्ट होने के बाद आपके लिए देश-विदेश में जॉब की कोई कमी नहीं होगी। आप इस क्षेत्र में काफी आगे तक जा सकते हैं।

जावा

आज इस लैंग्वेज का इस्तेमाल न सिर्फ कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में किया जाता है, बल्कि मोबाइल फोन आदि की एप्लिकेशन में भी इसके बगैर काम नहीं चलता। दरअसल जावा ऑब्जेक्ट-ओरिएंटेडर्री स्क्रप्टंग लैंग्वेज है। इसे क्लाइंट-साइड लैंग्वेज भी कहा जाता है, क्योंकि ईजी कमांड्स, ईजी कोड्स होने की वजह से यह क्लाइंट-साइड वेब ब्राउजर में इस्तेमाल की जाती है। जावा कोर्स करके आप वेब डेवलपर, प्रोग्रामर जैसी जॉब के लिए कोशिश कर सकते हैं। इस प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की सहायता से एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर बनाना आसान होता है। जावा एक बड़ी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज है, इसीलिए कंपनी ने इसे कई भागों में बांटा हुआ है। यानी आप बतौर प्रोग्रामर्स जिस वर्ग से संबंधित सॉफ्टवेयर का विकास करना चाहते हैं, उसी में विशेषज्ञता हासिल करें। जावा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पोर्टेबिलिटी व सुरक्षा है। आज दुनियाभर में यह सबसे लोकप्रिय प्रोग्रामिंग लैंग्वैज है। आज हर दिन नई-नई एप सामने आ रही हैं। इन एप को बनाने में जावा की अहम भूमिका होती है।

ऑब्जेक्टिव सी

सी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज काफी पुरानी और एक सफल लैंग्वेज रही है। इसी से प्रेरित होकर बाद में इससे मिलते-जुलते नाम से अन्य लैंग्वेज भी विकसित की गईं। इन्हीं में से एक है ऑब्जेक्टिव सी। सी से प्रेरित होकर बनी इस लैंग्वेज में कई नए एडवांस फीचर जोड़े गए। अगर आप चाहते हैं कि भविष्य में आईफोन के एप्स बनने में आपकी भी भूमिका हो तो यह लैंग्वेज आपके करियर को ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। दरअसल इस लैंग्वेज का इस्तेमाल आमतौर पर आईफोन की एप्स बनाने में किया जा रहा है। वैसे एपल कंपनी ऑब्जेक्टिव सी के साथ अपनी बनाई हुई लैंग्वेज का भी इस्तेमाल करती है। यूं समझें कि ऑब्जेक्टिव सी आपको एक बेहतरीन करियर देने के लिए बनी है।

पर्ल

जब भी टेक्स्ट प्रोसेसिंग की बात आती है तो पर्ल लैंग्वेज को ही याद किया जाता है। पर्ल लैंग्वेज को 80 के दशक में नासा के एक इंजीनियर ने बनाया था। बतौर प्रोग्रामिंग लैंग्वेज यह एक प्रभावशाली भाषा है। इंजीनियर्स इसे द डक्ट टेप ऑफ द वेब टैग नाम से जानते हैं। इस भाषा में प्रोग्रामिंग करना न सिर्फ आसान है, बल्कि काफी फ्लैक्सिबल भी है। पर्ल को मल्टीटास्किंग लैंग्वेज के रूप में जाना जाता है। सिस्टम प्रोग्रामिंग की कितनी ही मुश्किलें क्यों न हों, पर्ल लैंग्वेज में सभी हल हैं। इस भाषा में लिखी गई प्रोग्रामिंग पर्ल स्क्रिप्ट के रूप में जानी जाती है। पर्ल की कई खूबियां हैं, जो अपनी समकक्ष भाषाओं से बेहतर दिखती हैं। नेटवर्क एक्सपर्ट्स के लिए इस लैंग्वेज को सीखना बेहद जरूरी होता है। वहीं एक्सपर्ट्स यह भी कहते हैं कि अगर आप इस कंप्यूटर भाषा में पारंगत हो जाते हैं तो कंपनियां आपको जॉब देने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।

मिलती है अच्छी सेलरी

अगर आप फ्रेश ग्रेजुएट हैं और अपनी वर्तमान जॉब से संतुष्ट नहीं हैं तो किसी एक भाषा को सीख कर अपने करियर को रफ्तार दे सकते हैं। एप डेवलपर की औसत सैलरी जहां 35 हजार है, वहीं सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में उतरे युवाओं को शुरूआत में 30 से 35 हजार रुपए सैलरी मिल रही है। वर्तमान में सी, जावा आदि लैंग्वेज की जानकारी अधिक वेतन दिला रही है। इस क्षेत्र में बढ़ता अनुभव देश में ही नहीं, विदेश में भी अवसरों के द्वार खोलता है। इस क्षेत्र के धुरंधर डेवलपर्स के अनुभव को देखा जाए तो सभी का अनुभव 10 वर्ष से कम है।

लैंग्वेज, जिन्हें सीखना भी न भूलें

कुछ लैंग्वेज ऐसी होती हैं, जो प्रोग्रामिंग में सहायक की भूमिका निभाती हैं। इन्हीं की मदद से कुछ विशेष फीचर का इस्तेमाल किया जाता है। मुख्य लैंग्वेज के साथ इनमें से किसी को भी सीखना आपके लिए बेहतर रहेगा।

विजुअल बेसिक

विजुअल बेसिक लैंग्वेज को माइक्रोसॉफ्ट ने डेवलप किया है। विजुअल बेसिक लैंग्वेज प्रोग्रामिंग को आसान करती है। इसमें ग्राफिक एलिमेंट दिया गया है, जिसे ड्रैग और ड्रॉप करके प्रोग्रामर प्रोग्राम में कुछ बदलाव कर सकता है।

हाथों की खूबसूरती बनाए रखने के ये 6 नुस्खे

नारी संसार

त्वचा को जवां बनाने और निखारने की बात करते हैं तो अपने हाथों को भूल जाते हैं। जबकि देखभाल की सबसे ज्यादा जरूरत हमारे हाथों को होती है, क्योंकि इन पर धूप का प्रभाव सबसे ज्यादा पडता है। इसके अलावा घरेलू कामकाज के दौरान भी हार्ड केमिकल्स का इन पर बहुत प्रभाव पडता है। अगर इनकी ठीक प्रकार से देखभाल की जाए, तो आपके हाथ लम्बे समय तक जवां और खूबसूरत बने रहेंगे।

-बढती एज की निशनियां

-अपने हाथों पर गौर करें।

-हाथों की स्किन का ढीला हा कर लडक जाना।

-हाथों की नसों का दिखायी देना।

-हथेलियों का हर समय रूखा-सूखा रहना।

हाथों की खूबसूरती बनाएं रखें:-

1. दिनभर घर का काम करने से हाथों का मॉइश्चर खत्म हो जाता है और वे खुरदरे हो जाते हैं। बदलते मौसम में शुष्क हवाओं के असर भी हाथ रूखे हो जाते हैं। पानी में काम करने के बाद और सुबह नहाने के बाद अच्छा अब्जॉर्बिंग लोशन लगाएं। रात में थोडा हेवी और क्रीम बेस्ड मॉइश्चराइजर लगाएं, ताकि क्रीम हाथों में अच्छी तरह से जज्ब हो आए।

2. धूप और धूल के प्रभाव से हाथों में पिगमेंटेशन और टैनिंग भी हो जाती है। इन्हें दूर करने के लिए स्क्रब करके पैक लगाएं। हाथों की ब्लीचिंग भी की जा सकती है।

3. स्क्रबिंग के लिए होममेड स्क्रब जैसे चीनी और बेसन का यूज करें और ताजे फलों का पैक लगाएं। चीनी से सक्रब करने के लिए हथेलियों को गीला करके थोडी सी चीनी लें और तब तक हाथों की मसाज करें जब तक चीनी घुल ना जाए। फिर साफ पानी से हाथ धो लें। इसी तरह 1 चम्मच बेसन में थोडा नींबू का रस, हल्दी और कच्चाा दूध या मलाई मिलाएं। इसे हाथों पर लगा कर स्क्रब करें।

4. सनस्क्रीन ना सिर्फ आपके चेहरे के लिए, बल्कि बॉडी के उन सभी पार्ट्स के लिए जरूरी है, जो सीधे धूप के सम्पर्क में आते हैं। घर से बाहर निकलते समय 15 मिनट पहले चेहरे के साथ-साथ हाथों पर भी सनस्क्रीन लगाएं।

5. नाखूनों के क्यूटिकल्स की भी देखभाल करें। हाथ रूखें हो जाने पर क्यूटिकल्स निकल आते हैं, जिनसे हो कर गंदगी और बैक्टीरिया हमारे शरीर में घुस जाते हैं। हाथ धोने के बाद शिया बटर युक्त मॉइश्चराइजर लगाएं। चाहें, तो नाखूनें के बेस पर थोडा सा लिप बाम भी लगा सकती हैं।

6. हटाए झुर्रियां हाथों में आयी झुर्रियां आपको अपने हाथ छिपाने के लिए मजबूर ना करें इके लिए जरूरी है कि हैंड रिजूविनेशन ट्रीटमेंट अपनाया जाए। डर्मा फिल्र्स जैसे ज्यूवडर्म इसके लिए बेहद करागर उपचार है। इस ट्रीटमेंट में हाइएल्यूरोनिक एसिड जैल का इस्तेमाल किया जाता है। यह हमारी स्किन का एक कुरती तत्व है, जो स्किन को वॉल्यूम देता है। इस ट्रीटमेंट के बाद हाथ भरे-भरे दिखते हैं, स्किन का टेक्सचर बेहतर होता है और स्किन में कोलेजन बन कर स्किन में कसाव आता है। हाथों की झुर्रियां हटाने के लिए भी यह अच्छा ट्रीटमेंट है।

फूल भी करते हैं दवा का काम, इन रोगों में ये हैं रामबाण

सेहत

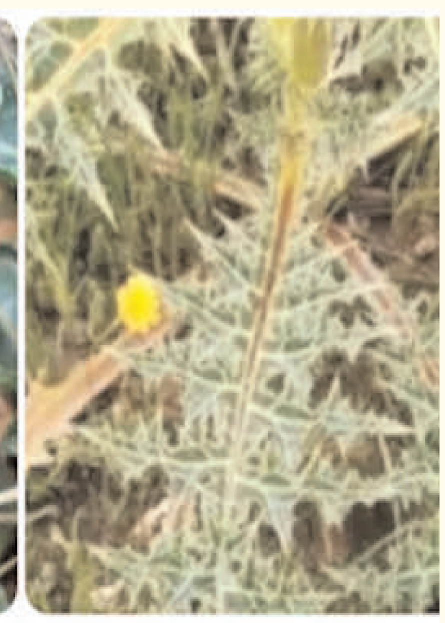

फूलों की खूशबू और उनकी सुंदरता तो हम सभी का मन मोह लेती है, लेकिन क्या आप जानते है कि हम फूलों को भी खा सकते हैं। खाने में फूलों का उपयोग भले ही हम सीधे न कर पाएं, लेकिन सही पर फूलों का इस्तेमाल हम कई चीजें में करते हैं, फिर चाहे वह खाना हो या सलाद।

हजारो सालों से हम फूलों कि सुंदरता को देखते और महक का आनंद लेते आए हैं। उनके इन्हीं रंगों में उनकी बहुत सारी खूबियां छिपी हुई हैं। अभी तक अधिकांश लोग यही जानते थे कि फूलों का उपयोग सिर्फ इत्र बनाने में होता है,तो आइए जाने कुछ ऐसे ही फूलों को जो हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाते हैं।

लैवेंडर फूल-इन खुशबूदार फूलों का इस्तेमाल आइस्क्रीम और दही में किया जाता है। इसका इस्तेमाल एंटीसेप्टिक और बालों की रूसी को रोकने में भी होता है।

गुलदाउदी-कैमोमाइल की तरह ही गुलदाउदी का चाय में इस्तेमाल होता है। गुलदाउदी में एंटी ऑक्सीडेंट और मिनरल्स के अलावा एंटी इन्फ्लेमेटरी, एंटी-कार्सनोजेनिक गुण भी पाए जाते हैं।

बबूने का फूल (कैमोमाइल)-यह फूल आपको शान्त रखने में मदद करता है, इसीलिए इसका इस्तेमाल चाय में किया जाते है। इसमें एंटीइनफ्लेमेटरी, एंटी-कार्सनोजेनिक और घाव भरने के गुण पाए जाते हैं।

गुडहल के फूल-इन फूलों का इस्तेमाल सलाद को गार्निश करने के लिए होता है, इसके अलावा चाय में भी गुड़हल के फूलों का इस्तेमाल होता है। इनमें भरपूर मात्रा में एंटी-आक्सीडेंट पाए जाते हैं जो लो-ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं।

एप्पल और ऑरेंज के फूल-ये दोनों फूल सबसे ज्यादा खाए जाते हैं, इन्हें खाने से कई रोग दूर होते हैं। इसके बारे में कुछ ही लोग जानते हैं, लेकिन इनका उपयोग कम मात्रा में करना चाहिए।

तकनीक

सलामत रहें फोन के कंटैक्ट्स

आपके सामने भी कभी इस तरह की स्थिति आई होगी कि आपको अपने जानने वालों से कहना पड़ा हो, मेरा फोन खो गया है... या फिर चोरी हो गया है, आपके पास फलां व्यक्ति का नंबर है क्या... या फिर सोशल साइट्स पर भी इस तरह के पोस्ट देखे जा सकते हैं कि मेरा कंटैक्ट खो गया है आप अपना नंबर शेयर कीजिए...। ऐसे में कई बार लगता है कि अगर कंटैक्ट्स का बैकअप होता, तो इस तरह की समस्या से दो-चार नहीं होना पड़ता। अपने स्मार्टफोन के कंटैक्टस का आप इन तरीकों से बैकअप ले सकते हैं...

एंड्रायड फोन

सुपर बैकअपः अगर आपके पास एंड्रायड फोन है, तो कंटैक्ट्स बैकअप के लिए सुपर बैकअप एप्लीकेशन का उपयोग कर सकते हैं। इसे यूज करना काफी आसान है। यह कंटैक्ट्स के साथ एसएमएस बैकअप की भी सुविधा देता है। कंटैक्ट्स फोन के इंटरनल स्टोरेज में बैकअप बनता रहता है। आप इसे गूगल ड्राइव में सेव करने के लिए ऑटोमैटिकक अपडेट के ऑप्शन को चुन सकते हैं। अगर आप गूगल कंटैक्ट अपडेट के ऑप्शन को चुनते हैं तो नियमित तौर पर बैकअप बनता रहेगा। हालांकि एप का फ्री वर्जन एड सपोर्टेड है, लेकिन अगर आप एड नहीं चाहते हैं, तो सुपर बैकअप प्रो को परचेज कर सकते हैं।

आइओएस

माइ कंटैक्ट्स बैकअप प्रोः यह एप्लिकेशन आइओएस डिवाइस यूजर्स के लिए है। इसमें बैकअप व री-स्टोरेशन की आसान सुविधाएं हैं। साथ ही, यह आपके कंटैक्ट्स बैकअप को इमेल एड्रेस पर भी भेजने की सुविधा देता है। फिर आप चाहें, तो उसे ड्रॉपबॉक्स पर भी सेव कर सकते हैं। यहां आप कंटैक्ट्स को वाइ-फाइ के जरिए ब्राउजर पर मैनेज करने के अलावा, रेग्युलर बैकअप और रिमूव का रिमाइंडर भी सेट कर सकते हैं। इस एप्लिकेशन को एपल के एप स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।

विंडोज फोन

कंटैक्ट्स व मैसेज बैकअपः इस एप्लिकेशन के जरिए विंडोज 8.1 यूजर्स अपने कंटैक्ट्स बैकअप के साथ एसएमएस और एसएमएस का बैकअप एसडी कार्ड में ले सकते हैं। हालांकि विंडोज फोन में क्लाउड-बेस्ड बैकअप फंक्शैनलिटी इन-बिल्ट होता है, लेकिन लोकल बैकअप से फायदा यह है कि आप फोन को तेजी से रिस्टोर कर सते हैं।

अगर फोन में कंटैक्ट्स और मैसेज का बड़ा डाटाबेस है और नये फोन में बैकअप लेना चाहतें हैं, तो इस एप्लिकेशन के जरिए क्लाउड स्टोरेज की तुलना में ज्यादा तेजी से फोन में कंटैक्ट बैकअप और मैसेज को रिस्टोर किया जा सकता है। हालांकि इस एप्लिकेशन के लिए आपको माइक्रोएसडी कार्ड की जरूरत पड़ेगी। यह आपके एसडी कार्ड में बैकअप रिस्टोर का फोल्डर बना देगा। यहां कंटैक्ट्स वीसीएफ फॉर्मेट में स्टोर होता है और मैसेज एक्सएमएल फॉर्मेट में।

सैर-सपाटा

सिक्किम की धड़कन है गंगटोक

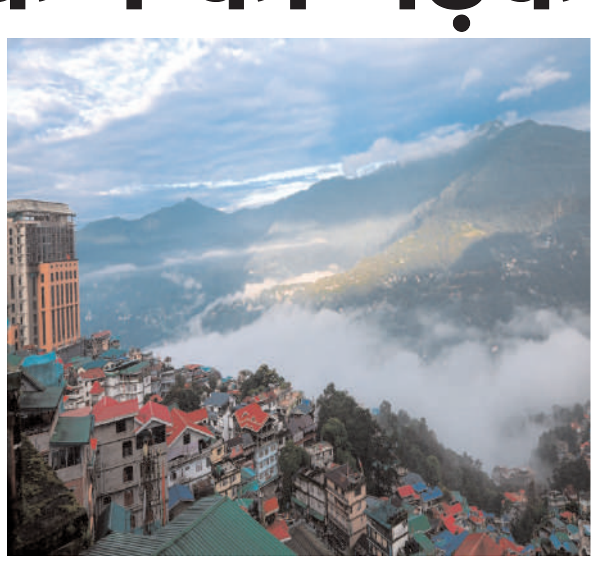

गंगटोक का शहर सिक्किम राज्य में सबसे बड़ा शहर है। पूर्वी हिमालय रेंज में शिवालिक पहाड़ियों के ऊपर 1437 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गंगटोक सिक्किम जाने वाले पर्यटकों के बीच एक प्रमुख आकर्षण है। साल 1840 में एनचेय नाम के मठ के निर्माण के बाद, गंगटोक शहर प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थल के रूप में लोकप्रिय होना भी शुरू हो गया।

18वीं सदी के बाद से सिक्किम में गंगटोक एक महत्वपूर्ण शहर के रूप में बना हुआ है। वर्ष 1894 के दौरान उस समय के सत्तारूढ़ सिक्किम चोग्याल, थुटोब नामग्याल ने सिक्किम को राजधानी के रूप में घोषित किया, 1947 में भारतीय स्वतंत्रता के बाद गंगटोक की राजधानी होने के साथ-साथ सिक्किम एक स्वतंत्र राजशाही के रूप में भी कार्य करता रहा।

बाद में, वर्ष 1975 के दौरान भारत के साथ मिलकर अपने समाकलन के बाद, गंगटोक को देश की 22 वीं राज्य की राजधानी घोषित किया गया था। और आज, सिक्किम कई रोचक बातों के लिये गौरव रखता है- पूर्वी सिक्किम का मुख्यीलय और सिक्किम पर्यटन का मुख्य आधार तिब्बेती बौद्ध संस्कृदति को सीखने का मुख्यी केंद्र है, क्योंसकि यहां विभिन्नय मठ, धार्मिक शिक्षा केंद्र और तिब्बोतशास्त्रो केंद्र हैं।

गंगटोक का इतिहास...

सिक्किम राज्य में, लोकप्रिय शहरों सहित ज्यादातर शहरों के पास उचित ऐतिहासिक जानकारी की कमी है। और ऐसा ही है गंगटोक। शहर के इतिहास के बारे में ज्यादा कुछ ज्ञात नहीं है। हालांकि, पहले के रिकॉर्ड की तिथि जो गंगटोक के अस्तित्व के बारे में बात करती है वो 1716 का साल है। उस साल हर्मिटिक गंगटोक मठ का निर्माण हुआ था। और जब तक शहर में प्रसिद्ध एंचेय मठ का निर्माण हुआ, गंगटोक काफी अनन्वेषित था। हालांकि, वर्ष 1894 में इस जगह को सिक्किम की राजधानी घोषित किये जाने के साथ इसका महत्व बढ़ना शुरू हुआ। गंगटोक में कुछ आपदायें और भूस्खलन देखे गये, जिनमें से एक सबसे बड़ा 1977 में हुआ था। उसमें करीब 38 लोग मारे गए और कई इमारतें नष्ट हो गयीं थीं। शहर ओग गंगटोक पहाड़ी के एक तरफ स्थितहै।

भूगोल

गंगटोक तस्वीरें, नामग्याल तिब्बलतशास्त्रे संस्थान-बुद्ध की प्रतिमा 1676 मीटर की ऊंचाई पर स्थित, गंगटोक निचले हिमालय में पाया जाता है। शहर 27.33 ट उत्तसर 88.62 ट पूर्व पर स्थित है और पहाड़ी के किनारे पर एक छोर पर राज्यपाल के निवास और अन्य पर एक महल स्थित है। गंगटोक के पूर्व और पश्चिम की ओर क्रमशः रोरो चू और रानी खोला झरने बहते हैं। ये धारायें रानीपुल से मिलती हैं जो आगे दक्षिण में बहती हैं।

गंगटोक में, ढलानें भूस्खलन के प्रति संवेदनशील हैं, इसके साथ ही साथ से सिक्किम के अन्य भागों में प्रीकैम्ब्रियान चट्टानों में बेलबूटेदार फाईलाइट और सिस्टै होते हैं। और प्राकृतिक नदियों और मानवनिर्मित झरनों में जल प्रवाह भुस्खालन के खतरे को बढ़ाते हैं। दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी माउंट कंचनजंगा गंगटोक के पश्चिमी ओर से देखी जा सकती है। शहर में जलवायु पर्यटक घूमने के लिये साल में कभी भी गंगटोक को चुन सकते हैं, क्योंरकि यहां की जलवायु साल भर तक खुशनुमा रहती है। शहर में मानसून प्रभावित उपोष्णकटिबंधीय जलवायु है और गर्मी, सर्दी, मानसून, शरद ऋतु और वसंत के मौसम वैसे ही हैं, जैसे अधिकांश अन्य शहरों में हैं। सर्दियों में यहां बहुत ठंड होती है 1990, 2004, 2005, और 2011 में इस जगह पर बर्फबारी भी हुई थी। मॉनसून और सर्दियों में मौसम कोहरे से भरा रहता है।

कविता

प्रेम भरी पाती

जयंत साहा

मुझे माफ करना
मैं सहेजकर नहीं रख पाया
तुम्हारे प्रेम भरी पातियों को
नौकरी दर नौकरी, शहर दर
शहर
मकान बदलते.बदलते
मेरा सामान न जाने कहां.कहां
बिखर गया
मैं कई हिस्सों में बंटा हुआ हूं
इन दिनों
पहले जब फूल खिलते थे
तुम याद आ जाते थे अचानक
ही जब कहीं चांद निकलता था
बादलों की ओट से
तुम्हारा खिलखिलाता चेहरा
होता था मेरी जेहन में
जब कहीं नदी बहती थी
तुम्हारे पायलों की मीठी
रुन.झुन गूंजने लगती थी
अंतर्मन में
मैं कभी चुप रहकर भी तुम्हें
महसूस कर लिया करता था
और आज चीख चीखकर
तुम्हें याद करने की कोशिश
कर रहा हूं
मुझे माफ करना
मैं निकला था चंद पैसे से
तुम्हारे लिए सपने खरीदने
मैं निकला था शाम तलक
लौट आने का वादा करके
मगर कितनी शाम गुजर गई
बॉस की घुड़कियां सुनते.सुनते
मुझे माफ करना
मशीन के बीच रह रहकर
मेरा पुर्जा.पुर्जा भी हो गया
यंत्रों की तरह
जो कभी तुम्हारी एक आवाज
से जाग जाया करता था
आजकल पांच.दस अलार्म के
बिना उसकी
नींद नहीं टूटती
मुझे माफ करना
मैं हार्ड या साफ्ट कॉपी में
बॉस या ऑफिस की
अननेसेसरी फाईलों की तरह
तुम्हारे हाथ से लिखी हुई प्रेम
भरी पातियों को
सहेजकर नहीं रख पाया।

महाराष्ट्र में रेस्तरां व भोजनालयों को पीएनजी की आपूर्ति 20 प्रतिशत बढ़ाई

मुंबई, (वेब वार्ता)। महाराष्ट्र में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पाइप से मुहैया कराई जाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की आपूर्ति 20 प्रतिशत बढ़ा दी गई है। राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने यह जानकारी दी और कहा कि इससे रेस्तरां एवं भोजनालयों को राहत मिलेगी। मंत्री ने रविवार को कहा कि सरकार ने कारोबारियों के लिए पीएनजी वितरण में ढील देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा,23 मार्च से अगले आदेश तक व्यावसायिक पीएनजी आपूर्ति में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही व्यावसायिक क्षेत्र के लिए आपूर्ति बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाएगी।

पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद व्यावसायिक गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई जिससे रेस्तरां और भोजनालयों पर असर पड़ा। गैस आपूर्ति बाधित होने के कारण कई खानपान केंद्रों को अपना संचालन अस्थाई रूप से बंद करना पड़ा। भुजबल ने कहा कि संकट शुरू होने के बाद व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पीएनजी आपूर्ति पहले 20 प्रतिशत तक बढ़ाई गई थीं इसके बाद इसमें 10 प्रतिशत की और वृद्धि की गई। अब आपूर्ति में अतिरिक्त 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। होटल उद्योग की ओर से रेस्तरां और भोजनालयों को गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की जा रही थी। भुजबल ने पहले कहा था कि घरेलू उपयोग को प्राथमिकता देने संबंधी केंद्र सरकार की सलाह के बाद होटल मालिकों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर राज्य सरकार विचार करेगी।

ग्लोबल मार्केट से जबरदस्त कमजोरी के संकेत

एशिया में भी चौतरफा बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के और बढ़ जाने तथा स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से ऑयल टैंकर्स की आवाजाही को लेकर बनी असमंजस की स्थिति के कारण ग्लोबल मार्केट में दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दो प्रतिशत तक की गिरावट का शिकार हो गए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार भी आज बड़ी गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल होने की आशंका की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान डर का माहौल बना रहा। इस डर के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 100.01 अंक यानी 1.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,506.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह नैस्डेक ने 443.08 अंक यानी 2.01 प्रतिशत टूट कर 21,647.61 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.17 प्रतिशत फिसल कर 45,504.02 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 145.17 अंक यानी 1.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 9,918.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 142.25 अंक यानी 1.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,665.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 459.37 अंक यानी 2.05 प्रतिशत लुढ़क कर 22,380.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशिया में भी आज चौतरफा गिरावट के साथ कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। इंडोनेशिया के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी 430.50 अंक यानी 1.86 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,706 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.87 प्रतिशत टूट कर 1,406.22 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट नजर आ रही है।

फिलहाल यह सूचकांक 337.97 अंक यानी 5.85 प्रतिशत लुढ़क कर 5,443.23 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 2,087.53 अंक यानी 3.91 प्रतिशत फिसल कर 51,285 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 869.32 अंक यानी 3.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,408 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 927.45 अंक यानी 2.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 32,616.43 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 98.87 अंक यानी 2.50 प्रतिशत टूट कर 3,858.18 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 108.88 अंक यानी 2.20 प्रतिशत फिसल कर 4,839.99 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण औंधे मुंह गिरा रुपया

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारतीय मुद्रा रुपये की कमजोरी लगातार बढ़ती जा रही है। आज भारतीय मुद्रा ने एक बार फिर ऑल टाइम लो का नया रिकॉर्ड बनाया। कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी, ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट में हुई बढ़ोतरी, डॉलर की मजबूती और विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार में अंधाधुंध तरीके से बिकवाली कर अपना पैसा निकालने की वजह से रुपये पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

इसी दबाव की वजह से इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा डॉलर की तुलना में 93.95 रुपये प्रति डॉलर के अभी तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। हालांकि इसके बाद इसकी स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ, जिसके कारण सुबह 10:30 बजे भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 93.92 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रही थी। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 93.71 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरूआत भी गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की कमजोरी के साथ 93.83 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरूआत की थी।

आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपये की स्थिति में मामूली सुधार भी आया, जिससे ये 93.79 के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों ने लगातार बिकवाली कर अपने पैसे की निकासी शुरू कर दी, जिससे मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग तेज हो गई। ऐसा होने पर रुपये की कीमत भी तेजी से लुढ़कने लगी। थोड़ी देर में ही भारतीय मुद्रा फिसल कर अभी तक के सबसे निचले स्तर 93.95 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक आ गई।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

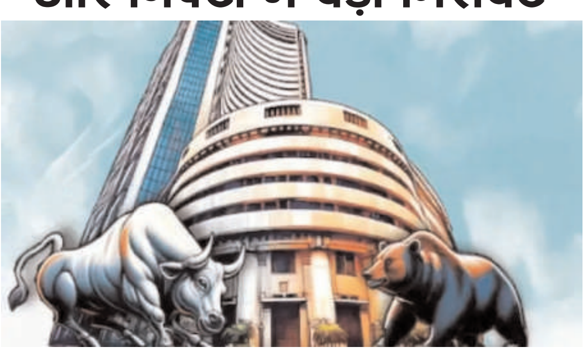

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। सप्ताह के पहले दिन ही घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान बड़ी गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही मार्केट में बने निगेटिव सेंटीमेंट्स की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी और बढ़ गई। हालांकि थोड़ी देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की भी कोशिश की, लेकिन उनकी इस कोशिश से भी बाजार पर ज्यादा असर नहीं पड़ सका। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 2.22 प्रतिशत और निफ्टी 2.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी के शेयर 0.87 प्रतिशत, टीसीएस के शेयर 0.18 प्रतिशत और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टाटा स्टील, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, श्रीराम फाइनेंस, जेएसडब्ल्यू स्टील और एचडीएफसी लाइफ के शेयर 4.18 प्रतिशत से लेकर 2.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,781 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 240 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,541 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से तीन शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 27 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से तीन शेयर हरे निशान में और 47 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 800.38 अंक की कमजोरी के साथ 73,732.58 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत में ही यह सूचकांक 1,555.62 अंक की गिरावट के साथ 72,977.34 अंक के स्तर तक आ गया। इस जोरदार गिरावट के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स की स्थिति में सुधार होता हुआ नजर आने लगा। हालांकि ये खरीदारी अधिक देर तक नहीं टिक सकी। पहले बीस मिनट के कारोबार के बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक दोबारा लुढ़कने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1,653.28 अंक टूट कर 72,879.68 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 290.15 अंक लुढ़क कर 22,824.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही निगेटिव सेंटीमेंट्स के कारण यह सूचकांक 22,634.55 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की, जिससे निफ्टी की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ और पहले बीस मिनट में ही ये सूचकांक 22,741.35 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण इस सूचकांक की कमजोरी दोबार बढ़ने लगी। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 519.05 अंक की गिरावट के साथ 22,595.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 325.70 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ 74,532.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 112.35 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की उछाल के साथ 23,114.50 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

ट्रंप के ईरान पर सैन्य कार्रवाई टालने के बाद टूटा कच्चा तेल , कीमतें 15 प्रतिशत तक फिसलीं

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

पश्चिम एशिया में चल रहे गंभीर भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक ऊर्जा बाजारों से एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से ईरान के ऊर्जा संयंत्रों और बुनियादी ढांचे पर प्रस्तावित सैन्य हमलों को टालने के आदेश के बाद, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इस बड़े कूटनीतिक कदम से तेल बाजार में बिकवाली का दौर शुरू हो गया, जिससे कीमतें अपने हालिया उच्चतम स्तरों से काफी नीचे आ गई हैं।

बाजार के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका के इस फैसले के बाद तेल की कीमतों में 13 प्रतिशत से अधिक की कुल गिरावट देखी गई है। बाजार में इस डी-एस्केलेशन (तनाव में कमी) का सीधा असर दोनों प्रमुख तेल बेंचमार्क पर पड़ा है वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा में लगभग 17 डॉलर यानी 15 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे यह 96 डॉलर प्रति बैरल के सत्र के निचले स्तर पर आ गया

डब्ल्यूटीआई क्रूडः इसी तर्ज पर, अमेरिकी बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) में भी भारी बिकवाली देखी गई। यह 13 डॉलर या लगभग 13.5 प्रतिशत टूटकर 85.28 डॉलर प्रति बैरल के सत्र के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस तेज गिरावट को समझने के लिए बाजार के हालिया रुझानों पर गौर करना जरूरी है।

स्थिति चुनौतीपूर्ण लेकिन सरकार पर विश्वासः सीआईआई

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण भारत में भी स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है, लेकिन सरकार द्वारा किया जा रहे प्रयासों के कारण देश इन झटकों से उबरने में कामयाब रहेगा। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने आज एक बयान जारी कर कहा कि भारत मूकदर्शक बनकर नहीं बैठा है, बल्कि अपने ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता ले रहा है और रोजगार की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर रहा है।

सरकार ने इन परिस्थितियों में उद्योगों को मदद देने के लिए कई उपाय किये हैं। खाड़ी क्षेत्र में भारतीय नागरिकों के लिए सरकार निरंतर दूतावासों के माध्यम से सहायता मुहैया करा रही है। श्री बनर्जी ने कहा, हालांकि स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है, हमें विश्वास है कि सरकार का समग्र दृष्टिकोण और सभी हितधारकों के साथ उसकी साझेदारी-आधारित सहभागिता देश को इस झटके से उबरने और अपनी आर्थिक प्रगति को बनाये रखने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि चुनौती बड़ी है और सीआईआई सरकार और उद्योग के साथ मिलकर आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों की निगरानी, कच्चे माल और मध्यवर्ती उत्पादों की कमी को दूर करने का काम जारी रखे हुए है।

चांदी के वायदा भाव में नौ प्रतिशत की भारी गिरावट

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। वायदा कारोबार में चांदी की कीमत सोमवार को 20,409 रुपये की भारी गिरावट के साथ 2.06 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। कमजोर वैश्विक रुझानों और लगातार बिकवाली के कारण कीमतों में यह गिरावट आई। मल्टी कमोडिटी एक्स्चेंज (एमसीएक्स) में चांदी के मई महीने में आपूर्ति वाले अनुबंध की कीमत 20,409 रुपये यानी नौ प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,06,363 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। विश्लेषकों का कहना है कि व्यापक आर्थिक कारकों के भारी दबाव से चांदी की कीमतों में भारी गिरावट आई है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के जिंस अनुसंधान के प्रमुख हरीश वी. ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद, आर्थिक दबावों से सोमवार को चांदी की कीमतों में भारी गिरावट आई है।

एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार से निकाले 1,05,316 करोड़ रुपये

मुंबई,(वेब वार्ता)। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च के पहले तीन सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से शुद्ध रूप से 1,05,316 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले निवेशक फरवरी में शुद्ध रूप से लिवाल रहे थे, यानी उन्होंने जितना पैसा लगाया था उससे कम निकाला था। एफपीआई ने मार्च में इक्विटी में अपना निवेश 88,180 करोड़ रुपये घटा दिया जो दिखाता है कि भारतीय शेयरों में अभी उनका विश्वास नहीं है। डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश नकारात्मक रहा है। डेट में उन्होंने शुद्ध रूप से 13,754 करोड़ रुपये और हाइब्रिड में 471 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। म्यूचुअल फंड में उनका निवेश 2,911.27 करोड़ रुपये कम हुआ। इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार में 37,847 करोड़ रुपये लगाये थे।

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रहे

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच पेट्रोल और डीजल के दाम सोमवार को स्थिर बने रहे।

देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में आज पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये और डीजल की 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। पेट्रोल-डीजल के दाम में 30 अक्टूबर 2024 के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है।

इंडियन ऑयल के प्रीमियम पेट्रोल एक्सपी95 का मूल्य 20 मार्च को दो रुपये बढ़ाया गया था। दिल्ली में इसकी कीमत अब 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इंडियन ऑयल के प्रीमियम डीजल एक्सजी का मूल्य 91.49 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर है।

मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.54 रुपये, चेन्नई में 100.84 रुपये और कोलकाता में 105.45 रुपये प्रति लीटर है। डीजल मुंबई में 90.03 रुपये, चेन्नई में 92.39 रुपये और कोलकाता में 92.02 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

कच्चे तेल की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल के पार जाने के अलावा रुपये में लगातार जारी गिरावट से भी तेल विपणन कंपनियों पर दाम बढ़ाने का दबाव है। हालांकि फिलहाल वे ग्राहकों पर ज्यादा भार नहीं देना चाह रही हैं।

धमकियों से नहीं डरेगा ईरान, हमें व्यापार की पूरी आजादी चाहिए : विदेश मंत्री अराघची

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिका और इजरायल पर बड़ा निशाना साधा है। अराघची ने स्पष्ट किया कि ईरान ने इस सामरिक समुद्री मार्ग को बंद नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जहाजों की आवाजाही में आ रही कमी का मुख्य कारण बीमा कंपनियों में व्याप्त युद्ध का भय है, जिसकी वजह से शिपिंग कंपनियां इस क्षेत्र से गुजरने में संकोच कर रही हैं।

अराघची ने इस स्थिति के लिए सीधे तौर पर अमेरिका और इजरायल की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका और इजरायल पर युद्ध शुरू करने का आरोप लगाते हुए कहा, होर्मुज स्ट्रेट बंद नहीं हुई है। शिपिंग कंपनियां इसलिए हिचकिचा रही हैं क्योंकि बीमा कंपनियों को उस युद्ध का डर है जो ईरान ने नहीं, बल्कि आपने ही शुरू किया है। कोई भी बीमा कंपनी और कोई भी ईरानी और धमकियों से नहीं घबराएगा। सम्मान करने की कोशिश करें।

समुद्र में जहाजों के आने-जाने की आजादी तभी संभव है जब व्यापार करने की आजादी हो। अगर आप इन दोनों का सम्मान नहीं करेंगे, तो आपको दोनों में से कुछ भी नहीं मिलेगा। इजरायली डिफेंस फोर्स का कहना है कि उसने तेहरान में बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू किए हैं, जिनका निशाना ईरान के आतंकवादी शासन का इंफ्रास्ट्रक्चर है। ईरानी मीडिया के अनुसार, ईरान की राजधानी तेहरान में हुए धमाकों की आवाज बहुत ज्यादा है।

फार्स न्यूज एजेंसी ने तेहरान के पांच इलाकों में धमाकों की भयानक आवाजें आने की खबर दी। ईरानी मीडिया ने कहा कि हमले एरिया 1, 4, 11, 13 और 21 में हुए और कितना नुकसान हुआ और कितने लोग मारे जा सकते हैं, इसकी घोषणा बाद में की जाएगी। वहीं ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम शहर के पूर्वी हिस्से में एक्टिवेट हो गए हैं।

सोने का वायदा भाव 8,089 रुपये टूटकर 1.36 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। वायदा कारोबार में सोने की कीमतें सोमवार को 8,089 रुपये टूटकर 1.36 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। वैश्विक स्तर पर बिकवाली, बढ़ती मुद्रास्फीति की आशंकाओं और मजबूत अमेरिकी डॉलर के बीच वायदा कारोबार में सोने की कीमतों में भारी गिरावट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अप्रैल में आपूर्ति वाले सोने के अनुबंधों का भाव 8,089 रुपये या 5.6 प्रतिशत घटकर 1,36,403 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया।

सोना पिछले सप्ताह 13,974 रुपये यानी 8.82 प्रतिशत टूटकर करीब 1.44 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। विश्लेषकों का कहना है कि कीमती धातु की शुरूआत तेज गिरावट के साथ हुई और लगातार चौथे सप्ताह भी इसमें गिरावट जारी रहने के आसार हैं। चॉइस ब्रोकिंग के जिंस एवं मुद्रा विश्लेषक आमिर मकदा ने कहा कि सोमवार को सोने की शुरूआत भी गिरावट के साथ हुई। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण मुद्रास्फीति की आशंकाओं और निकट भविष्य में ब्याज दरों में वृद्धि की अटकलों के बीच लगातार चौथे सप्ताह भी इसमें गिरावट जारी रहने के आसार हैं।

बैंकिंग सिस्टम में डाली 79,256 करोड़ की नकदी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में बैंकिंग प्रणाली में तरलता को प्रबंधित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक ने एक रात की अवधि वाली वेरिएबल रेट रेपो (वीआआर) नीलामी के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली में 79,256 करोड़ की अतिरिक्त नकदी डाली है। यह कदम बैंकिंग क्षेत्र में तरलता की कमी को दूर करने और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

वेरिएबल रेट रेपो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक मौद्रिक नीति उपकरण है। इसके माध्यम से आरबीआई, बैंकों को अल्पकालिक ऋण प्रदान करता है। इस प्रक्रिया में, बैंक सरकारी प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर फइक से नकदी उधार लेते हैं। इस नीलामी की खासियत यह है कि इसमें ब्याज दर निश्चित नहीं होती, बल्कि यह बाजार की मांग और आपूर्ति के आधार पर तय होती है, जिसे 'कट-ऑफ' और 'भारित औसत दर' कहा जाता है।

हालिया वीआरआर नीलामी में, आरबीआई ने 79,256 करोड़ की राशि इंजेक्ट की। यह राशि 1 लाख करोड़ के अधिसूचित राशि से काफी कम थी। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल के दिनों में बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष तरलता में तेज गिरावट देखी गई है, जिसका एक मुख्य कारण अग्रिम कर का भुगतान है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 23 मार्च तक बैंकिंग प्रणाली में लगभग 65,395.64 करोड़ की तरलता की कमी का अनुमान लगाया गया था।

स्टॉक मार्केट में इनोविजन की कमजोर लिस्टिंग

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

टोल मैनेजमेंट और मैनपावर सर्विस देने वाली कंपनी इनोविजन के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 519 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 466 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 467.70 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह लिस्टिंग के साथ ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को लगभग 10 प्रतिशत का नुकसान हो गया।

कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से इस शेयर में और गिरावट आ गई, जिसके कारण सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 384.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों 134.20 रुपये प्रति शेयर यानी 25.86 प्रतिशत का नुकसान हो चुका था। इनोविजन का आईपीओ 10 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। पहले इसकी क्लोजिंग की तारीख 12 मार्च और लिस्टिंग की तारीख 17 मार्च तय की गई थी, लेकिन 12 मार्च तक काफी कम सब्सक्रिप्शन आने के कारण क्लोजिंग को बढ़ा कर 17 मार्च और लिस्टिंग की तारीख को बढ़ा कर 20 मार्च कर दिया गया।

इसके साथ ही इनवेस्टर्स को आकर्षित करने के लिए कंपनी ने आईपीओ के प्राइस बैंड और इश्यू साइज में भी बदलाव किया। इस इश्यू के लिए पहले तय 521 रुपये से लेकर 548 रुपये प्रति शेयर के प्राइस बैंड को बदल कर 494 रुपये से लेकर 519 रुपये प्रति शेयर कर दिया गया। क्लोजिंग की तारीख बढ़ाने और इश्यू के प्राइस बैंड को कम करने के बाद भी इनवेस्टर्स की ओर से इस इश्यू को एवरेज रिस्पॉन्स ही मिल सका, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.46 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 14.30 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 8.60 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.60 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 58,91,284 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें 255 करोड़ रुपये के 46,53,284 नए शेयर और 68 करोड़ रुपये के 12,38,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं।

आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 8.88 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

इंडियन ओपन 2026: अभय सिंह और अनाहत सिंह बने चैंपियन

मुंबई, (वेब वार्ता)।

इंडियन ओपन 2026 के आखिरी दिन रविवार को अभय सिंह और अनाहत सिंह ने क्रमशः पुरुषों और महिलाओं के खिताब अपने नाम किए। पुरुषों के खिताब के लिए मुकाबला भारतीयों के बीच था, जिसमें दूसरी वरीयता प्राप्त अभय ने अपने ही देश के चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी वीर चोत्रानी को 3-0 (11-9, 11-8, 11-4) से मात दी।

वहीं, महिलाओं के फाइनल में युवा सनसनी अनाहत सिंह ने मिस्र की हाना मोअताज को 3-1 (11-5, 11-6, 9-11, 11-6) से करारी शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया। पुरुषों के फाइनल में अभय जबरदस्त फॉर्म में थे। हालांकि, चोत्रानी ने शुरूआती दो गेम में जोरदार मुकाबला किया, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, दूसरी वरीयता प्राप्त अभय ने अपनी गति और आक्रामकता बढ़ा दी। पहला गेम बहुत कड़ा मुकाबला था, जिसमें हर प्वाइंट के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली। इस उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में आखिरकार अभय सिंह ने बाजी मारी और पहला गेम 11-9 से जीतकर बढ़त बना ली। दूसरा गेम भी कुछ ऐसा ही रहा, जिसमें हर प्वाइंट पर लंबी रैलियां देखने को मिलीं। हालांकि, अभय अपने हमवतन खिलाड़ी की कड़ी चुनौती का सामना करने में सफल रहे और 11-8 से गेम जीतकर अपनी बढ़त को मजबूत कर लिया। तीसरे गेम में अभय ने अपनी आक्रामकता बढ़ाई, जिससे चोत्रानी के लिए उनके एंगल्स और जोरदार स्मैश को समझना मुश्किल हो गया। दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने यह गेम 11-4 से जीतकर मैच और खिताब अपने नाम कर लिया।

इससे पहले, भारत की टॉप सीड अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मिस्र की हाना मोअताज को मात देकर महिलाओं का खिताब अपने नाम किया। हालांकि, दूसरी सीड वाली मिस्र की खिलाड़ी ज्यादा अनुभवी थी, लेकिन युवा अनाहत का खेल बिल्कुल ही अलग स्तर का था।

आईपीएल 2025 में छुपे रुस्तम साबित हुए थे ये 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। आईपीएल को युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी काबिलियत साबित करने का सबसे बड़ा मंच माना जाता है। आईपीएल 2025 में कुछ युवा खिलाड़ियों ने अपने खेल से खासा प्रभावित किया था और इस सीजन भी इन प्लेयर्स के प्रदर्शन पर हर किसी की निगाहें रहेंगी। वैभव सूर्यवंशीः 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में कमाल का रहा था। वैभव ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाया था। उन्होंने 7 मुकाबलों में 206 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 252 रन बनाए थे। वैभव इस लीग में शतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बने थे। पिछले एक साल में वैभव की बल्लेबाजी में और भी ज्यादा निखार आया है। यही वजह है कि आईपीएल 2026 में उनके प्रदर्शन पर हर किसी की नजर रहेगी।

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश 1-1 से बराबर, 24 मार्च को होगा फाइनल में आमना-सामना

राजनांदगांव, (वेब वार्ता)।

छत्तीसगढ़ में राजनांदगांव के अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित अस्मिता वेस्ट जोन हॉकी प्रतियोगिता के तीसरे दिन रविवार को खेले गये पहले मुकाबले में मेजबान छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीच मुकाबला 1-1 गोल की बराबरी पर समाप्त हुआ। दोनों टीमें अब 24 मार्च को होने वाले फाइनल में आमने-सामने होंगी। बेहद रोमांचक मुकाबले में छत्तीसगढ़ की ओर से रिया खलको ने 41वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई।

इसके जवाब में मध्यप्रदेश की नौसीन नाज ने 45वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं। राउंड रॉबिन पद्धति से खेले जा रहे लीग मुकाबलों में मध्यप्रदेश ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि छत्तीसगढ़ दूसरे स्थान पर रहा। दोनों टीमों ने फाइनल में जगह बना ली है, जो नॉकआउट पद्धति से खेला जाएगा।

दिन के दूसरे मुकाबले में महाराष्ट्र ने राजस्थान को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से हराया। महाराष्ट्र की ओर से प्रियंका और मुस्कान ने दो-दो गोल किए, जबकि पुष्पा कंवर और शकुंतला ने एक-एक गोल का योगदान दिया। मैच से पूर्व अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुकाबले में प्रिया दुबे, अनामिका शर्मा, राजवीर कौर, कुलदीप कौर, खुशबू सिसोदिया, अमृता सेन, पिंकी नायक और ईशानी पटेल ने निर्णायक व तकनीकी अधिकारी की भूमिका निभाई, जबकि वंदन रघुवंशी टेक्निकल डेलीगेट रहीं।

आईपीएल 2026 के लिए गुजरात टाइटंस से जुड़े राशिद खान

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

आईपीएल 2026 के लिए राशिद खान गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़ गए हैं। राशिद से इस सीजन टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज के लिए पिछला सीजन कुछ खास नहीं गुजरा था। वह 15 मुकाबलों में सिर्फ 9 ही विकेट निकाल सके थे। गुजरात टाइटंस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर राशिद खान के स्वागत में खास पोस्ट शेयर किया।

राशिद की तस्वीर के साथ गुजरात ने कैप्शन में लिखा, खुशी का माहौल है, क्योंकि गुजरात की शान घर आ गए हैं। घर में आपका स्वागत है, राशिद खान। राशिद आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस की तरफ से खेलते हुए संघर्ष करते नजर आए थे। राशिद ने 9.35 की इकोनॉमी से रन खर्च किए थे। हालांकि, हाल ही में खत्म हुए टी20 विश्व कप 2026 में राशिद का प्रदर्शन दमदार रहा था। राशिद ने अफगानिस्तान की ओर से खेले 4 मुकाबलों में 6 विकेट निकाले थे और वह काफी किफायती भी साबित हुए थे। राशिद ने सिर्फ 6.68 की इकोनॉमी से रन दिए थे। गुजरात की टीम आईपीएल 2026 में राशिद से इसी फॉर्म को टूर्नामेंट में बरकरार रखने की उम्मीद करेगी। आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस ने एलिमिनेटर तक का सफर तय किया था।

आईपीएल से पहले मुंबई इंडियंस में महासंग्राम

हार्दिक पांड्या की कप्तानी पर उठे सवाल , अब किसे मिलेगी कमान

मुंबई,(वेब वार्ता)।

मुंबई इंडियंस की कप्तानी को लेकर बहस तेज हो गई है। श्रीकांत ने हार्दिक पंड्या को पद छोड़कर सूर्यकुमार यादव को मौका देने की सलाह दी। वर्ल्ड कप जीत के बाद सूर्या की दावेदारी मजबूत हुई है। आईपीएल 2026 से पहले मुंबई इंडियंस की कप्तानी को लेकर बहस फिर तेज हो गई है। कृष्णमाचारी श्रीकांत ने बड़ा बयान देते हुए हार्दिक पंड्या को कप्तानी छोड़ने और सूर्यकुमार यादव को जिम्मेदारी देने की सलाह दी है।

आईपीएल 2024 में हार्दिक पंड्या को गुजरात टाइटंस से ट्रेड कर मुंबई इंडियंस में शामिल किया गया था। इसके बाद फ्रेंचाइजी ने उन्हें सीधे कप्तान बना दिया और रोहित शर्मा से कप्तानी ले ली गई। इस फैसले ने फैंस के बीच काफी नाराजगी पैदा की और सोशल मीडिया पर भी इसका विरोध देखने को मिला। हार्दिक पंड्या की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस 10वें स्थान पर रही, जबकि आईपीएल 2025 में टीम ने वापसी करते हुए चौथे स्थान तक सफर तय किया।

हालांकि लगातार दबाव और उम्मीदों के बीच टीम स्थिर प्रदर्शन नहीं कर पाई। श्रीकांत का मानना है कि टीम में पहले से अनुभवी और वर्ल्ड कप जीत चुके कप्तान मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि हार्दिक को बड़ा दिल दिखाते हुए कप्तानी छोड़ देनी चाहिए।

उनके मुताबिक, हार्दिक ने खुद रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में वर्ल्ड कप जीता है, ऐसे में उन्हें टीम हित में फैसला लेना चाहिए और सूर्या को नेतृत्व सौंपना चाहिए।

राजस्थान रॉयल्स दासुन शनाका को साइन करने के लिए तैयार

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से एक और खिलाड़ी बाहर हो गया है, जिसमें दासुन शनाका इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चले गए हैं। शनाका को राजस्थान रॉयल्स आने वाले सीजन के लिए साइन करने वाली है, वे चोटिल सैम करन की जगह लेंगे, जो पहले आईपीएल 2026 से बाहर हो गए थे। रॉयल्स के एक टॉप अधिकारी ने क्रिकबज को इस साइनिंग की पुष्टि की। फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इस वेबसाइट को बताया, हाँ, हम उन्हें साइन करने के करीब हैं। कुछ फॉर्मैलिटीज बाकी हैं। उन्हें श्रीलंकाई क्रिकेट (एसएलसी) के साथ कुछ पेपरवर्क पूरा करना है। शनाका पिछले दिसंबर में अबू धाबी मिनी-ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे, जिसके बाद उन्होंने पीएसएल ऑक्शन के लिए एनरोल किया, जहाँ उन्हें लाहौर कलंदर्स ने 75 लाख पाकिस्तानी रुपये में खरीदा था।

ऑस्ट्रेलिया ऐतिहासिक 4-टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा

मेलबर्न, (वेब वार्ता)।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बार चार-मैच की टेस्ट सीरीज और बांग्लादेश के खिलाफ दो-टेस्ट सीरीज ऑस्ट्रेलिया की बिजी इंटरनेशनल गर्मियों की खास बातें हैं, जिसमें 14 जगहों पर पुरुषों और महिलाओं के क्रिकेट के 27 इंटरनेशनल मैच शामिल हैं।

सीजन की शुरूआत उत्तर में बांग्लादेश के अगस्त में डार्विन और मैके में दो टेस्ट मैचों के दौरे से होगी, जिसके बाद महिलाओं की टीम के लिए तीन वनडे और तीन टी20 मैचों का एक व्हाइट-बॉल लेग होगा, जो सभी ब्रिस्बेन और सिडनी में होस्ट किए जाएँगे। नवंबर में इंग्लैंड का व्हाइट-बॉल टूर होगा, जिसमें तीन मेन्स वनडे और पांच मैचों की टी20 सीरीज शामिल है। वनडे पर्थ, एडिलेड और होबार्ट में खेले जाएंगे, जबकि टी20 मेलबर्न, गोल्ड कोस्ट, ब्रिस्बेन, सिडनी और कैनबरा में होंगे। गर्मियों का सबसे खास समय न्यूजीलैंड के खिलाफ ऐतिहासिक चार-टेस्ट सीरीज के आसपास रहेगा, जो दिसंबर की शुरूआत से जनवरी की शुरूआत तक चलेगी। चार टेस्ट पर्थ, एडिलेड, मेलबर्न और सिडनी में खेले जाएंगे।

इसके बाद महिला टीम फरवरी और मार्च में तीन टी20 और तीन वनडे के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी, जिसके बाद गर्मियों का अंत 11 से 15 मार्च तक एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की मेन्स टीमों के बीच एक बार के 150वीं एनिवर्सरी टेस्ट के साथ होगा।

धोनी ने चेपॉक के मैदान पर वर्ल्ड चैंपियंस को किया सम्मानित

चेन्नई, (वेब वार्ता)।

आईपीएल 2026 से पहले चेपॉक स्टेडियम में हुए खास इवेंट में एमएस धोनी ने कुछ खिलाड़ियों को सम्मानित किया, जहां फैंस को शानदार माहौल और यादगार पल देखने को मिले।

28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 से ठीक पहले ने अपने फैंस के लिए एक खास कार्यक्रम आयोजित किया। 22 मार्च को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में टीम ने मीट एंड ग्रीट इवेंट रखा, जहां मौजूदा खिलाड़ियों के साथ-साथ कई पूर्व दिग्गज भी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम के दौरान पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने कुछ खिलाड़ियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। खास तौर पर उन खिलाड़ियों को सम्मान मिला जिन्होंने हाल ही में भारत को विश्व विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

यह पल फैंस के लिए बेहद खास और यादगार रहा। सीएसके के तीन खिलाड़ियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। संजू सैमसन और शिवम दुबे ने टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वहीं युवा खिलाड़ी आयुष म्हात्रे ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। धोनी ने चेपॉक के मैदान पर इन तीनों को सम्मानित किया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। सीएसके ने इस मौके पर रोर 2026 नाम से एक भव्य इवेंट भी आयोजित किया। इसमें टीम के कई पूर्व खिलाड़ी शामिल हुए, जिनमें अंबाती रायडू, मैथ्यू हेडन, माइकल हसी, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, लक्ष्मीपति बालाजी और मुथैया मुरलीधरन शामिल रहे। सभी खिलाड़ियों ने मिलकर पुराने यादगार पलों को ताजा किया और हल्के-फुल्के अंदाज में एक-दूसरे के साथ समय बिताया। इस इवेंट के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2025 का सीजन बेहद निराशाजनक रहा था। टीम ने 14 मैचों में केवल 4 जीत दर्ज की और पॉइंट्स टेबल में आखिरी स्थान पर रही। यह प्रदर्शन टीम और फैंस दोनों के लिए निराशाजनक रहा।

केकेआर ने प्रशंसकों के लिए प्रैक्टिस जर्सी पेश की

कोलकाता, (वेब वार्ता)।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आगामी सीजन के लिए अपनी प्रैक्टिस जर्सी पेश की है। यह पहली बार है जब फ्रेंचाइजी ने प्रशंसकों के लिए ट्रेनिंग किट पेश की है। यह कदम टीम की ट्रेनिंग जर्सी के शुरूआती अनावरण पर मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है।

पहली झलक सामने आने के बाद, हजारों फैंस सोशल मीडिया पर आए, उन्होंने डिजाइन की तारीफ की और फ्रेंचाइजी से इसे खरीदने के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस बढ़ती मांग को सुनते हुए केकेआर ने अब प्रैक्टिस जर्सी को अपने फैंस के लिए उपलब्ध करा दिया है। एक नए, आधुनिक अंदाज में डिजाइन की गई यह जर्सी, टीम की पहचान से जुड़ी रहते हुए भी एक जीवंत, गर्मियों के लिए तैयार अपील रखती है। इसकी सबसे खास बात इसका टाइगर-प्रिंट पैटर्न है, जो बंगाल टाइगर से प्रेरित है यह उस शक्ति, फुर्ती और निडर भावना का प्रतीक है जो टीम और इस क्षेत्र, दोनों की पहचान है। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स की मुख्य कार्यकारी बिंदा डे ने कहा, प्रैक्टिस जर्सी पर हमारे फैंस की प्रतिक्रिया अविश्वसनीय थी और इसने सचमुच उस गहरे जुड़ाव की पुष्टि की जो वे ब्रांड के साथ साझा करते हैं। हमने प्रैक्टिस जर्सी के लिए स्पष्ट मांग देखी और महसूस किया कि इसे उपलब्ध कराना ही सही होगा।

पीसीबी उन खिलाड़ियों पर कार्रवाई करेगी जो पीएसएल छोड़ कर जा रहे हैं : नकवी

इस्लामाबाद, (वेब वार्ता)।

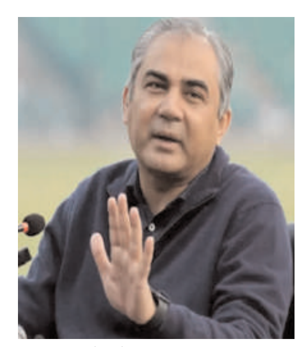

पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने उन खिलाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया है, जिन्होंने आखिरी समय पर पीएसएल छोड़कर आईपीएल का रुख किया। लगातार दूसरे साल दोनों लीग एक ही समय पर हो रही हैं। श्रीलंका के दासुन शनाका ऐसा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने लाहौर कलंदर्स की टीम से नाम वापस ले लिया है और चोटिल सैम करन की जगह आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने का फैसला किया है।

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर डेनियल सैम्स अब कलंदर्स की टीम में शनाकाकी जगह लेंगे। वहीं ब्लेसिंग मुजराबानी पहले ही पीएसएल से हट चुके हैं। वह कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम में शामिल हुए हैं। नकवी ने रविवार को कहा, हम नियमों के तहत उन खिलाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। पिछले साल भी ऐसा मामला सामने आया था, जब कार्बिन बॉश को एक साल के लिए पीएसएल से बैन किया गया था, और इस बार भी वही होगा। बॉश पिछले सीजन में पेशावर जल्मी के लिए डायमंड पिक थे, लेकिन उन्होंने आखिरी समय पर आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने का फैसला कर लिया था।

नकवी ने आगे कहा, आईपीएल के साथ टकराव कोई बड़ी समस्या नहीं है। अगर हमारे खिलाड़ी वहां जा रहे हैं, तो हमें भी यहां बेहतरीन खिलाड़ी मिल रहे हैं। पीएसएल को टालना हमारे लिए संभव नहीं था क्योंकि पूरे साल में हमारे पास कोई और विंडो नहीं है। इस पीएसएल में और भी कई खिलाड़ियों ने नाम वापस लिया है। इनमें गुडाकेश मोती, जैक फ्रेजर मक्गर्क, ऑटनिल बार्टमैन और स्पेंशर जॉनसन शामिल हैं।

हालांकि ज्यादातर खिलाड़ियों ने निजी कारणों का हवाला दिया है। पीएसएल का आगाज 26 मार्च से होगा, जो आईपीएल शुरू होने से दो दिन पहले है। हालांकि, मौजूदा पश्चिम एशिया संकट के चलते तेल आपूर्ति की समस्या को देखते हुए यह टूर्नामेंट बिना दर्शकों के खेला जाएगा। साथ ही, वेन्यू भी घटाकर छह से दो कर दिए गए हैं, अब सभी मैच लाहौर और कराची में होंगे।

भारत अंडर-17 पुरुष टीम थाईलैंड, इंडोनेशिया और कोरिया रिपब्लिक के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगी

नई दिल्ली (वेब वार्ता)। भारत अंडर-17 पुरुष टीम 25 से 31 मार्च, 2026 के बीच थाईलैंड के लोपबुरी में थाईलैंड, इंडोनेशिया और कोरिया रिपब्लिक के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगी। ये फ्रेंडली मैच, ब्लू कोल्ट्स की एएफसी अंडर17 एशियन कप सऊदी अरब 2026 की तैयारियों का हिस्सा हैं, और ये मैच बिना दर्शकों के खेले जाएंगे। इंडिया 25 मार्च को 17:30 बजे थाईलैंड से, 28 मार्च को 17:30 बजे इंडोनेशिया से और 31 मार्च को बजे कोरिया रिपब्लिक से खेलेगा। बिबियानो फर्नांडीस की टीम इस साल पहले ही छह इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच खेल चुकी है दो-दो ताजिकिस्तान (गोवा में), तुर्किये (एंटाल्या में) और म्यांमार (यांगून में) के खिलाफ। ब्लू कोल्ट्स रविवार, 22 मार्च को लोपबुरी पहुंचे। एएफसी अंडर17 एशियन कप में, इंडिया ग्रुप डी में ऑस्ट्रेलिया (6 मई), उज्बेकिस्तान (10 मई) और डीपीआर कोरिया (13 मई) से भिड़ेगा।

एमएलएसः इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क सिटी को 3-2 से हराया

न्यूयॉर्क, (वेब वार्ता)।

इंटर मियामी सीएफ ने अपनी जीत की लय को बरकरार रखा है। टीम ने रोमांचक मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूयॉर्क सिटी एफसी को 3-2 से हराया। एमएलएस रेगुलर सीजन में यह इंटर मियामी की लगातार चौथी जीत है। इंटर मियामी के डिफेंडर गोंजालो लुजा, माइकल और कप्तान लियोनेल मेसी द्वारा किए गए गोल ने इंटर मियामी की जीत में अहम योगदान दिया।

इंटर मियामी ने मैच के चौथे मिनट में ही बढ़त बनाई। टीम की तरफ से पहला गोल गोंजालो लुजान ने किया। टेलास्को जोस सेगोविया द्वारा किए गए प्रयास के विफल रहने के बाद लुजान ने रिबाउंड का फायदा उठाते हुए इंटर मियामी को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, न्यूयॉर्क सिटी एफसी ने जोरदार वापसी की और मैच के 17वें मिनट में निकोलस फर्नांडीज के गोल से स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद मेसी ने गोल करने के दो मौके बनाए, लेकिन उन्हें सफलता हाथ नहीं लगी। पहले हाफ के बाद स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा।

हालांकि, मेजबान टीम ने मैच के 59वें मिनट में अगस्टिन ओजेडा के गोल से बढ़त बना ली। इसके तुरंत बाद मेसी ने 61वें मिनट में इंटर मियामी के लिए गोल दागते हुए स्कोर को फिर से 2-2 से बराबर कर दिया। मेसी ने फ्री किक पर इस रेगुलर सीजन का अपना चौथा गोल किया। इंटर मियामी ने 74वें मिनट में अपनी बढ़त वापस पा ली, जब बॉक्स के दाएं छोर से माइकल ने एक जोरदार हेडर से एलन के पिच के बाईं तरफ से मिले सटीक क्रॉस का फायदा उठाया। यह गोल माइकल का इंटर मियामी के खिलाड़ी के तौर पर पहला गोल रहा, जबकि इस लीग कैंपेन में एलन का यह दूसरा असिस्ट था। इंटर मियामी के डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन किया और न्यूयॉर्क सिटी को वापसी करने का मौका नहीं दिया।

मैनचेस्टर सिटी ने जीता ईएफएल कप का खिताब

लंदन,(वेब वार्ता)।

मैनचेस्टर सिटी ने ईएफएल कप फाइनल में आर्सेनल को 2-0 से हराते हुए खिताब को अपने नाम किया। मैनचेस्टर की तरफ से फाइनल में निको ओरेली ने दूसरे हाफ में चार मिनट के अंदर दो गोल करते हुए टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। मैनचेस्टर सिटी ने यह 9वीं लीग ट्रॉफी जीती है। सिटी से ज्यादा खिताब अब सिर्फ लिवरपूल के नाम है। पेप गार्डियोला ने मैनचेस्टर सिटी मैनेजर के तौर पर यह मशहूर ट्रॉफी पांच बार जीती है, जो इंग्लिश फुटबॉल में एक रिकॉर्ड है।

वह इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा सफलता पाने वाले मैनेजर के तौर पर ब्रायन क्लॉ, सर एलेक्स फर्ग्यूसन और जोस मोरिन्हो (जिन्होंने सभी ने चार-चार जीते) से आगे निकल गए हैं। काराबाओ कप सिटी बॉस के तौर पर पेप की पहली ट्रॉफी थी, जिसमें उन्होंने 2018 में आर्सेनल को 3-0 से हराया था। उन्होंने अब उस विरासत में एक और नाम जोड़ लिया है और 1960 में प्रतियोगिता की शुरूआत के बाद से सबसे सफल मैनेजर बन गए हैं। हाफ टाइम के बाद सिटी ने आर्सेनल के मुकाबले ज्यादा बेहतर खेल दिखाया। मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया।

आर्सेनल की टीम खिताबी मुकाबले में संघर्ष करती हुई नजर आई, जिसका पूरा फायदा सिटी ने उठाया। पूरे सीजन मैनचेस्टर सिटी की शानदार कप्तानी करने वाले कप्तान बर्नार्डो सिल्वा ने टीम के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने टीम की इस सफलता को सभी के लिए खास पल बताया। उन्होंने कहा, यह सिटी में सभी के लिए बहुत गर्व का पल है।

महाराष्ट्र ने जीता विमेंस अंडर-23 वनडे ट्रॉफी एलीट खिताब

रांची, (वेब वार्ता)। महाराष्ट्र की महिला टीम ने रविवार को फाइनल मैच में कर्नाटक के खिलाफ 75 रनों से जीत दर्ज करते हुए बीसीसीआई विमेंस अंडर-23 वनडे ट्रॉफी एलीट 2025-26 का खिताब अपने नाम किया। रांची में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी महाराष्ट्र की टीम ने अपने निर्धारित 50 ओवरों में 8 विकेट खोकर 286 रन बनाए। टीम को भाविका अहिरे ने शानदार तरीके से संभाला, जिन्होंने 100 गेंदों पर 109 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। इस दौरान उन्हें ईश्वरी सावकर (61) और ईश्वरी अवसरे (36) का भी अच्छा साथ मिला, जिसने एक मजबूत नींव तैयार की। इसके जवाब में, कर्नाटक की टीम महज 211 रनों पर ही ऑलआउट हो गई, क्योंकि महाराष्ट्र के गेंदबाजों ने बेहद अनुशासित और सटीक गेंदबाजी की। अक्षया जाधव ने गेंद से कमाल दिखाते हुए 9 ओवरों में 39 रन देकर 4 विकेट लिए। ईशा पथारे ने 43 रन देकर 3 विकेट और खुशी मुल्ला ने 22 रन देकर 2 विकेट निकालकर टीम की जीत पक्की की।

मां दुर्गा के स्वरूप में छिपे हैं कई प्रतीक

चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व आरंभ होते ही वातावरण भक्ति, श्रद्धा और शक्ति की अनुभूति से भर उठता है। यह समय साधना, संयम और आत्मशुद्धि का विशेष अवसर माना जाता है। इन दिनों देवी दुर्गा की आराधना केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहती, बल्कि जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और आंतरिक बल को जागृत करने का माध्यम बनती है। माता के हाथों में सुसज्जित प्रत्येक अस्त्र-शस्त्र और उनके श्रृंगार में शामिल हर तत्व अपने भीतर एक गूढ़ संदेश समेटे हुए है, जो धर्म, साहस और संतुलन का मार्ग दिखाता है।

माँ दुर्गा के हाथों में विराजमान सुदर्शन चक्र यह संकेत देता है कि समस्त ब्रह्मांड एक दिव्य शक्ति द्वारा संचालित हो रहा है। यह समय, गति और संतुलन का प्रतीक है, जो बताता है कि सृष्टि का प्रत्येक कार्य एक निश्चित नियम और व्यवस्था के अंतर्गत होता है।

देवी के हाथों में सुशोभित तलवार केवल युद्ध का साधन नहीं, बल्कि अज्ञान को दूर करने वाली ज्ञानशक्ति का प्रतीक है। इसकी चमक यह दशार्ती है कि जीवन में सत्य और स्पष्टता का मार्ग ज्ञान से ही प्रशस्त होता है।

धनुष और बाण ऊर्जा के दो स्वरूपों का प्रतिनिधित्व करते हैं। धनुष स्थिर शक्ति का प्रतीक है, जबकि बाण गतिशील ऊर्जा का। यह संयोजन यह सिखाता है कि जब शक्ति सही दिशा और एकाग्रता के साथ प्रयुक्त होती है, तब लक्ष्य की प्राप्ति संभव होती है। माता के शंख की ध्वनि को अत्यंत पवित्र माना गया है। इसका नाद नकारात्मकता को दूर कर वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। यह जीवन में शुभारंभ और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक है। गदा शक्ति, दृढ़ता और आत्मविश्वास का प्रतिनिधित्व करती है। यह संदेश देती है कि जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना साहस और धैर्य के साथ करना चाहिए।

कमल पुष्प यह सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी व्यक्ति अपने विचारों और कर्मों की पवित्रता बनाए रख सकता है। कीचड़ में रहकर भी कमल का निर्मल बने रहना, आत्मविकास और आध्यात्मिक उन्नति का संकेत है।

त्रिशूल के तीन सिरे सत्व, रज और तम- इन तीन गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह प्रतीक इस बात का संकेत देता है कि जीवन में इन प्रवृत्तियों के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। माँ दुर्गा को अर्पित किए जाने वाले वस्त्र, पुष्प और श्रृंगार में लाल रंग का विशेष महत्व होता है। यह रंग शक्ति, उत्साह, साहस और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार लाल रंग अग्नि तत्व तथा सूर्य और मंगल की ऊर्जा से भी जुड़ा होता है, जो साधक के जीवन में तेज और सकारात्मकता का संचार करता है।

मन से हो जाएं मुक्त

आनंदमूर्ति गुरुमां

मैं आपके हाथ जीवनभर सुखी रहने की चाबी थमा देती हूं, अगर आप उसे ठीक से संभाल सको, तो कृपया संभाल लेना। चाबी यही है कि जब-जब आपका मन ठहर जाएगा, वहीं पर आपको सच्चा सुख और आनंद मनाने का मौका मिलता है। और जब भी आपका मन अस्थिर रहेगा, आपको दुख, तनाव और चिंताएं घेर लेती हैं। तब आप उन चीजों की तलाश में दर-दर भटकते फिरते हैं, जिन चीजों से आपको लगता है कि सुख मिलेगा। जब आपको अपनी मनचाही चीज मिल जाती है, तब अचानक थोड़ी देर के लिए आपका मन ठहर जाता है। जैसे ही आपका मन ठहर जाता है, आप अपने ही आनंद में मग्न हो जाते हैं। थोड़ी देर बाद वह चीज तो वहीं पर पड़ी रह जाती है, और आपका मन सुख की तलाश में किसी और चीज की तरफ आकर्षित हो जाता है। पर जब आपको थोड़ी देर सुख मिला था, वह इसलिए कि आपका मन उस समय ठहर गया था।

हर क्षण जब आपका मन ठहर जाता है, आप अपने ही भीतर सुख का अनुभव करते हैं। इस मन को ठहराने का तरीका है आपकी श्वसन क्रिया में। जैसे ही आप अपनी श्वसन क्रिया को शांत करते हैं, आपका मन ठहरने लगता है और जब भी मन ठहर जाता है, आप स्वतः सुख का अनुभव करते हो। बाह्य जगत में हमें सुख पाने के लिए वस्तुओं और व्यक्तियों का गुलाम बनना पड़ता है। लेकिन अपने श्वासों को शांत करके अपने ही भीतर मिलने वाले असीम आनंद को पाने में हम अत्यंत स्वतंत्र महसूस कर सकते हैं।

श्वासों को शांत करने से वहीं और उसी क्षण जैसे ही आपका मन ठहर जाता है, आपका सुख आपको तुरंत मिल जाता है। उसके लिए इस दुनिया के किसी भी व्यक्ति या वस्तु से पीछा छुड़ाने की हमें कोई जरूरत नहीं है, हमें सिर्फ अपने मन से मुक्त होने की जरूरत है। जैसे ही आप अपने मन से मुक्त हो जाते हैं, चैतन्यस्वरूप परमात्मा का प्रकाश आपके जीवन को भर देता है।

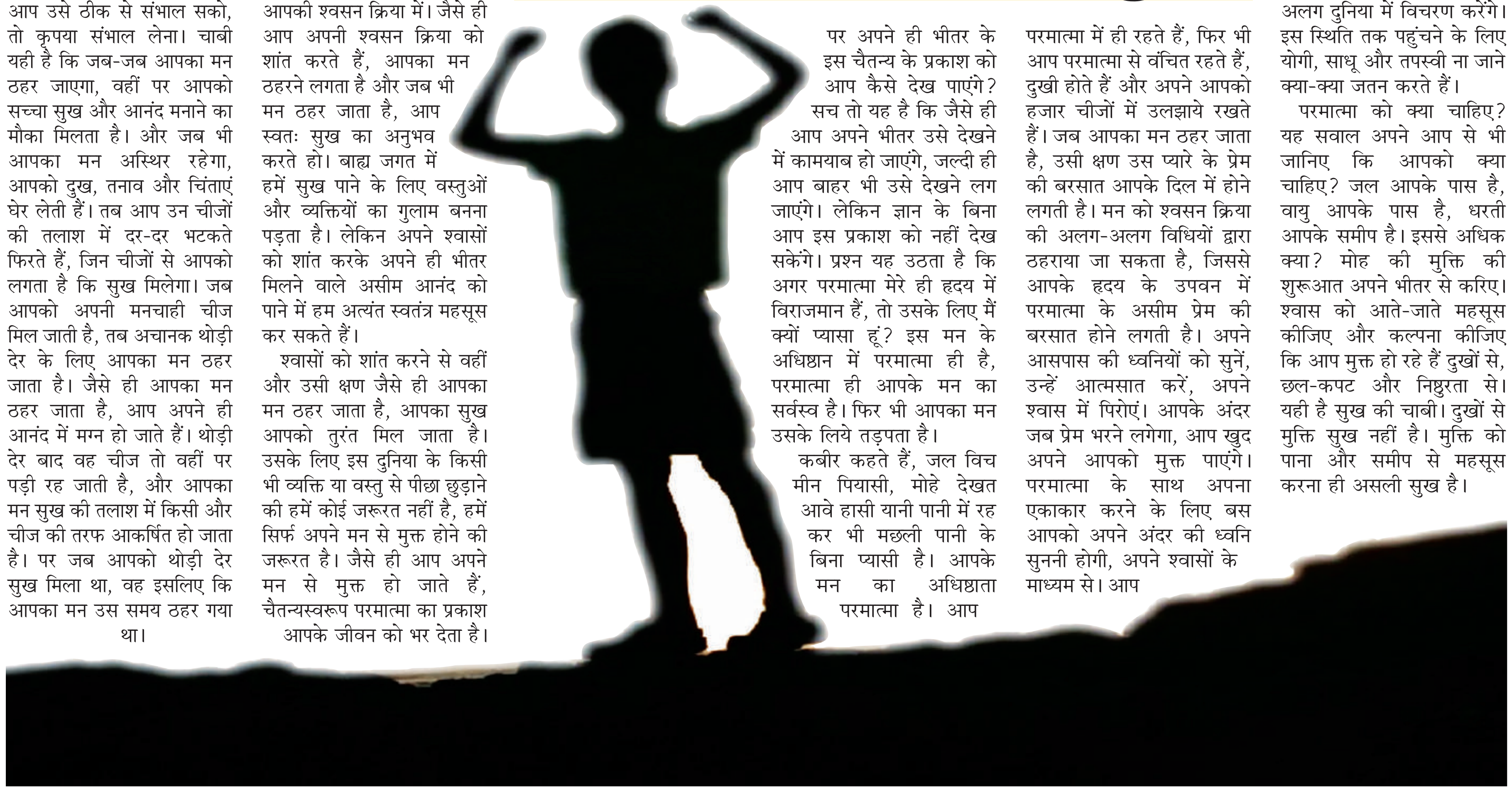

पर अपने ही भीतर के इस चैतन्य के प्रकाश को आप कैसे देख पाएंगे? सच तो यह है कि जैसे ही आप अपने भीतर उसे देखने में कामयाब हो जाएंगे, जल्दी ही आप बाहर भी उसे देखने लग जाएंगे। लेकिन ज्ञान के बिना आप इस प्रकाश को नहीं देख सकेंगे। प्रश्न यह उठता है कि अगर परमात्मा मेरे ही हृदय में विराजमान हैं, तो उसके लिए मैं क्यों प्यासा हूं? इस मन के अधिष्ठान में परमात्मा ही है, परमात्मा ही आपके मन का सर्वस्व है। फिर भी आपका मन उसके लिये तड़पता है।

कबीर कहते हैं, जल विच मीन पियासी, मोहे देखत आवे हासी यानी पानी में रह कर भी मछली पानी के बिना प्यासी है। आपके मन का अधिष्ठाता परमात्मा है। आप परमात्मा में ही रहते हैं, फिर भी आप परमात्मा से वंचित रहते हैं, दुखी होते हैं और अपने आपको हजार चीजों में उलझाये रखते हैं। जब आपका मन ठहर जाता है, उसी क्षण उस प्यारे के प्रेम की बरसात आपके दिल में होने लगती है। मन को श्वसन क्रिया की अलग-अलग विधियों द्वारा ठहराया जा सकता है, जिससे आपके हृदय के उपवन में परमात्मा के असीम प्रेम की बरसात होने लगती है। अपने आसपास की ध्वनियों को सुनें, उन्हें आत्मसात करें, अपने श्वास में पिरोएं। आपके अंदर जब प्रेम भरने लगेगा, आप खुद अपने आपको मुक्त पाएंगे। परमात्मा के साथ अपना एकाकार करने के लिए बस आपको अपने अंदर की ध्वनि सुननी होगी, अपने श्वासों के माध्यम से। आप दुख और सुख में एकलीन हो जाएं। कुछ समय बाद आप ना दुख को महसूस करेंगे ना सुख को। बल्कि चैबीसों घंटे एक अलग दुनिया में विचरण करेंगे। इस स्थिति तक पहुंचने के लिए योगी, साधू और तपस्वी ना जाने क्या-क्या जतन करते हैं।

परमात्मा को क्या चाहिए? यह सवाल अपने आप से भी जानिए कि आपको क्या चाहिए? जल आपके पास है, वायु आपके पास है, धरती आपके समीप है। इससे अधिक क्या? मोह की मुक्ति की शुरूआत अपने भीतर से करिए। श्वास को आते-जाते महसूस कीजिए और कल्पना कीजिए कि आप मुक्त हो रहे हैं दुखों से, छल-कपट और निष्ठुरता से। यही है सुख की चाबी। दुखों से मुक्ति सुख नहीं है। मुक्ति को पाना और समीप से महसूस करना ही असली सुख है।

आज चैती छठ का दूसरा दिन, जानें संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य का समय और पूजा के नियम

हिंदू धर्म में छठ पूजा को अत्यंत महत्वपूर्ण और पवित्र पर्व माना जाता है। यह महापार्व साल में दो बार चैत्र और कार्तिक मास में मनाया जाता है। इस साल चैत्र मास की छठ पूजा का आरंभ 22 मार्च को नहाए खाए के से हो चुका है। वहीं आज दूसरा दिन यानी खरना है, जिसे पूरे श्रद्धा भाव और नियमों के साथ मनाया जाता है। चार दिन के इस खास पर्व में नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य का विशेष महत्व माना जाता है। छठ पूजा सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित होती है। इस दौरान भक्त कठिन व्रत रखकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं। आइए जानते हैं चैती छठ 2026 की तिथियां और इससे जुड़े जरूरी नियम। आज चैती छठ का दूसरा दिन है, जिसे खरना कहा जाता है। इस दिन व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रख कर गुड़ की खीर और रोटी का खास प्रसाद तैयार करते हैं और शाम को यह प्रसाद भगवान को अर्पित किया जाता है। इसके बाद व्रती इसे स्वयं ग्रहण करते हैं। साथ ही पूरा परिवार यह महाप्रसाद ग्रहण करता है। इसके बाद से 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू हो जाता है।

छठ पर्व के तीसरे दिन डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने की परंपरा है, जिसे संध्या अर्घ्य कहा जाता है। इस अवसर पर व्रती जल में खड़े होकर सूर्य देव की उपासना करते हैं। फल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद अर्पित किए जाते हैं। इस साल संध्या अर्घ्य 24 मार्च 2026 को दी जाएगी। पंचांग के अनुसार इस दिन सूर्यास्त शाम 06:34 बजे होगा।

चौथा दिन- उषा अर्घ्य

छठ पूजा के अंतिम यानी चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने का होता है, जिसे उषा अर्घ्य कहा जाता है। सूर्योदय के समय पूजा कर 36 घंटे के इस कठिन व्रत का समापन किया जाता है। इसके बाद व्रती प्रसाद ग्रहण कर अपना व्रत खोलते हैं। इस बार उषा अर्घ्य 25 मार्च 2026 को दी जाएगी। पंचांग के अनुसार इस दिन सूर्योदय सुबह 06:20 बजे होगा।

चैती छठ का व्रत काफी कठिन और नियमबद्ध माना जाता है, जिसे पूरी आस्था और शुद्धता के साथ किया जाता है।

इस दौरान कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना आवश्यक होता है। घर और आसपास की जगह की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। व्रत के दौरान तन और मन की शुद्धता बनाए रखना जरूरी होता है। साफ कपड़े पहनें और अशुद्धता से दूर रहें। छठ पूजा में डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देना सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके बिना व्रत अधूरा माना जाता है।

इस व्रत में संयम का पालन जरूरी है। क्रोध, झूठ और नकारात्मक विचारों से दूर रहना चाहिए। इस तरह श्रद्धा और नियमों के साथ किया गया छठ व्रत जीवन में सुख-शांति और समृद्धि लाने वाला माना जाता है।

मेष राशि:- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। स्टूडेंट्स के लिए दिन राहत भरा रहेगा और वे नया शेड्यूल बनाने का विचार कर सकते हैं। फोन का इस्तेमाल कम करें, वरना समय बर्बाद होगा। पैसों के मामलों में जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदेह साबित हो सकता है, इसलिए उधार देने से पहले सोचें।

वृष राशि:- आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा और आपके सभी काम योजनानुसार पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और लोगों से जुड़ाव मजबूत होगा। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में साझेदारी लाभदायक साबित हो सकती है।

मिथुन राशि:- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्रता से किया गया काम अच्छे परिणाम देगा। लव लाइफ बेहतर रहेगी और पार्टनर के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। काम के प्रति लापरवाही भारी पड़ सकती है, इसलिए जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें।

कर्क राशि:- आज आपका दिन पहले से बेहतर रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत रिश्तों को मजबूत करेगी। दोस्तों के साथ घर पर मनोरंजन का प्लान बन सकता है।

सिंह राशि:- आज दिन की शुरूआत सकारात्मक रहेगी। बिजनेस ट्रिप पर जाने से पहले बड़ों का आशीर्वाद लेना आपके लिए लाभकारी रहेगा। जीवनसाथी को करियर में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कोरियर या लॉजिस्टिक्स से जुड़े कारोबारियों को फायदा होगा।

कन्या राशि:- आज आपका दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। व्यापार में बड़ा धन लाभ मिलने के संकेत हैं। शत्रु पक्ष कमजोर रहेगा। लकड़ी या निर्माण से जुड़े लोगों को बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। राइटर्स और आर्टिस्ट्स के लिए दिन शानदार रहेगा, उनकी प्रतिभा को सराहना मिलेगी।

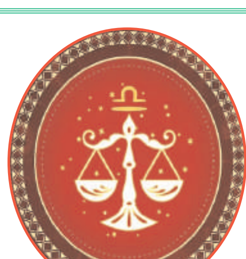

तुला राशि:- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। माता-पिता की नाराजगी दूर होगी और घर का माहौल अच्छा रहेगा। राजनीति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल है। महिलाओं के लिए भी दिन विशेष रूप से अच्छा रहेगा। बिजनेस में जरूरी मीटिंग सफल हो सकती है।

वृश्चिक राशि:- आज आपका दिन बेहतर रहेगा। पुरानी समस्याओं का समाधान मिलने से मन हल्का रहेगा। परिवार में धार्मिक आयोजन की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करेंगे।

धनु राशि:- आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। काम पूरा करने में आपका ध्यान लगा रहेगा, लेकिन भाग्य का साथ कम मिल सकता है। ऑफिस में किसी मुद्दे पर चर्चा करनी पड़ सकती है। विरोधी आपकी योजनाओं से प्रभावित हो सकते हैं।

मकर राशि:- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। बिजनेस में नए अवसर मिलेंगे और उधार दिया पैसा वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से लाभ मिलने की संभावना है। परिवार और भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि:- आज आपका दिन अच्छा रहेगा लेकिन मन में थोड़ी चिंता बनी रह सकती है। परिवार के साथ समय बिताने और दोस्तों के साथ पार्टी में शामिल होने का मौका मिलेगा। नई स्किल सीखने का विचार भविष्य में फायदेमंद साबित होगा।

मीन राशि:- आज आपका दिन नई ऊर्जा के साथ शुरू होगा। आपके विचार आपको समाज में अलग पहचान दिला सकते हैं। घर में सजावट या बदलाव का काम हो सकता है। कांट्रेक्टर और बिजनेस से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा।

कौन-कौन से है सनातन धर्म के 18 पुराण?

सनातन धर्म में 18 महापुराणों का विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता है कि, इन ग्रंथों में धार्मिक आस्था का वर्णन हैं। इसके अलावा सृष्टि की उत्पत्ति, ऋषि-मुनियों की कथाएं, इतिहास और प्रलय का जिक्र किया गया है। कहा जाता है कि, ये पुराण वेदों के बाद की रचनाएं हैं, जिनमें जीवन के गूढ़ सिद्धांतों की जानकारी हैं। इनका अध्ययन करने से व्यक्ति के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। साथ ही व्यक्ति जीवन चक्र को भी समझने लगता है। इन्हें भक्ति-ग्रंथ के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि इनमें भगवान की लीलाओं, उनके विभिन्न स्वरूपों और भक्तों के साथ उनके संबंधों का सुंदर चित्रण मिलता है। ऐसे में आइए इन 18 महापुराणों के नाम को जानते हैं।

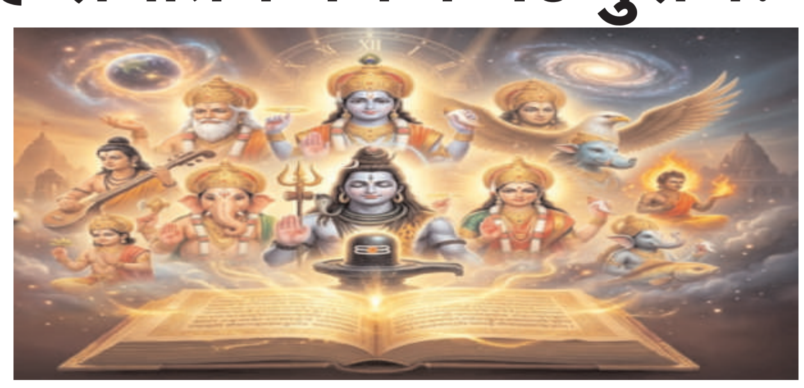

18 महापुराणों के नाम और महत्व

ब्रह्म पुराण: सृष्टि के आरंभ का वर्णन।
पद्म पुराण: भगवान विष्णु का विवरण।
विष्णु पुराण: भगवान विष्णु के अवतारों का जिक्र किया गया है।
शिव पुराण: भगवान शिव और पूरे 12 ज्योतिलिंगों का विवरण किया गया है।
भागवत पुराण: श्री कृष्ण की लीलाओं का जिक्र।
नारद पुराण: व्रत और तीर्थ स्थलों का वर्णन।
मार्कंडेय पुराण: देवी दुर्गा की महिमा का जिक्र किया गया है।
अग्नि पुराण: ज्योतिष विद्या का जिक्र देखने को मिलता है।
भविष्य पुराण: आने वाले समय की भविष्यवाणियां।
ब्रह्मवैवर्त पुराण: प्रकृति की कथाओं का संकलन देखने को मिलता है।
लिंग पुराण: शिवलिंग पूजा का महत्व।
वराह पुराण: वराह अवतार द्वारा पृथ्वी के उद्धार की जानकारी।
स्कंद पुराण: भगवान कार्तिकेय की कथा।
वामन पुराण: भगवान विष्णु के वामन अवतार का जिक्र।
कूर्म पुराण: आध्यात्मिक ज्ञान का उपदेश देखने को मिलता है।
मत्स्य पुराण: सृष्टि के प्रलय की प्राचीन कथाएं।
गरुड़ पुराण: मृत्यु और मोक्ष की जानकारी।
ब्रह्मांड पुराणः ब्रह्मांड के रहस्यों का जिक्र।

लक्ष्मी पंचमी आज, समुद्र मंथन से प्रकट हुईं महालक्ष्मी

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जाने वाली लक्ष्मी पंचमी इस वर्ष 23 मार्च 2026, सोमवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जा रही है। नवरात्रि के पावन दिनों के मध्य आने वाली यह तिथि विशेष रूप से धन, ऐश्वर्य और सौभाग्य की अधिष्ठात्री देवी महालक्ष्मी की उपासना के लिए समर्पित मानी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने से जीवन में समृद्धि, सुख और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

पुराणों में वर्णित प्रसिद्ध कथा के अनुसार, जब देवताओं और असुरों के बीच अमृत प्राप्ति के लिए समुद्र मंथन हुआ, तब उस मंथन से चौदह रत्नों का उदय हुआ। इन्हीं दिव्य रत्नों में से एक थीं देवी महालक्ष्मी, जो क्षीरसागर से प्रकट हुईं। उनके प्राकट्य के साथ ही चारों ओर सौंदर्य, शांति और वैभव का प्रसार होने लगा।

कथा के अनुसार, देवी लक्ष्मी का प्राकट्य चैत्र शुक्ल पंचमी तिथि को हुआ था। जब वे प्रकट हुईं, तब सभी देवताओं ने उनका विधिपूर्वक पूजन किया और उन्हें भगवान विष्णु की अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया गया। इसी घटना की स्मृति में यह तिथि लक्ष्मी पंचमी के रूप में मनाई जाती है। यह दिन इस बात का प्रतीक है कि जहां पवित्रता, संतुलन और धर्म का पालन होता है, वहीं लक्ष्मी का स्थायी निवास होता है।

लक्ष्मी पंचमी के दिन प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान कर स्वच्छ और शुद्ध वस्त्र धारण किए जाते हैं। घर और विशेष रूप से पूजा स्थल की अच्छी तरह सफाई की जाती है, क्योंकि देवी लक्ष्मी को स्वच्छता अत्यंत प्रिय है। इसके बाद एक चौकी पर लाल या गुलाबी वस्त्र बिछाकर मां लक्ष्मी की प्रतिमा या चित्र स्थापित किया जाता है।

पूजा के लिए एक कलश स्थापित किया जाता है, जिसमें जल भरकर उसमें आम के पत्ते और ऊपर नारियल रखा जाता है। इसके पश्चात देवी लक्ष्मी को कुमकुम, अक्षत, पुष्प, धूप और दीप अर्पित किए जाते हैं। कमल का फूल अर्पित करना विशेष रूप से शुभ माना गया है।

भोग के रूप में खीर, मिठाई, बताशे या घर में बने शुद्ध पकवान अर्पित किए जाते हैं। पूजा के दौरान 'ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जप करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। इसके बाद लक्ष्मी जी की आरती की जाती है और पूरे घर में दीपक जलाकर सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया जाता है।

लक्ष्मी पंचमी का यह पर्व केवल धन की प्राप्ति का नहीं, बल्कि जीवन में शुद्धता, संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति का भी प्रतीक है। नवरात्र के दौरान शक्ति की साधना के साथ जब लक्ष्मी की उपासना की जाती है, तो यह साधना और भी पूर्ण और फलदायी हो जाती है।

मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा और नियम से की गई पूजा से मां लक्ष्मी प्रसन्न होकर अपने भक्तों के जीवन में सुख-समृद्धि, वैभव और शांति का संचार करती हैं। साथ ही यह तिथि इस बात का संदेश भी देती है कि जीवन में स्थायी लक्ष्मी वही है, जो धर्म, सदाचार और पवित्रता के मार्ग पर चलने से प्राप्त होती है।

होर्मुज ट्रंप के गले की हड्डी, अपने ही राष्ट्रपति पर भड़के पूर्व सीआईए चीफ

बोले-ईरान युद्ध में फंस गया यूएस

वॉशिंगटन, (वेब वार्ता)।

ईरान के खिलाफ अमेरिका का युद्ध बढ़ते संघर्ष और कठिन परिस्थितियों में फंसा है। लियोन पैनेटा ने ट्रंप को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा, युद्ध की स्थिति अमेरिकी तैयारियों की कमी को दर्शाती है।

ईरान के खिलाफ अमेरिका की जंग तीन हफ्ते से ज्यादा समय से जारी है, और अब तक इसके खत्म होने का कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिल रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए इस संघर्ष से बाहर निकलने का कोई आसान रास्ता नजर नहीं आ रहा। जैसे-जैसे युद्ध लंबा हो रहा है, ट्रंप की घरेलू स्थिति भी कठिन होती जा रही है, और उन्हें तीखी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

इस मामले में सबसे बड़ी आलोचना अमेरिकी सुरक्षा के पूर्व अधिकारियों द्वारा की जा रही है। इसमें सबसे प्रमुख नाम लियोन पैनेटा का है। पैनेटा अमेरिका के पूर्व रक्षा मंत्री और सीआईए के पूर्व प्रमुख हैं। पैनेटा ने गॉर्डियन अखबार से बातचीत में कहा कि ट्रंप इस युद्ध में फंसे हुए हैं और इसके लिए वे खुद जिम्मेदार हैं।

स्ट्रेट होर्मुज ईरान की ताकत

उन्होंने बताया कि अमेरिकी सुरक्षा अधिकारियों को वर्षों से यह जानकारी थी कि ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक कर सकता है, जिससे विश्वभर में तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। यह खतरा पहले से ही ज्ञात था, जिसे संघर्ष के दौरान नजरअंदाज किया गया। पैनेटा का कहना है कि यह समझना कोई कठिन काम नहीं था कि ईरान से युद्ध के दौरान होर्मुज स्ट्रेट का बंद होना अमेरिका की सबसे बड़ी कमजोरी होगी।

पैनेटा ने यह भी संकेत दिया कि ट्रंप को अब एक कठिन निर्णय का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें यह तय करना होगा कि क्या वे होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए युद्ध का दायरा बढ़ाएं, ताकि दबाव कम हो और शायद ईरान से बातचीत हो सके, या फिर वे युद्ध को समाप्त करने के लिए पीछे हटकर हार मान लें, हालांकि सभी जानते हैं कि ऐसा करने से उनकी स्थिति कमजोर होगी।

धमाकों से दहला तुर्की, दो इमारतें ढही, एक की मौत और कई घायल

इस्तांबुल, (वेब वार्ता)।

इस्तांबुल के फातिह जिले में गैस विस्फोट से दो इमारतें ढह गईं, एक व्यक्ति की मौत और कई घायल हुए। बचाव जारी है, जबकि मिडिल ईस्ट तनाव से तेल कीमतें प्रभावित हैं।

तुर्की के इस्तांबुल के फातिह जिले में रविवार को प्राकृतिक गैस विस्फोट की एक गंभीर घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। धमाका इतना तेज था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनी गई। विस्फोट के कारण दो इमारतें पूरी तरह ढह गईं। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए।

घटना के तुरंत बाद बचाव और राहत कार्य शुरू किया गया। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू टीमों ने तेजी से काम किया। इस्तांबुल के गवर्नर दावुत गुल ने जानकारी दी कि बचाव दल ने मलबे से 10 घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

गवर्नर गुल ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ-साथ अस्पताल जाकर घायलों का हाल भी जाना। अधिकारियों के अनुसार, ढही हुई इमारतों में से एक दो मंजिला थी, जबकि दूसरी एक मंजिला थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विस्फोट एक इमारत में दोपहर के समय हुआ, जो संभवतः प्राकृतिक गैस रिसाव के कारण हुआ।

कांग्रेस सम्मेलन में राहुल गांधी करेंगे आदिवासियों के मुद्दों पर चर्चाः वासनिक

अहमदाबाद, (वेब वार्ता)।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार को गुजरात के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह वडोदरा में अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस द्वारा आयोजित एक सभा में शामिल होंगे। उनका यह कार्यक्रम खास तौर पर आदिवासी समुदाय के अधिकारों और उनके सामने मौजूद चुनौतियों पर केंद्रित है।

राहुल गांधी के दौरे को लेकर कांग्रेस सांसद मुकुल वासनिक ने बताया कि यह कार्यक्रम वडोदरा में हो रहा है और इसमें हमारे नेता राहुल गांधी खुद शामिल होंगे। अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस की तरफ से कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में आदिवासी समाज से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा होगी, जैसे कि उनके अधिकारों पर होने वाले हमले, उनके विकास के कामों में अनदेखी और अन्य परेशानियां। इस मौके पर अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस के तमाम साथी और गुजरात के कांग्रेस के प्रमुख नेता भी मौजूद रहेंगे।

जानकारी के अनुसार, राहुल गांधी का दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक 'आदिवासी संविधान अधिकार सम्मेलन' में रहेंगे। इस दौरान आदिवासी समुदाय के लोग अपने सवाल, सुझाव और समस्याएं सामने रख सकेंगे। खास बात यह है कि सम्मेलन में मध्य और पूर्वी गुजरात के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोगों के आने की संभावना है।

यह कार्यक्रम कांग्रेस की तैयारी के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। गुजरात में आने वाले दिनों में स्थानीय निकाय चुनाव होने वाले हैं और ऐसे समय में यह सम्मेलन पार्टी के लिए आदिवासी समुदाय के साथ जुड़ने और उनकी समस्याओं को समझने का अच्छा अवसर है।

एआईएमआईएम और हुमायूं कबीर के गठबंधन की घोषणा पर कहा, ओवैसी भाजपा के सच्चे साथीः कांग्रेस

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी द्वारा यह घोषणा किए जाने के बाद कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव पूर्व तृणमूल कांग्रेस नेता हुमायूं कबीर की नवगठित आम जनता उन्नयन पार्टी के साथ गठबंधन में लड़ेगी, पर सोमवार को कांग्रेस ने तीखा हमला बोला। कांग्रेस ने कहा, 'धन्यवाद ओवैसी। आपने अपना धर्मनिरपेक्षता का मुखौटा हटा दिया है और दुनिया को अपना असली सांप्रदायिक चेहरा दिखा दिया है।'

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि ओवैसी ने खुद को भाजपा की 'बी-टीम' ही नहीं बल्कि उसका 'सच्चा साथी' भी साबित कर दिया है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने एआईएमआईएम-एजेयूपी गठबंधन की आलोचना करते हुए कहा, 'धन्यवाद, असदुद्दीन ओवैसी। आपने अपना धर्मनिरपेक्षता का मुखौटा हटा दिया है और दुनिया को अपना असली सांप्रदायिक चेहरा दिखा दिया है।'

उन्होंने कहा, 'आपने यह भी दिखा दिया कि आप न सिर्फ भाजपा की बी-टीम हैं, बल्कि उसके सच्चे साथी भी हैं। लोग हुमायूं कबीर पर आरोप लगा रहे हैं कि उन्होंने पार्टी बनाने के लिए पैसा लिया है। तो क्या आपको दिल्ली से फंड मिल रहा है? जनता सब समझती है और वह आपको पश्चिम बंगाल के साथ-साथ हैदराबाद के चुनावों में भी आपकी स्थिति दिखा देगी।'

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने भी इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'जहां भी धर्मनिरपेक्ष वोटों का बंटवारा होता है, उसका फायदा अंततः भाजपा को ही मिलता है। ओवैसी इसके लिए जाने जाते हैं और उन पर अक्सर ऐसे आरोप लगते हैं। वह निश्चित रूप से ऐसी रणनीति अपनाते हैं ताकि वोटों का विभाजन हो सके। इसलिए हम कहते हैं कि वह भाजपा की बी-टीम के रूप में काम करते हैं।'

झामुमो के प्रवक्ता मनोज पांडे ने भी कहा, 'मुझे लगता है कि अब ओवैसी को एक-दो राज्यों में कुछ सफलता मिली है। उन्होंने भाजपा को मजबूत किया है और धर्मनिरपेक्ष दलों व ताकतों को कमजोर किया है, जिससे उनका मनोबल बढ़ा है। मुझे लगता है कि बंगाल की राजनीति के संदर्भ में वह कहीं फिट नहीं बैठेंगे।'

तमिलनाडु भाजपा प्रभारी और केंद्रीयमंत्री पीयूष गोयल चेन्नई पहुंचे

चेन्नई, (वेब वार्ता)। तमिलनाडु भाजपा प्रभारी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल चेन्नई पहुंच गए हैं। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपने सहयोगी दलों के साथ सीट बंटवारे की बातचीत में व्यस्त हैं। इसी क्रम में सीट बंटवारे की बातचीत अंतिम चरण में पहुंच चुकी है और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम तथा भारतीय जनता पार्टी के बीच आज शाम अंतिम दौर की बातचीत होने वाली है। पीयूष गोयल सुबह करीब 10 बजे चेन्नई पहुंचे। चेन्नई एयरपोर्ट पर उनका स्वागत एल. मुरुगन और नयिनार नागेंद्रन सहित पार्टी नेताओं ने किया। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में पीयूष गोयल ने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कड़गमझ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस गठबंधन से जनता निराश और असंतुष्ट है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु बदलाव के लिए तैयार है। गोयल ने डीएमके गठबंधन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि उसे हराने के लिए एआईएडीएमके के नेतृत्व में गठबंधन बनाया गया है।

मणिपुर : यूएनएलएफ के 14 कैडर गिरफ्तार, हथियार और नकदी जब्त

इंफाल, (वेब वार्ता)।

मणिपुर पुलिस ने थौबल जिले के नोंगपोक सेकमाई पुलिस थानांतर्गत हाओखोंग क्षेत्र में एक अभियान के दौरान प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ - कोइरेंग) से जुड़े 14 कैडरों को गिरफ्तार किया है।

मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने सोमवार को बताया गया है कि रविवार को पकड़े गए कैडरों की पहचान इंफाल पश्चिम के खुंबोंग माखा लीकाई के नामीराकपम कोंडुम मैतेई उर्फ लन्हेइबा (46), बिष्णुपुर के चेयरन लींगांगताबी के सोरोखैबम रोसेश उर्फ कांगलेइपुबा उर्फ किलो-आई (43), बामाओन लीकाई मांगे मखोंग, इंफाल पूर्व के ताखेलचांगबम राजेंद्रो शर्मा उर्फ खाबा (59), खुरई चिंगंबम लीकाई, इंफाल पूर्व के येलम रतन सिंह उर्फ खंबा (54); कुम्बी हाओटक, बिष्णुपुर के अहनथेम रतन मैतेई उर्फ शिरोई (30); खुरई थोंगम लीकाई, इंफाल पूर्व के सोयम संजीव (42); कोडोमपोकपी ममंग लीकाई, इंफाल पश्चिम के तोइजम करजीत सिंह (20); नगामुखोंग, थौबल के पुखरीहोंगबाम नोंगसाबा मैतेई उर्फ लाईदाबा (18); ताओबुंगखोक अवांग लीकाई, इंफाल पश्चिम के कंघुजम माइसन मैतेई (17); न्यू कीथेलमनबी अवांग लीकाई, इंफाल पश्चिम के थौदाम मुना मैतेई उर्फ इनाओ (19); खुरई कोनसम लीकाई, इंफाल पूर्व के कोनसम बेबेटो मैतेई (28); कुम्बी हाओटक, बिष्णुपुर के वाहेंगबाम संतोष मैतेई (19); कोडोमपोकपी ममांग लीकाई, इंफाल पश्चिम के क्षेत्रिमायुम डिक्सन सिंह (19) और इंफाल पूर्व के ताखेल ममांग लीकाई के चिंगखम रोमेश सिंह उर्फ याईफाबा (30) के रूप में की गई है।

पुलिस ने बताया कि इस अभियान के दौरान दो इंसास राइफलें, आठ इंसास लाइट मशीन गन मैगजीन, पांच इंसास राइफल मैगजीन और इंसास गोला-बारूद के 100 राउंड बरामद किए गए।

पीएम की चुनावी रैलियां सिलीगुड़ी से लेकर भवानीपुर तक होंगी

कोलकाता, (वेब वार्ता)।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो अगले महीने पश्चिम बंगाल में कुल 14 चुनावी कार्यक्रमों में भाग लेने वाले हैं। संभवतः वह अपनी चुनावी मुहिम की शुरूआत सिलिगुड़ी (दार्जिलिंग जिले) से करेंगे और इसका समापन दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर में एक मेगा रोड शो-सह-रैली के साथ होगा।

सिलिगुड़ी में मतदान पहले चरण में 23 अप्रैल को होने वाला है, जबकि भवानीपुर इस बार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबला देखने को मिलेगा, दूसरे चरण में 29 अप्रैल को मतदान होगा।

भाजपा के एक राज्य समिति सदस्य ने कहा, अभी तक यह तय किया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोलकाता में दो कार्यक्रमों में शामिल होना है। एक उत्तर कोलकाता की किसी विधानसभा क्षेत्र में होगा और दूसरा दक्षिण कोलकाता में, और दूसरे के लिए भवानिपुर स्वाभाविक विकल्प है, क्योंकि वहां इस बार मुकाबला हाई-वोल्टेज का है।

ये 14 कार्यक्रम जनता की सभाओं और रोडशो को शामिल करेंगे, जहां प्रधानमंत्री संबोधन देंगे।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर में चोरी, एक कर्मचारी गिरफ्तार

मुंबई, (वेब वार्ता)। मुंबई के मशहूर श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर में चोरी का एक मामला सामने आया है, जहाँ दान पेटी से पैसे चुराने के आरोप में मंदिर के एक स्थायी कर्मचारी को गिरफ़्तार किया गया है। यह घटना 22 मार्च को तब सामने आई, जब मंदिर प्रशासन ने नियमित निगरानी के दौरान कुछ गड़बड़ी देखी।पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान 57 वर्षीय राजेंद्र पेंढारकर के रूप में हुई है, जिस पर दान संग्रह से कम से कम 10,000 रुपये चुराने का शक है। अधिकारियों ने बताया कि रोजाना की निगरानी के दौरान, सीसीटीवी फुटेज में कर्मचारी का संदिग्ध व्यवहार दिखा। फुटेज में कथित तौर पर उसे बार-बार दान पेटी को ऊपरी मंज़िल पर ले जाते हुए, उसे उल्टा करते हुए और छोटी-छोटी दरारों से नोट निकालते हुए देखा गया। माना जा रहा है कि यह सिलसिला कई दिनों से चल रहा था। अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि इस मामले में और भी कर्मचारी शामिल हो सकते हैं।

बीआरएस के विधायकों ने शुल्क प्रतिपूर्ति फंड जारी करने की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, (वेब वार्ता)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों ने सोमवार को तेलंगाना विधानसभा के पास विरोध प्रदर्शन किया और शुल्क प्रतिपूर्ति (फीस रिंबर्समेंट) फंड को तुरंत जारी करने की मांग की।

दिन की कार्यवाही शुरू होने से पहले बीआरएस के विधायक और विधान पार्षद गन पार्क पर एकत्र हुए और तख्तियां दिखाते हुए, मुख्य विपक्षी दल के विधायकों ने सरकार से लंबित फीस प्रतिपूर्ति फंड तुरंत जारी करने की मांग की।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता मधुसूदन चारी ने मीडिया से कहा कि तेलंगाना सरकार कथित रूप से छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है, जैसे वह समाज के अन्य वर्गों के साथ कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि फीस प्रतिपूर्ति फंड समय पर जारी न होने के कारण कई छात्रों को पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ रही है। उन्होंने कहा, 'हम लंबित फीस प्रतिपूर्ति के 12,000 करोड़ तुरंत जारी करने की मांग करते हैं।'

जम्मू-कश्मीर के सांबा में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास स्थित गांव में हुआ विस्फोट, जांच जारी

जम्मू, (वेब वार्ता)।

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के एक गांव में सोमवार को एक घर के बाहर एक रहस्यमय विस्फोट हुआ। अधिकारियों ने कहा कि विस्फोट की सही प्रकृति का पता लगाया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के घगवाल सेक्टर के गावाला तालाब गांव में सरपंच जयराम शर्मा के घर के बाहर रविवार रात 2 बजे विस्फोट हुआ। अधिकारियों ने बताया कि गवाला तालाब गांव अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 10 किलोमीटर दूर है। विस्फोट में घर का गेट और चारदीवारी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ।

पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीमें गांव पहुंचीं और विस्फोट स्थल से नमूने लेकर विस्फोट की सही जानकारी पता लगाने की कोशिश कर रही है। इस घटना के संबंध में संबंधित पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। केंद्रशासित प्रदेश में स्थित 240 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा सांबा, कठुआ और जम्मू जिले में स्थित है।

बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेस-वे पर हादसा, चार की मौत

बेंगलुरु, (वेब वार्ता)। बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेस-वे पर सोमवार तड़के हुए हादसे में चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया है कि केरलम के एक निजी ट्रैवल्स कंपनी की बस केरलम से बेंगलुरु की ओर आ रही थी। इसी दौरान रामनगर जिले के चन्नापटना तालुक के पुट्टप्पनदोड्डी के पास बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चार यात्रियों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान केरलम निवासी मोहम्मद परान (22), रफीज (45) तथा बेंगलुरु निवासी राशीद (45) और साकिर (27) के रूप में हुई है। पुलिस का मानना है कि हो सकता है चालक को झपकी आ गई हो। दुर्घटना में कई यात्री मामूली रूप से घायल हुए हैं। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।

2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।

3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉ क फरीदाबाद में।

4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेंकड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।

इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनज़र समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-

1- गोपाल न्यूज एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बाल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर- 9811477204

2- नरेंद्र बुक्सर शाप
मूँगफली चौक एन.आई.टी.नम्बर-5 फरीदाबाद
मोबाइल - 9810229192

3- दीक्षित न्यूज एजेन्सी ओल्ड फरीदाबाद
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नज़र पढ़िए, समय के साथ चलिए

सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और

वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु, 900 प्राप्त करिए
भेदी नज़र समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए

बम्पर ड्रा

पहला इनाम

एक हीरो बाईक

दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम

तीसरा इनाम

बीस मोबाईल फोन

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेंगा तो एसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नज़र के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते हैं।
- भेदी नज़र प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई.नं.
HAR/HIN/2011/43680
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
प्लाट न. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्पलेक्स सेक्टर-10
फरीदाबाद से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर-7 नोएडा
से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं.-
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान संपादक और प्रधान संपादक कानूनन जिम्मेदार नहीं होगा।